जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 31 संख्याः 280 प्रभात उदयपुर, सोमवार 12 अगस्त, 2024 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

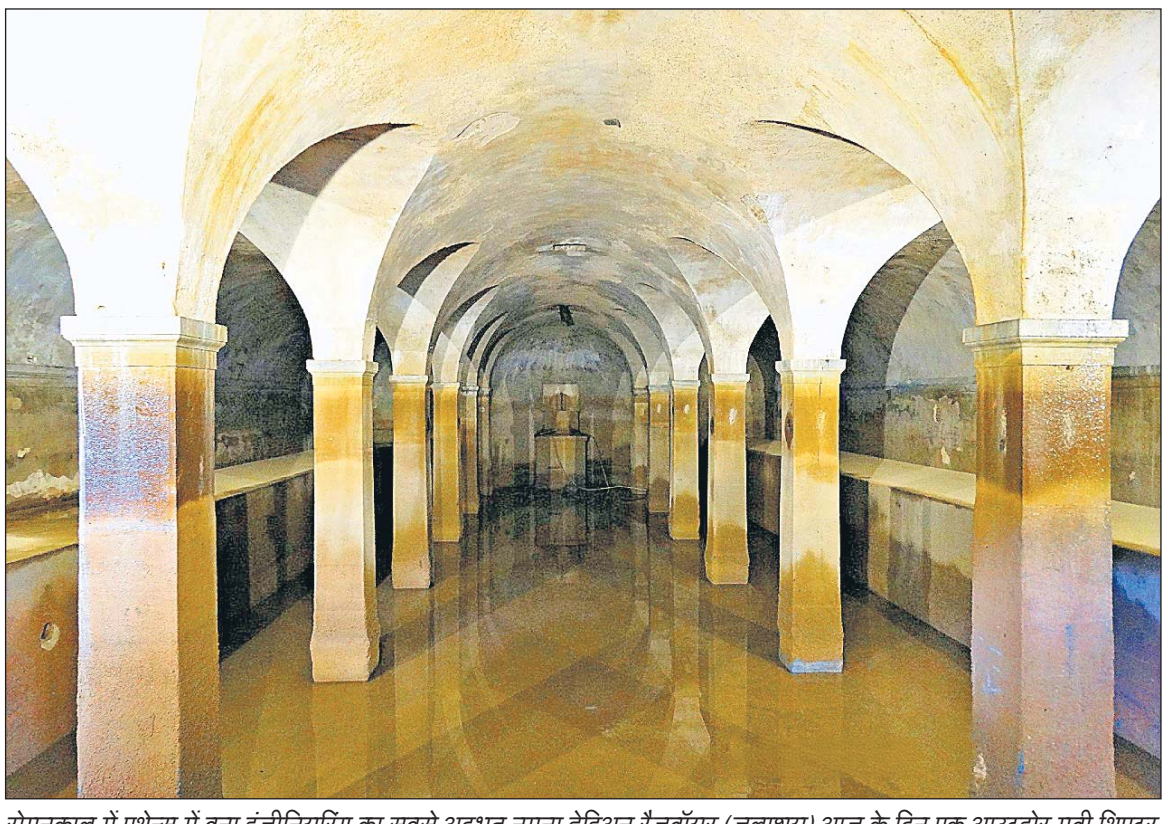

रोमनकाल में एथेन्स में बना इंजीनियरिंग का सबसे अद्भुत नमूना हेड्रिअन रैज़वॉयर (जलाशय) आज के दिन एक आउटडोर मूवी थिएटर के नीचे है। लगभग 2000 साल पुराने इस रैज़वॉयर के ऊपर खुली हवा में बैठकर लोग फिल्म देखते हैं। दूसरी सदी ईसवी में एथेन्स वासियों की बढ़ती हुई पानी की आवश्यकता पूरी करने के लिए, सम्राट हेड्रिअन ने एक जलाशय बनाने का आदेश दिया। इस तरह 125 ईसवी में पानी के परिवहन के लिए एक पाईप-लाइन का निर्माण शुरु हुआ, जो ''माउन्ट परनिथा'' से आरंभ होकर, 12 मील दूर ''माउन्ट लायकाबैटस'' की तलहटी तक जाती थी, जहाँ जलाशय का निर्माण किया गया। इस मानव निर्मित पाईप-लाइन का ज्यादातर हिस्सा भूमिगत सुरंग जैसा था, जिसे ठोस चट्टानों को काटकर बनाया गया था। इसका निर्माण 140 ईसवी में पूरा हो गया था। तब से आज तक यह एथेन्स का सबसे बड़ा इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजैक्ट है। हेड्रिअन रैज़वॉयर, माउन्ट लायकाबैटस के पश्चिमी बेस पर स्थित है। यहाँ से निकलने वाले पाइपों के द्वारा 1000 वर्षों तक उस इलाके के निवासियों की पानी की ज़रुरतें पूरी हुईं। जलाशय, हेड्रिअन और उनके उत्तराधिकारी एन्टोनाइनस पायस को समर्पित था, जिनके शासनकाल में इसका निर्माण कार्य पूरा हुआ था। ऑटोमन साम्राज्य के शासनकाल में, इस जलाशय का परित्याग कर दिया गया था, जिसके कारण अधिकतर निवासियों को कुओं पर निर्भर होना पड़ा। फिर, वर्ष 1847 में जलाशय की पाइपलाइनों का जीर्णोद्धार शुरु हुआ, हालांकि 1929 में ''मैराथन बांध'' बनने के बाद यह जलाशय पानी का मुख्य स्रोत नहीं रहा। वर्तमान में जलाशय से पीने के पानी की सप्लाई नहीं होती है, लेकिन फिर भी जलाशय का थोड़ा सा पानी पाइपलाइन से होते हुए, अंतिम छोर पर एक गंदे नाले में गिरता है। इस स्थान पर अब सीढ़ियों का कुछ भाग तथा दो खंभों की नींव ही बची हुई है। जलाशय के प्रवेश द्वार के ढांचे का एक भाग भी अस्तित्व में है, लेकिन वह ''नेशनल गार्डन'' में रखा हुआ है।

अडानी के शेयरों के निवेशक अपनी गाढ़ी कमाई खो देते हैं तो उसका जिम्मेदार कौन?

राहुल गांधी ने हिंडनबर्ग की नई रिपोर्ट में सेबी अध्यक्ष और अडानी ग्रुप के बीच मिलीभगत के खुलासे के मामले में यह सवाल पूछा

- **राहुल गांधी के पूछा कि सेबी की अध्यक्ष माधबी पुरी बुच पर लगाए गए आरोपों के बाद उन्होंने अभी तक इस्तीफा क्यों नहीं दिया है। इसके अलावा राहुल गांधी ने कहा कि नए और गंभीर आरोपों को देखते हुए क्या सुप्रीम कोर्ट इस मामले में स्वतः संज्ञान लेगा?**
- **राहुल गांधी ने सवाल किया है कि अगर निवेशकों का पैसा डूब जाता है, तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा-प्रधानमंत्री मोदी, सेबी की अध्यक्ष माधबी बूच या फिर गौतम अडानी।**
- **राहुल गांधी ने इस मामले में जॉइन्ट पार्लियामेंट्री कमिटी की जांच का जिक्र करते हुये कहा कि ''प्रधानमंत्री मोदी एक जॉइंट पार्लियामेंट्री कमिटी जांच से डरते हैं और इस मामले का खुलासा क्यों नहीं हो रहा है, यह अब स्पष्ट हो चुका है।''**

नई दिल्ली, 11 अगस्त। अमेरिका की शॉर्ट-सेलर कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च की नई रिपोर्ट को लेकर राहुल गांधी ने सरकार को आड़े हाथों लिया है। राहुल गांधी ने एक वीडियो शेयर कर पूछा है कि सेबी की अध्यक्ष माधबी पुरी बुच पर लगाए गए आरोपों के बाद यदि निवेशक अपनी गाढ़ी कमाई खो देते हैं, तो किसे जवाबदेह किसे ठहराया जाएगा? राहुल गांधी इस मामले में राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी, सेबी अध्यक्ष और उद्योगपति गौतम अडानी को भी लपेटा है।

राहुल गांधी के पूछा कि सेबी की अध्यक्ष माधबी पुरी बुच पर लगाए गए आरोपों के बाद उन्होंने अभी तक इस्तीफा क्यों नहीं दिया है। इसके अलावा राहुल गांधी ने कहा कि नए और गंभीर आरोपों को देखते हुए क्या सुप्रीम कोर्ट इस मामले में स्वतः संज्ञान लेगा? इसके साथ ही राहुल गांधी ने सवाल किया है कि अगर निवेशकों का पैसा डूब जाता है, तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा-प्रधानमंत्री मोदी, माधबी पुरी बूच या गौतम अडानी।

जॉइंट पार्लियामेंट्री कमिटी की जांच का जिक्र करते हुए राहुल गांधी ने सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने अपने ट्वीट में कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी एक जॉइंट पार्लियामेंट्री कमिटी जांच से डरते हैं और इसका खुलासा क्यों नहीं हो रहा है, यह अब स्पष्ट हो चुका है।''

राहुल गांधी के बयान से पहले कांग्रेस ने इस मामले में रविवार को कहा कि सरकार को अडानी ग्रुप की विनायमक द्वारा की गयी जांच में हितों के सभी टकरावों को तत्काल दूर करना चाहिए। कांग्रेस ने इस मामले की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच कराने की अपनी मांग भी दोहरायी।

विपक्षी पार्टी ने यह भी कहा कि 'देश के शीर्ष अधिकारियों की कथित मिलीभगत' का समाधान केवल इस 'घोटाले' के पूरे दायरे की जांच के लिए एक संयुक्त संसदीय समिति गठित करके ही किया जा सकता है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि सेबी ने उच्चतम न्यायालय के समक्ष मोदी जी के करीबी मित्र अडानी को हिंडनबर्ग के जनवरी 2023 के खुलासों में 'क्लीनचिट' दी थी। उन्होंने कहा कि हालांकि, सेबी प्रमुख से जुड़े ' परस्पर फायदा पहुंचाने' के नए आरोप सामने आए हैं।

खड़गे ने एक्स पर कहा, ''मध्यम वर्ग से संबंधित छोटे और मध्यम निवेशकों, जो अपनी मेहनत की कमाई शेयर बाजार में निवेश करते हैं, को संरक्षित करने की आवश्यकता है, क्योंकि वे सेबी पर विश्वास करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''जब तक इस महा-

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'बांग्लादेश के रणनीतिक द्वीप पर नियंत्रण के लिए अमेरिका ने हमें हटाने की साजिश रची'

बांग्लादेश की पूर्व प्र.मंत्री शेख हसीना ने अमेरिका पर बांग्लादेश में तख्तापलट की साजिश रचने के आरोप लगाये

- **'द इकोनॉमिक टाइम्स' को प्राप्त पत्र में लिखा है, अगर मैंने सेंट मार्टिन द्वीप की संप्रभुता को आत्मसमर्पण कर दिया होता और अमेरिका को बंगाल की खाड़ी पर प्रभुत्व रखने की अनुमति दी होती तो मैं सत्ता में बनी रह सकती थी।**
- **गौरतलब है कि शेख हसीना ने पिछली गर्मियों में बिना किसी पार्टी का विवरण दिये कहा था कि बंगलादेश द्वीप को पट्टे (लीज) पर नहीं देगा। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कुछ दिनों बाद कहा कि अमेरिका ने कभी भी द्वीप पर नियंत्रण लेने की योजना का उल्लेख नहीं किया था।**

ढाका, 11 अगस्त (वार्ता) बंगलादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने रविवार को प्रकाशित एक पत्र में अमेरिका पर सेंट मार्टिन के रणनीतिक द्वीप की संप्रभुता छोड़ने से इनकार करने के बाद उन्हें हटाने की साजिश रचने का आरोप लगाया है।

'द इकोनॉमिक टाइम्स' को प्राप्त पत्र में लिखा है, अगर मैंने सेंट मार्टिन द्वीप की संप्रभुता को आत्मसमर्पण कर दिया होता और अमेरिका को बंगाल की खाड़ी पर प्रभुत्व रखने की अनुमति दी होती तो मैं सत्ता में बनी रह सकती थी।

सुश्री हसीना ने पिछली गर्मियों में बिना किसी पार्टी का विवरण दिये कहा था कि बंगलादेश द्वीप को पट्टे (लीज) पर नहीं देगा। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कुछ दिनों बाद कहा कि अमेरिका ने कभी भी द्वीप पर नियंत्रण लेने की योजना का उल्लेख नहीं किया था।

हसीना ने कहा कि उन्होंने पद छोड़ने का फैसला किया 'ताकि मुझे शवों का जुलूस न देखना पड़े' और उन्होंने दक्षिण एशियाई राष्ट्र से कट्टरपंथियों के बहकावे में न आने का भी आग्रह किया।

उन्होंने लिखा, अगर मैं देश में रहती, तो और अधिक जानें जातीं, अधिक संसाधन नष्ट हो जाते। मैंने बाहर निकलने का बेहद कठिन निर्णय लिया। हसीना ने आगे कहा कि मैंने इसलिए इस्तीफा दिया ताकि देश में अमन-चैन कायम रहे। मैं नहीं चाहती थी कि वहां पर हिंसा हो। शेख हसीना ने कहा कि वह लोग छात्रों की लाशों पर सत्ता हासिल करना चाहते थे। लेकिन मैंने पहले ही इस्तीफा देकर ऐसी नौबत ही नहीं आने दी। गौरतलब है कि बांग्लादेश में राजनीतिक हालात काफी ज्यादा खराब हैं। पांच अगस्त को छात्रों का विरोध प्रदर्शन तेज हुआ था। यह लोग सरकारी नौकरी में विवादास्पद कोटा सिस्टम खत्म करने की मांग कर रहे थे। इसके बाद बढ़ती हिंसा से डरकर शेख हसीना मिलिट्री एयरक्राफ्ट में सवार होकर भारत पहुंच गईं। फिलहाल वह भारत में ही मौजूद हैं। बांग्लादेश में नोबल विजेता मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार चुनी गई है।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि अगर मैंने अमेरिका को बंगाल की खाड़ी में अधिकार दे दिए होते तो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हरियाणाः जमीन विवाद में गोलियां चली, 8 घायल

सिरसा, 11 अगस्त। हरियाणा के सिरसा में रानियां में नामधारी डेरे की जमीन को लेकर दो गुटों में ताबड़तोड़ फायरिंग हुई। इस घटना में 6 लोग घायल बताए जा रहे हैं, जिन्हें पहले सिरसा के एक अस्पताल में दाखिल करवाया गया लेकिन उनकी गंभीर हालत को देखते हुए सभी को अग्रोहा मेडिकल कॉलेज रैफर कर दिया गया। सभी की हालत गंभीर बताई जा रही है। वहीं, इस घटना के बाद इलाके में भारी तनाव पैदा हो गया। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

- **हरियाणा के सिरसा में रानियां में नामधारी डेरे की जमीन को लेकर दो गुटों में ताबड़तोड़ फायरिंग हुई। यह मामला बीते कई दिनों से चल रहा है जो सरकार के लिए भी एक बड़ी चुनौती बन चुका है।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कानोता बांध में 5 युवक डूबे, एक साथी बाहर निकला

शास्त्रीनगर और झोटवाड़ा के रहने वाले 6 युवक रविवार शाम कानोता बांध घूमने पहुंचे थे

- **हादसे की सूचना के बाद एस.डी.आर.एफ. और सिविल डिफैंस टीम ने मौके पर पहुंचकर सर्च अभियान शुरू किया, देर रात तक युवकों का कोई अता-पता नहीं चल सका था।**

जयपुर, 11, अगस्त । राजधानी जयपुर के नजदीक कानोता बांध में रविवार शाम 5 युवक डूब गए, जबकि उनका एक साथी सुरक्षित बाहर निकल गया। जानकारी मिलने पर एस.डी.आर.एफ. और सिविल डिफेंस की टीम मौके पर पहुंची। इसके बाद रैस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। देर रात दो युवकों के शव बाहर निकाल लिये गये, जबकि शेष तीन युवकों की तलाश चलती रहीं। ज्ञात रहे कि तेज बारिश के कारण कानोता बांध में करीब 5 दिन से पानी की चादर चल रही है।

जानकारी के मुताबिक जयपुर के शास्त्रीनगर और झोटवाड़ा के रहने वाले 6 युवक रविवार शाम कानोता बांध घूमने पहुंचे थे। सभी दोस्त नहाने लग गए, तभी एक युवक का पैर पाल पर फिसल गया और वह नीचे गिर गया। इस दौरान अन्य पांच युवक भी पानी में गिर गए। इनमें से एक युवक बाहर निकल आया। हादसे की सूचना मिलने के बाद कानोता थाना पुलिस मौके पर पहुंची। एस.डी.आर.एफ. और सिविल डिफेंस की टीमों ने मौके पर सर्च की कार्यवाही शुरू की। बस्सी ए.सी.पी. मुकेश चौधरी ने बताया कि रविवार देर रात बांध में डूबे दो युवकों हर्ष नागौरा व अजय माहोर का शव बाहर निकाल लिया गया, जबकि शेष तीन युवकों की तलाश में एस.डी.आर.एफ. और सिविल डिफेंस टीम जुटी रही। बताया जा रहा है कि कानोता बांध में पानी का बहाव तेज होने के कारण टीम को रैस्क्यू में परेशानी आयी।

कानोता पुलिस ने बताया कि बांध में हर्ष नागौरा (20), विनय मीना (22), विवेक माहोर (22), अजय माहोर (22) और हरकेश मीना (24) डूब गए। वहीं, उनका एक साथी राज बृजवासी बच गया। दोस्तों को डूबते हुए देखकर उसने आवाज लगाकर लोगों से मदद मांगी। उनकी तलाश की जा रही है। ज्ञात रहे कि इस बार मानसून की तेज बारिश के कारण कानोता बांध 24 साल में दूसरी बार छलका (ओवरफ्लो हुआ) है। इसकी वजह से यहां रोज बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। लेकिन, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं हैं। इसकी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोदी ने फसलों की 109 नई किस्में जारी की

नयी दिल्ली, 11 अगस्त (वार्ता) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को उच्च उपज देने वाली, जलवायु अनुकूल और जैव-सशक्त विभिन्न फसलों की 109 किस्में जारी की।

इस अवसर पर मोदी ने किसानों और वैज्ञानिकों से बातचीत भी की। कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान तथा राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर भी मौजूद रहे।

मोदी ने 61 फसलों की 109 किस्में जारी की।

- **प्र.मंत्री मोदी ने 61 फसलों की 109 किस्में जारी की। इनमें 34 खेत की और 27 बागवानी फसलें शामिल हैं।**

इनमें 34 खेत की और 27 बागवानी फसलें शामिल हैं। खेत की फसलों में बाजरा, चारा फसलें, तिलहन, दलहन, गन्ना, कपास, फाइबर और अन्य फसलों सहित विभिन्न अनाजों के बीज जारी किए। बागवानी फसलों में फलों, सब्जियों, बागान फसलों, कंद फसलों, मसालों, फूलों और औषधीय फसलों की विभिन्न किस्में जारी हुई। प्रधानमंत्री ने कहा कि नयी फसल किस्म से कृषि में मूल्य संवर्धन होगा।

उन्होंने मोटे अनाज का उल्लेख किया और कहा कि लोग पोषक खानपान की ओर आकर्षित हो रहे है। श्री मोदी ने प्राकृतिक खेती के लाभों के बारे में बात

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अडानी ग्रुप घोटाले की जांच के लिए जॉइन्ट पार्लियामैंट्री कमेटी जांच की जरूरत है'

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा कि जब तक इस मामले में अगर जे.पी.सी. जांच नहीं होती है तब तक यह संदेह बना रहेगा कि देश की संवैधानिक संस्थाओं की अस्मिता से समझौता करके मोदी अपने सहयोगियों को बचाते रहेंगे

- **खड़गे ने एक्स पर लिखा, जनवरी 2023 की हिंडनबर्ग रिपोर्ट के खुलासे के बाद सेबी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सहयोगी अडानी को उच्चतम न्यायालय में क्लीन चिट दे दी थी। हालांकि, सेबी प्रमुख से जुड़े एक लेन-देन के बारे में नए आरोप सामने आए हैं।**
- **खड़गे ने कहा कि मध्यम वर्ग के छोटे और मध्यम निवेशकों को संरक्षण दिए जाने की जरूरत है क्योंकि वे अपनी मेहनत की कमाई शेयर बाजार में लगाते हैं।**

नई दिल्ली, 11 अगस्त। अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा सेबी की अध्यक्ष माधबी बुच के खिलाफ लगाए गए आरोपों के मद्देनजर कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि इस बड़े घोटाले की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जे.पी.सी.) के गठन की जरूरत है। खड़गे ने आरोप लगाया कि जब तक जेपीसी इस मुद्दे की जांच नहीं करती, तब तक यह चिंता बनी रहेगी कि पिछले सात दशकों में कड़ी मेहनत कर बनाई गई भारत की संवैधानिक संस्थाओं से समझौता करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने सहयोगी को बचाते रहेंगे। कांग्रेस ने कहा कि सरकार को अडानी समूह की नियामक की जांच में सभी हितों के टकराव को खत्म करने के लिए तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने मामले की संयुक्त संसदीय समिति से जांच कराने की अपनी मांग दोहराई।

खड़गे ने एक्स पर लिखा, जनवरी 2023 की हिंडनबर्ग रिपोर्ट के खुलासे के बाद सेबी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सहयोगी अडानी को उच्चतम न्यायालय में क्लीन चिट दे दी थी। हालांकि, सेबी प्रमुख से जुड़े एक लेन-देन के बारे में नए आरोप सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि मध्यम वर्ग के छोटे और मध्यम निवेशकों को संरक्षण दिए जाने की जरूरत है क्योंकि वे अपनी मेहनत की कमाई शेयर बाजार में लगाते हैं और उनका सेबी पर भरोसा है। खड़गे ने कहा कि इस बड़े घोटाले की जांच संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से कराना आवश्यक है। कांग्रेस प्रमुख ने कहा, तब तक यह चिंता बनी रहेगी कि पिछले सात दशकों में कड़ी मेहनत कर बनाई गई भारत की संवैधानिक संस्थाओं से समझौता करते हुए, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने सहयोगी को बचाते रहेंगे।

हिंडनबर्ग ने आरोप लगाया है कि सेबी की अध्यक्ष माधबी बुच और उनके पति के पास कथित अडानी धन हेराफेरी घोटाले में इस्तेमाल किए गए अस्पष्ट विदेशी फंड में हिस्सेदारी थी। हिंडनबर्ग ने अडानी पर अपनी पिछली रिपोर्ट के 18

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पंजाबः कार पानी में बही, नौ मरे

होशियारपुर,11अगस्त (वार्ता)। पंजाब में होशियारपुर के जैजो गांव की खड्ड में आई बाढ़ में एक इनोवा कार के पानी के बहाव में बह गई जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई, एक बच्चे को बचा लिया गया जबकि एक अभी लापता है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार हिमाचल प्रदेश के ऊना जिला के देहला गांव के एक ही परिवार के लोग शादी समारोह में भाग लेने होशियारपुर के महालपुर जा रहे थे। जैजो गांव के पास लगातार हो रही बारिश से बाढ़ आ गई। मौके पर स्थानीय लोगों ने चालक को आगे जाने के लिए मना किया लेकिन चालक ने कार को पानी से निकालने की कोशिश की लेकिन पानी के तेज बहाव में कार बह गई। दीपक भाटिया को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों की पहचान महालपुर गांव के सुरजीत, परमजीत कौर, सरूप चंद, बिंदर, शिन्नो, भावना (18), अंजू (20) और हरमीत (12) के रुप में की गयी हैं। घटना की सूचना पाकर प्रशासन और पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर लापता की तलाश शुरू कर दी है।

- **पंजाब में होशियारपुर के जैजो गांव की खड्ड में आई बाढ़ में एक इनोवा कार के पानी के बहाव में बह गई जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई, एक बच्चे को बचा लिया गया जबकि एक अभी लापता है।**

विचार बिन्दु

ज्ञानी जन विवेक से सीखते हैं, साधारण मनुष्य अनुभव से, अज्ञानी पुरुष आवश्यकता से और पशु स्वभाव से। –कौटिल्य

छात्रसंघ चुनाव : दिल के खुश रखने को खयाल अच्छा है!

राजस्थान में इन दिनों शिक्षण संस्थाओं में छात्र संघ चुनाव करवाने की मांग ज़ोर-शोर से की जा रही है। विभिन्न राजनीतिक दलों के नेतागण, और विभिन्न राजनीतिक दलों से संबद्ध विद्यार्थी संगठन भी इसी तरह की मांग करते हुए आंदोलित हैं। बहुत रोचक बात यह है कि राजस्थान में अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली पिछली सरकार ने वर्ष 2023 में छात्र संघ चुनाव न कराने का फैसला किया था। तब प्रदेश भर के विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने नई शिक्षा नीति 2020 लागू करने के साथ ही विश्वविद्यालयों में चल रही प्रवेश और परीक्षा प्रक्रिया का हवाला देते हुए छात्रसंघ चुनाव पर रोक लगाने की सलाह दी थी। इस सलाह को राज्य सरकार ने स्वीकार कर लिया था और तदनुसार उच्च शिक्षा विभाग ने एक आदेश में यह भी कहा था कि छात्र संघ चुनावों में धनबल और बाहुबल का खुलकर उपयोग किया जा रहा है, जो लिंगदोह कमिटी की सिफारिशों का उल्लंघन है। इस आदेश में यह भी कहा गया था कि यदि चुनाव कराए जाते हैं तो पढाई प्रभावित होगी और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत सेमेस्टर सिस्टम लागू नहीं हो सकेगा। बहुत रोचक बात है कि इसके लगभग एक बरस बाद, जब राजस्थान में कॉंग्रेस की नहीं, भाजपा की सरकार बन चुकी है और अशोक गहलोत का पदनाम भूतपूर्व मुख्यमंत्री हो गया है, वे कह रहे हैं कि छात्रसंघ के चुनाव करवाए जाने चाहियें क्योंकि छात्र संघ राजनीति की पहली पाठशाला होते हैं और इनके चुनाव करवाने से विद्यार्थियों में लोकतंत्र और संविधान के प्रति जागरूकता आती है। हमारे यहां राजनीति की जो रिवायत है उसके चलते यह आश्चर्यजनक नहीं लगता है कि जब आप किसी पद पर होते हैं तो आपका कर्म अलग होता है और जब आप पद पर नहीं होते हैं तो आपके विचार उसके एकदम विपरीत होते हैं। लेकिन यह बात बडी रोचक लग रही है कि जहां राज्य की सरकार छात्र संघ चुनाव को लेकर कुछ भी कहने से बच रही है वहीं उसके अपने दल के कई बड़े लोग खुलकर छात्र संघ चुनाव करवाने की मांग कर रहे हैं। कुछेक केंद्रीय मंत्री भी इस मांग के पक्ष में अपने बयान दे चुके हैं। जो न इधर हैं और न उधर, वे तो खुलकर इस मांग का समर्थन कर ही रहे हैं। कुल मिलाकर स्थिति यह है कि राजनीतिक दलों के लोग और राजनीति में रुचि रखने वाले विद्यार्थी छात्र संघ चुनाव की मांग कर रहे हैं और सरकार अभी इस मामले पर मौन धारण किए हुए है।

जो लोग छात्र संघ चुनाव की मांग करते हैं उनके मुख्य तर्क ये होते हैं कि इनसे विद्यार्थियों को लोकतंत्र का प्रशिक्षण मिलता है, उनमें नेतृत्व भावना का विकास होता है, उनमें से जिनमें भी राजनीति में जाने की आकांक्षा है उन्हें इस बात का प्रशिक्षण मिलता है और विद्यार्थियों को प्रशासन तक अपनी बात पहुंचाने और अपनी असुविधाओं का निवारण करवाने का एक उपयुक्त माध्यम मिलता है। इसी तरह के अन्य अनेक तर्क भी दिए जाते हैं, जैसे अशोक गहलोत जी ने कहा कि इनसे विद्यार्थियों में संविधान के प्रति जागरूकता उत्पन्न होती है। कितना अच्छा होता, अगर वे इतना और बता देते कि यह काम होता कैसे है! ऐसा नहीं है कि सारा विद्यार्थी समुदाय, सारा शैक्षिक तंत्र और सारा समाज इन चुनावों के पक्ष में ही है और इन्हें हितकारी मानता है। ऊपर हमने राजस्थान के उच्च शिक्षा विभाग के जिस आदेश का ज़िक्र किया है उसमें धनबल और बाहुबल की बात कह दी गई है। ऐसा तो है नहीं कि धनबल और बाहुबल का यह खेल केवल पिछले वर्ष ही खेला गया था, न तो इससे पहले खेला गया और न –अगर फिर से चुनाव हुए– इस वर्ष खेला जाएगा। जहां तक धनबल की बात है, अगर यह खेल पुराना न होता तो लिंगदोह समिति को अपनी रिपोर्ट ही नहीं देनी पडती। 23 मई, 2006 को ज़ारी इस 88 पन्नों की रिपोर्ट पर एक नज़र डालने से ही यह बात स्पष्ट हो जाती है कि छात्रसंघ चुनावों में बहुत सारी विकृतियं आ गई थीं। अब वे विकृतियां और बढ़ी हैं, कम नहीं हुई हैं। और बावजूद इस बात के कि इस रिपोर्ट की अनुशंसाएं अभी भी प्रभावी हैं, हर कोई जानता है कि वास्तव में तो उनका पालन नहीं होता है। सिर्फ़ दो बातों का ज़िक्र यहां करना चाहूंगा। इस रिपोर्ट में यह निर्देशित किया गया है कि छात्रसंघ के चुनावों में राजनीतिक दलों का हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए। क्या वास्तव में ऐसा हो रहा है? हर राजनीतिक दल की अपनी विद्यार्थी इकाई है और वह बाकायदा टिकिट वितरित करती है। अपने प्रशासनिक अनुभव के आधार पर मैं कह सकता हूं कि सभी राजनीतिक दलों के बडे नेता इन चुनावों पर पैनी नज़र रखते हैं और इनमें खुलकर हस्तक्षेप करते हैं। जहां तक चुनाव पर होने वाले खर्च की बात है, लिंगदोह समिति ने अपनी अनुशंसा (6.6.1) में कहा है कि प्रत्येक प्रत्याशी के लिए खर्च की अधिकतम सीमा पांच हज़ार रुपये होगी। जहां तक मेरी जानकारी है, यह राशि अब भी यथावत है, इसमें कोई वृद्धि नहीं की गई है, और इसलिए हमें मान लेना चाहिए कि सारे लोग इस सीमा के भीतर खर्च करके चुनाव लड़ रहे हैं। अगर उन्होंने इससे ज़्यादा खर्च किया होता तो निश्चय ही उन पर कोई कार्रवाई हुई होती। अब ज़रा बाहुबल की भी बात कर ली जाए। चुनाव के दौरान, और अनेक बार उसके बाद भी विभिन्न छात्र समूह जो गैंग वॉर का मंज़र प्रस्तुत करते हैं, उसे याद करके समझा जा सकता है कि इन चुनावों में बाहुबल का कैसा और कितना उपयोग होता है।

अगर पूरे देश की राजनीति को देखें और यह जानने का प्रयास करें कि कुल कितने लोग इन चुनावों से आगे आए हैं, तो जो तस्वीर उभरेगी वह बहुत चमकदार तो नहीं ही होगी। और मान लीजिए कि कुछ लोग इन चुनावों की सीढ़ियां चढ़कर विधान सभाओं या लोकसभा तक पहुंच भी गए तो यह भी देखिए कि इसके लिए हमने कितनी कीमत चुकाई है!

क्या ये निर्वाचित संघ विद्यार्थियों की समस्याएं दूर करवा पाते हैं? क्या उनकी दिलचस्पी ऐसा करने में होती है? मैंने बहुत लम्बे समय तक शिक्षा के क्षेत्र में काम किया है, और अब उससे निवृत्त हो जाने के बाद भी उस क्षेत्र में मेरी रुचि बनी हुई है। मैं बहुत उत्सुकतापूर्वक अख़बारों को खंगालता हूं, यह जानने के लिए कि छात्र संघों के निर्वाचित पदाधिकारी अपने शैक्षिक प्रशासन के सामने विद्यार्थियों की कौन-कौन से समस्याएं लेकर जाते हैं। मैं बहुत क्षोभ के साथ लिख रहा हूं कि मैं ऐसे समाचार देखने-पढने को तरस गया हूं। उनकी मांग अपने लिए कमरों की, सुविधाओं की और शपथ ग्रहण समारोह में अपनी पार्टी या अपनी जाति के नेता को बुलाने की सीमा को शायद ही कभी पार करती हो। जहां बड़ा बजट होता है वहां उनकी नज़र उसके दुरुपयोग पर भी रहना अपवाद नहीं होता है। भले ही ऐसा सब न करते हों। अगर जुलाई अगस्त में चुनाव होते हैं तो दिसम्बर तक तो छात्र संघ का उद्घाटन होता है, और यदा कदा उससे पहले अध्यक्ष के कमरे के उद्घाटन का नया जुड़ा कार्यक्रम संपन्न होता है। और साल का दूसरा कार्यक्रम वार्षिक सांस्कृतिक समारोह और पुरस्कार वितरण का होता है, अगर हो पाए। प्रायः तो यह नहीं ही होता है। बस यह काम कुल मिलाकर निर्वाचित छात्र संघ करते हैं।

हां, इन चुनावों के बहाने कुछ लोग राजनीतिक दलों के नेताओं के निकट आ जाते हैं, बदले में राजनीतिक दलों को भी भावी या नए मतदाताओं तक पहुंचने का मौका मिल जाता है। जो लोग नेताओं के निकट आते हैं उनमें से कोई-कोई आगे जाकर कुछ बन जाता है और उसी का नाम बार-बार लेकर इन छात्र संघ चुनावों को लोकतंत्र की नर्सरी कहकर संबोधित कर दिया जाता है। अगर पूरे देश की राजनीति को देखें और यह जानने का प्रयास करें कि कुल कितने लोग इन चुनावों से आगे आए हैं, तो जो तस्वीर उभरेगी वह बहुत चमकदार तो नहीं ही होगी। और मान लीजिए कि कुछ लोग इन चुनावों की सीढ़ियां चढ़कर विधान सभाओं या लोकसभा तक पहुंच भी गए तो यह भी देखिए कि इसके लिए हमने कितनी कीमत चुकाई है! शैक्षिक संस्थानों का वातावरण इनकी वजह से कितना प्रदूषित हुआ है, कितनी अशांति वहां फैली है और इन चुनावों के नाम पर हमारे संभावनाशील युवाओं ने कितनी ग़लत बातें सीखी हैं।

असल में कुछ बातें हैं जो कहने-सुनने-पढने में बहुत भली लगती हैं, और इसीलिए उन्हें बार-बार दुहराया जाता है। लेकिन जैसा हमारे मरहूम चचा कह गए हैं:–

हम को मालूम है जन्नत की हक़ीक़त लेकिन
दिल के ख़ुश रखने को ग़ालिब ये ख़याल अच्छा है!

तो यह मानकर खुश हो लीजिए कि छात्र संघ के चुनाव विद्यार्थियों के लिए, शिक्षण संस्थाओं के लिए और समाज के लिए – सबके लिए बहुत हितकारी हैं!

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

मेवाड़ संभाग स्तरीय प्रतिभावान सम्मान समारोह में पांच सौ से अधिक प्रतिभाएं सम्मानित

भीलवाड़ा, (निसं)। राजस्थान प्रदेश माली (सैनी) महासभा एवं माली सैनी समाज कर्मचारी एवं अधिकारी विकास संस्था के संयुक्त तत्वावधान में माली समाज का भीलवाड़ा शहर में नगर परिषद् स्थित टाउन हॉल में मेवाड़ संभाग का प्रतिभावान सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह में 500 से भी अधिक प्रतिभाओं सहित समाज के कर्मचारियों, भामाशाहों एवं जन प्रतिनिधियों का सम्मान किया गया।

सामाजिक अधिकारिता एवं न्याय विभाग मंत्री अविनाश गहलोत ने प्रतिभाओं को सम्मानित किया।

समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार के सामाजिक अधिकारिता एवं न्याय विभाग के केबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज के युवाओं का आईक्यू ही नहीं बढ़ा है, बल्कि वे शिक्षा के क्षेत्र में भी आगे बढ़ रहे हैं। अब विद्यार्थियों के 100 में से 100 नंबर आ रहे हैं। उनकी होशियारी भी बढ़ी है और दिमाग भी तेज हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि माली समाज के लोग मेहनती होने के साथ शिक्षा व अन्य क्षेत्र में भी अपने झण्डे गाढ रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा से परिवार ही संस्कारित नहीं होता बल्कि देश का भी विकास होता है। उन्होंने समाज के लोगों से कुरीतियां दूर करने का आव्हान किया और कहा कि अपने समाज की कुरीतियां खुद मिटाएं।

समारोह की अध्यक्षता बांदीकुई विधायक भागचंद सैनी ने की। विशिष्ट अतिथि माण्डल विधायक उदयलाल भडाणा, राजस्थान प्रदेश माली सैनी महासभा के प्रदेश अध्यक्ष ताराचंद गहलोत, महात्मा फूले राष्ट्रीय संस्थान के अध्यक्ष अनुभव चंदेल, मोतीलाल सांखला, माली सैनी समाज कर्मचारी अधिकारी विकास संस्था के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश सैनी, पूर्व अध्यक्ष हनुमान प्रसाद सैनी, महासचिव मदनलाल सैनी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुशील सैनी एवं ओंकार माली थे। राजस्थान प्रदेश माली (सैनी) महासभा के प्रदेश महामंत्री गोपाल लाल माली ने सम्मानित होने वाली सभी प्रतिभाओं को सम्मान के लिए बधाई देते हुए उनसे आग्रह किया कि वो हमेशा शिक्षा व सामाजिक क्षेत्र में आगे बढ़कर समाज का नाम रोशन करें। साथ ही संबोधित करते हुए समाज की तरफ से यह पीड़ा भी उजागर की कि भीलवाड़ा में माली समाज के लाखों वोटर होने के साथ ही राजनीतिक नियुक्तियों व पार्टियों में प्रतिनिधित्व न के बराबर हैं।

समारोह की शुरूआत महात्मा फूले व सावित्री बाई फूले की प्रतिमा पर दीप प्रज्जवन के साथ हुई। तत्पश्चात् समाज के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। समारोह में समाज के कई होनहार प्रतिभाओं को नकद पुरस्कार भी दिया गया। सम्मान होने वाली प्रतिभाओं में 10वीं कक्षा के 74, 12वीं कक्षा के 124, स्नातक, स्नातकोत्तर की 26 व खेल एवं राजनीतिक नियुक्तियों में चयनित 90 व सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में श्रेष्ठ 30 प्रतिभाओं के साथ-साथ 150 से अधिक भामाशाहों व समाजसेवियों का सम्मान किया गया, जिनमें प्रमुख रूप से उदयलाल माली, सत्यनारायण डाबला, पांचू लाल माली, लादू लाल रागस्या, हरिश गहलोत, शंभूलाल माली, योगेश गहलोत, मुरलीधर सैनी, कन्हैयालाल माली, सम्पत माली, राजू माली, सीता देवी सैनी, नारायण लाल माली शामिल थे। समारोह में भीलवाड़ा जिले सहित चित्तौड़गढ़, राजसमंद, उदयपुर, अजमेर, पाली सहित आस-पास के जिलों से हजारों की संख्या में लोग पहुंचे।

- **शिक्षा से परिवार ही संस्कारित नहीं होता बल्कि देश का भी विकास होता है : अविनाश गहलोत**

टीबा बसई में खेल मैदान की भूमि पर अतिक्रमण को लेकर युवाओं व ग्रामीणों में आक्रोश

गांव के युवाओं ने चंदा एकत्रित कर वर्ष 2017 में जोहड़ को खेल मैदान का रूप दिया था

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी उपखंड के टीबा बसई के खेल मैदान पर अतिक्रमण को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश पनप रहा है। रविवार को युवाओं ने खेल मैदान में एकत्रित होकर प्रशासन से मैदान की सीमा ज्ञान करवाने की मांग की है।

युवाओं ने बताया कि पिला जोहड़ स्कूल के नाम से कटा हुआ खेल मैदान था। गांव के युवाओं ने आमजन से चंदा एकत्रित कर वर्ष 2017 में जोहड़ को खेल मैदान का रूप दिया, जिसके बाद खेल मैदान में युवा सेना की तैयारी तथा खेलों में भाग लेने की तैयारी कर रहे हैं। राज्य सरकार की ओर से टीबा गांव में शहीद श्योराम गुर्जर राजकीय स्कूल की नई बिल्डिंग बनाने की स्वीकृति दी है, जिसका कुछ दिन पहले ही विधायक की ओर से शिलान्यास भी किया गया है।

युवाओं ने खेल मैदान में एकत्रित होकर प्रशासन से मैदान की सीमा ज्ञान करवाने की मांग की।

युवाओं ने बताया कि स्कूल प्रबंधन व ठेकेदार के द्वारा बनाए गए नक्शे में खेल मैदान स्कूल भवन के अंदर आ रहा है तथा मैदान का आधा हिस्सा स्कूल भवन की नई बनने वाली बिल्डिंग में चला जाएगा। खेल मैदान के सामने खाली जगह पड़ी हुई है। इसके बावजूद भी खेल मैदान में स्कूल भवन को बनाने का प्रयास किया जा रहा है। यदि प्रशासन युवाओं के हितों को ध्यान में रखते हुए मैदान के सामने खाली जगह में स्कूल भवन बनाया जाए तो युवाओं को तैयारी करने के लिए खेल मैदान बच सकता है।

युवाओं ने बताया कि खेल मैदान को लेकर ग्रामीणों की ओर से तहसीलदार व अन्य प्रशासनिक अधिकारियों को अवगत भी करवाया जा चुका है, लेकिन स्कूल प्रबंधन व ठेकेदार खेल मैदान में भवन बनाने पर अड़े हुए हैं। इस दौरान युवाओं ने खेल मंत्री व तहसीलदार को पत्र भेजकर खेल मैदान की सीमा ज्ञान व खाली जगह में स्कूल भवन बनाने की मांग की है। युवाओं ने बताया कि यदि जल्द ही प्रशासन ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया तो युवाओं की ओर से खेल मैदान बचाने के लिए आंदोलन किया जाएगा।

इस मौके पर रामकिशन, मायाराम, महेंद्र सिंह, बलवान, अंकित, अजीत, राजेंद्र, संदीप, अनूप, आजाद, विक्की, दीपेंद्र, सोनू, मयंक, कुलदीप, विनोद कुमार, प्रदीप, सत्यवीर, शैलेश, सुनील, लोकेश सहित अनेक ग्रामीण मौजूद थे।

- **युवाओं ने खेल मंत्री व तहसीलदार को पत्र भेजकर खेल मैदान की सीमा ज्ञान व खाली जगह में स्कूल भवन बनाने की मांग की**

सांभर का पांच सौ वर्ष पुराना चारभुजानाथ का मंदिर गिरने के कगार पर

सांभरझील, (निसं)। सांभर का 500 वर्ष पुराना चारभुजा नाथ का मंदिर गिरने के अंतिम कगार पर है। प्रदेश में मानसून चरम पर है मंदिर की दीवारें लगातार कमजोर हो चली है और कभी भी पूरी तरह से मंदिर गिरकर खंडर में तब्दील हो सकता है, लेकिन तमाम जानकारी होने के बावजूद जिम्मेदार लोगों ने अपनी चुप्पी साध रखी है। यहां के चारभुजा नाथ मंदिर के सामने स्थित सार्वजनिक चौक निर्माण के लिए पूर्व विधायक निर्मल कुमावत की अनुशंषा पर 10 लाख रुपए का बजट निवर्तमान सरकार की ओर से मंजूर किए जाने तथा इसकी प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृति मिलने के बाद भी करीब एक साल से यह मामला अटका पड़ा है।

सांभर में जीर्णोद्धार के अभाव में चारभुजानाथ का मंदिर गिरने के कगार पर है।

जिला परिषद जयपुर के अधिशाषी अभियंता के.सी. मीना ने 1 अगस्त 2023 को यहां के लोकल बॉडी को पत्र जारी कर इसकी तकलीना रिपोर्ट मांगवाई गई थी, ताकि बजट की प्रक्रिया को अंजाम दिया जा सके। प्राप्त जानकारी के अनुसार एक वर्ष की कालावधि के दौरान प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति मिलने के बाद भी लापरवाही के चलते यह कार्य अटका पड़ा है। भाजपा मंडल अध्यक्ष जितेंद्र डांगरा ने बताया कि मैंने खुद ने कई बार नगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी से मिलकर इस प्रक्रिया को पूरा करवा दिया था और निर्माण कार्य के लिए टेंडर भी हो चुका है। अब समझ में नहीं आ रहा है इसके बाद भी काम चालू करने में आखिर दिक्कत क्या है। यह बताना जरूरी है कि जिस जगह चौक का निर्माण होना है, उसके ठीक सामने 500 वर्ष पुराना चारभुजा नाथ का प्राचीन मंदिर है जो कुछ माह पहले करीब 30 प्रतिशत ढह गया था और लगातार दरक रहा है।

जानकारी के अनुसार निवर्तमान सरकार की ओर से पर्यटन व पुरातत्व विभाग के माध्यम से यहां के धार्मिक स्थलों के जीर्णोद्धार के लिए करोड़ों रुपए का बजट जारी किया था, लेकिन इस प्राचीन मंदिर के रखरखाव और जीर्णोद्धार को पूरी तरह से गौण कर दिया गया, जिसका यहां के लोगों ने विरोध किया तो बाद में विधायक निर्मल कुमावत के दबाव में थोड़ा बहुत काम हुआ, लेकिन पुरातत्व विभाग इसमें भी लीपापोती करके चला गया, यानी की वास्तविक रूप में जो काम होना चाहिए था वह हुआ ही नहीं। अब हालात यह है कि यहां के पुजारी राजेंद्र व्यास अब सुबह शाम मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए जाते हैं तो सबसे पहले भगवान से दुआ करते हैं कि वह सुरक्षित वापस बाहर आ जाए। पालिका ने अपने स्तर पर इस मंदिर को लेकर कुछ ऐसा काम नहीं किया जो सराहनीय रहा हो।

- **जानकारी होने के बावजूद जिम्मेदारों ने अपनी चुप्पी साध रखी है**

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 12 अगस्त, 2024

सावन मास, शुक्ल पक्ष, सप्तमी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2081, स्वाती नक्षत्र प्रातः 8:33 तक, शुक्ल योग सांय 4:25 तक, वणिज करण प्रातः 7:56 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 4:15 से वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-तुला, मंगल-वृष, बुध-सिंह, गुरू-वृष, शुक्र-सिंह, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज यमघट योग प्रातः 8:32 से सूर्योदय तक है। भद्रा प्रातः 7:56 से रात्रि 8:44 तक रहेगी। आज सप्तमी तिथि में वृद्धि हुई है। आज दुर्वाष्टमी व्रत और चतुर्थ सावन वन सोमवार व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 7:38 तक, शुभ 9:16 से 10:54 तक, चर 2:10 से 3:47 तक, लाभ-अमृत 3:47 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 6:01, सूर्यास्त 7:03

मेष
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक यात्रा संभव है। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

कर्क
घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी और परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा।

कन्या
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है। घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

तुला
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

वृश्चिक
अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी।

धनु
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

मकर
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में परेशानी हो सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

ग्रामीण युवाओं के आत्मनिर्भर बनने के सपनों को साकार कर रहे जिंक कौशल केन्द्र

उदयपुर, (कासं)। हिन्दुस्तान जिंक द्वारा हमेशा से अपने परिचालन इकाईयों के आस पास के क्षेत्र के समुदाय का सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण प्राथमिकता में रहा है। जिसके लिए विभिन्न परियोजनाओं का संचालन शिक्षा, स्वास्थ्य और आवश्यकता आधारित कार्यक्रमों के अनुकूल किया जा रहा है। जिम्मेदार उद्योग के रूप में सीएसआर के तहत् हिन्दुस्तान जिंक द्वारा विशेष रूप से स्थानीय ग्रामीण युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार से जोडने के लिए जिंक कौशल केंद्र द्वारा उनके भविष्य को सुदृढ करने हेतु प्रयास किये जा रहे है। युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के कंपनी के प्रयासों से करीब 5248 से अधिक युवाओं को कौशल विकास से जोडने और उनमें से 6 हजार से अधिक के रोजगार एवं उद्यमी के रूप में कार्यरत होने से सफलता की ओर अग्रसर होते नजर आते है।

जिंक कौशल केंद्र में प्रशिक्षण लेते युवा।

उल्लेखनीय है कि कार्यक्रम ने 2019 में शुरूआत के बाद से 7,100 से अधिक ग्रामीण युवाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान किया है। 'क्लिक से प्रगति तक सतत विकास के लिए युवा डिजिटल रास्ते' थीम के साथ यह कार्यक्रम कौशल विकास और उद्यमिता के माध्यम से कंपनी के परिचालन क्षेत्रों में युवाओं को सशक्त बनाने में सहायक रहा है। प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रो में बेराजगारी का मुख्य कारण युवाओं में कौशल की कमी है। इसे दूर करने के लिये हिंदुस्तान जिंक ने अंबुजा सीमेंट फाउंडेशन, टाटा स्ट्राइव और वेदांता फाउंडेशन के साथ मिलकर ग्रामीण क्षेत्रों में हिन्दुस्तान जिंक के कौशल विकास कार्यक्रमों संचालित किया है।

ये संगठन स्थानीय युवाओं के लिए उपलब्ध रोजगार के अवसरों के साथ-साथ युवाओं की रुचि के अनुसार विभिन्न क्षेत्रों की पहचान कर भौगोलिक क्षेत्रों में मूल्यांकन सर्वेक्षणों के अनुसार कार्यक्रम की शुरुआत करते है। जिंक कौशल केंद्रों में यह महत्वपूर्ण है कि युवा स्वयं किस पाठ्यक्रम या क्षेत्र में रूचिकर है। वर्ष 2019-20 में स्थापित दरीबा और आगुचा के बाद अब ये कौशल केंद्र जावर, देबारी, कायड, चंदेरिया और पंतनगर में भी संचालित है। हाल ही में, 76 प्रशिक्षुओं ने प्रतिष्ठित संगठनों में प्लेसमेंट हासिल किया है। जिंक कौशल केंद्र से प्रशिक्षित जीएमआर रक्सा ग्रुप में कार्यरत दीपक साल्वी का कहना है कि 'मैं जिंक कौशल द्वारा प्रदान किए गए अवसर के लिए आभारी हूं।

हैदराबाद एयरपोर्ट पर काम करते हुए, मुझे अच्छा वेतन मिल रहा है, जो मेरे परिवार को बहुत खुशी देता है और मेरी उपलब्धियों को दर्शाता है। हिंदुस्तान जिंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरुण मिश्रा ने कहा कि, ग्रामीण युवाओं की क्षमता को बढावा देने के लिए हमारी प्रतिबद्धता हमेशा से है। युवाओं को कौशल प्रदान करना हमारे सामाजिक-आर्थिक विकास के दृष्टिकोण में प्रमुख है और उन्हें आत्मनिर्भरता के लक्ष्य की ओर सशक्त बनाने का एक तरीका है। युवाओं को वर्तमान आवश्यकता अनुसार कौशल से प्रशिक्षित कर हम न केवल व्यक्तिगत जीवन को बदल रहे है। हमारे जिंक कौशल केंद्र के माध्यम से युवा दिमागों को सशक्त बनाकर, हम एक विकसित भारत के निर्माण में मदद कर रहे हैं, जहां कुशल और

- **जिंक कौशल केंद्रों से प्रशिक्षित 6 हजार ग्रामीण युवा रोजगार और उद्यम से जुड़े**

आत्मविश्वासी युवा राष्ट्रीय प्रगति और नवाचार के पीछे प्रेरक शक्ति हैं। यह पहल स्थानीय प्रतिभाओं को पोषित करने, सतत विकास को बढावा देने और समुदायों के समग्र विकास में योगदान देने के लिए हमारे समर्पण को दर्शाती है। आज तक हमारे 6 हजार से अधिक युवा प्रशिक्षु ग्रामीण परिदृश्य को बदल रहे है और सभी के लिए समावेशी भविष्य का निर्माण करने की ओर अग्रसर है।

कार्यक्रम ने अपने सोलर पीवी लैब के माध्यम से नए युग के कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए जीवन को बदलने में उल्लेखनीय सफलता का प्रदर्शन किया है, जिससे युवाओं को भविष्य की मांगों के लिए तैयार किया जा रहा है। इस पहल ने 100 से अधिक एक्सपोजर यात्राओं का आयोजन किया है, जिससे 1,600 से अधिक छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण का लाभ मिला है। यह आगुचा, कायड और जावर स्थानों पर प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कोचिंग भी प्रदान करता है, जिससे 250 से अधिक छात्रों को सार्वजनिक सेवा करियर बनाने में मदद मिली है। कौशल विकास के साथ ही, हिंदुस्तान जिंक की सीएसआर परियोजनाओं से 3,685 गांवों में 1.9 मिलियन लोग लाभान्तिव हुए है।

मकालेश्वर के नगर भ्रमण पर विशेष यातायात व्यवस्था

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर शहर में सार्वजनिक प्रन्यास मंदिर श्रीमहाकालेश्वर की ओर से 12 अगस्त को भगवान महाकालेश्वर के नगर भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर पुलिस उप अधीक्षक यातायात शाखा की ओर से नगर भ्रमण के दौरान शनि देवजी मंदिर, चेटक सर्कल, महाकालीमंदिर हाथीपोल, जगदीश मंदिर जगदीश चौक, गणेश मंदिर जाडागणेश जी, अम्बामाता मंदिर पर महाआरती का आयाजन होने भक्तों की भारी भीड़ जमा रहेगी। इस दौरान यातायात व्यवस्था सुचारू रूप सेबनाये रखने के लिए दोहपर 2.30 के पश्चाम कार्यक्रम समाप्ति तक रंग निवास से भटियानी चोहट्टा, चांदपोल से घडिरू देवरा, हाथीपोल, हरबनजी का खुर्रा, मोती चोहट्टा से, बडाबाजार सेघंटाघर की तरफ, ब्रम्हापोल से जाडा गणेशजी व चांदपोल की तरफ एवं जाटवाड़ी से चांदपोल की तरफ राडाजी चौराहा से अम्बामाता मंदिर अम्बापोल की तरफ आवागाम निषेध रहेगा। इस दौरान झाड़ोल मार्ग से आने वाले वाहन मल्लातलाई, रानी रोड़, देवाली, फतहपुरा चौराहे की तरफ, देहली गेट से हाथीपोल, कोर्ट चौराहे से चतर्क सर्कल की तरफ जाने वाले वाहनों का प्रवेश निषेध रहेगा तथा आस पास वाहनों की पार्किंग भी निषेध रहेगी। यात्रा में शामिल होने वाले सभी प्रकार के वाहनों की पार्किंग रानी रोड़ की तरफ होगी। पुलिस प्रशासन ने आम जन से यातायाा व्यवस्था का पालन कर सहयोग की अपील की है।

सार-समाचार

स्मरणोत्सव समारोह आयोजित

उदयपुर, (कासं)। स्वामी दयानंद सरस्वती की 20०वीं जयंती के उपलक्ष्य में हाल ही में भूपाल नोबल्स के कुम्भा सभागार में एक स्मरणोत्सव समारोह आयोजित किया गया। 19वीं शताब्दी में आर्य समाज दार्शनिक स्कूल के मुख्य संस्थापक संरक्षक के रूप में, उन्होंने विदेशी शासन और सामाजिक वर्जनाओं का सामना कर रहे पराधीन भारतीयों के बीच जागृति पैदा की। विज्ञान फैकल्टी की डीन डॉ. रेणु राठौड और अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ. जयश्री सिंह ने महाविद्यालय में सार्वभौमिक सतत सह-अस्तित्व लक्ष्यों पर केंद्रित एक अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया। गांधीनगर आर्य समाज आश्रम के स्वामी योगेश वैदिक आचार्य ने सनातन धर्म के पांच-बिंदु पैमाने पर प्रकाश डाला, जिसमें सत्य, अहिंसा, आत्म-नियंत्रण, आत्मरक्षा और अपमानजनक आचरण के खिलाफ सुरक्षा पर जोर दिया गया ताकि वैमनस्य और अपमान को बढावा देने वाले कारकों का मुकाबला किया जा सके। राष्ट्रीय ज्ञान प्रवृत्तियों को आगे बढाने और मूल्य संवर्धन को बढाने के लिए सांस्कृतिक और पारिस्थितिक सद्भाव को बढावा देने को प्राथमिकता देना महत्वपूर्ण है। इस प्रतिष्ठित संस्थान में शिक्षा और ज्ञान के क्षेत्र में नवीनतम विकास पर अपडेट रहें ज्ञानप्रवृत्ति, शिक्षा व मूल्यवर्धन। इस अवसर पर विभिन्न संकायों के विद्यार्थि और शिक्षक कार्यक्रम में शामिल हुए। आर्य समाज फाउंडेशन के डॉ. भूपेंद्र शर्मा ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राजसमंद से राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित डॉ. रचना तेलंग, डॉ. वैदिक आर्य, डॉ. कुसुमलता दर्जी, डॉ. नारायण सिंह राव, राजकुमार मेनारिया-मार्शल आर्ट अकादमी के निदेशक, संजय व्यास, नरेंद्र माथुर- इलेक्ट्रिक इंजीनियर उदयपुर, चंद्रकांता वैदिक, डॉ. कमल सिंह राठौड, पीआरओ, बीएन यूनिवर्सिटी उदयपुर थे।

धोखे से जमीन हड़पने का मामला दर्ज

उदयपुर, (कासं)। शहर के प्रतापनगर थाना पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ पीडिता की पैतृक जमीन को फर्जी तरीके से अन्य के नाम विक्रय इकरार करने का प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडिता कैलाश कुंवर पत्नी किशनसिंह कितावत निवासी भीमल मावली ने आरोपी बेनु कुंवर, शंकरसिंह, राजसिंह, माधुसिंह, दीपक चौधरी, चेतना राजावत, लकडवास राजस्व ग्राम के पटवारी सुरेशचन्द्र एवं उप पंजियक प्रथम के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें पीडिता ने बताया कि लकडवास गांव में मेरे पिता की जमीन है। 8 सितंबर 2023 को पिता की मृत्यु हो गई थी। कुछ समय बाद आरोपियों ने मिल कर मार्च 2024 में लकडवास स्थित जमीन के कूटरचित दस्तावेज तैयार कर दीपक पुत्र कैलाश चौधरी के नाम विक्रय इकरार कर दिया। इस संबंध में पडताल की तो आरोपियों ने काई संतोष प्रद जवाब नहीं दिया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है। जिसकी जांच एएसआई पर्वतसिंह कर रहे है।

37 महिला संगठनों का किया सम्मान

उदयपुर, (कासं)। शहर के शोभागपुरा स्थित अशोका ग्रीन में रोटरी क्लब ऑफ उदयपुर अशोका द्वारा समाज सेवा में सक्रिय महिला संगठनों का सम्मान किया गया। क्लब के अध्यक्ष गिरीश राजानी ने बताया कि कार्यक्रम में उन संस्थाओं को सम्मानित किया गया,जो समाज सेवा के साथ.साथ महिलाओं के लिए रोजगार, चिकित्सा शिविर, आत्मरक्षा प्रशिक्षण, सरकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाने,महिला पुलिस मित्र, नि:शुल्क कोचिंग, बच्चों की फीस, उन्हें गोद लेने जैसी सेवाएं प्रदान करती हैं।सम्मान समारोह में शामिल सभी संस्थाओं ने अपने कार्यों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किय। राजानी ने बताया कि भविष्य में क्लब द्वारा महिला आत्मरक्षा शिविर और महिलाओं पर आधारित फिल्म प्रदर्शनी जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सचिव रजनीश कुमावत ने बताया कि इस आयोजन में पूर्व प्रांतपाल निर्मल सिंघवी मुख्य अतिथि के रूप में और असिस्टेंट गवर्नर भव्या गर्ग एवं ए.साबुनवाला विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

शव सौंपा

उदयपुर,(कासं)। टनल में गिरे बेल को बचाने के प्रयास में डूबे युवक को बाहर निकाल पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार नाई थाना क्षैत्र आड फला उपला नाई गांव निवासी रमेश (42) पुत्र मंगला मीणा की 10 अगस्त को अलसीगढ के समीप टनल में डूबने से मौत हो गई थी। इसकी सूचना मिलने पर पुलिस ने सिविल डिफेंस की टीम की मदद से मृतक को बाहर निकाल पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। 10 अगस्त सांय पुरा मीणा का बैल अलसीगढ सेआड होकर जाने वाली टनल में गिर गया था। जिसे निकालने के लिए रमेश मीण टलन में गया लेकिन काफी देर बाद वापस नहीं आया। इस पर ग्रामीणों एवं प्रशासन को सूचना देने पर शव को बाहर निकाल नाई चिकित्सालय मोर्चरी में रखवाया।

कुकिंग प्रतियोगिता 22 अगस्त को

उदयपुर,(कासं)। ओसवाल सभा के तत्वाधान में पहली बार उदयपुर के ओसवाल छोटे साजन समाज की सभी आयु वर्ग की महिलाओं के लिए कुकिंग प्रतियोगिता कुछ मीठा हो जाए का आयोजन किया जा रहा है। अध्यक्ष प्रकाश चंद्र कोठारी ने बताया कि 22 अगस्त को महावीर साधना एवं स्वाध्याय समिति अंबामाता में आयोजित इस कुकिंग कॉन्टेस्ट का आयोजन होगा। इसमें तीन अलग-अलग कैटेगरी रखी है जिसमें पारंपरिक मिठाई,,फैंसी मिठाई और नमकीन आइटम की प्रतियोगिता होगी। ओसवाल सभा बहु प्रकोष्ठ की अध्यक्षया वंदना दक ने बताया कि ओसवाल छोटे साजन समाज की सभी आयु वर्ग की महिलाओं के लिए पहली बार नवाचार करते हुए इस तरह का एक कुकिंग कॉन्टैस्ट रखा जा रहा है जिसमें सभी महिलाएं अपनी कुकिंग प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकेगी। इस कुकिंग कॉन्टेस्ट के दौरान कई तरह के गिफ्टस और अवार्ड भी रखे गए हैं। साथ ही सभी महिलाओं के लिए बनी ठनी प्रतियोगिता (बेस्ट ड्रेस) भी रखी गयी है।

सार-समाचार

अंतरर्राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन

उदयपुर, (कासं)। डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के पूर्व विद्यार्थी परिषद द्वारा आरसीए सभागार में डेयरी एवं खाद्य उद्योग में उद्यमिता विकास एवं स्टार्ट-अप के अवसर विषयक अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूर्व विद्यार्थी परिषद के अध्यक्ष डॉ करुण चंडालिया ने बताया की डेयरी एवं खाद्य के विद्यार्थियों में उद्यमिता का विकास करने के प्रयोजन से इस विश्व स्तरीय सेमिनार का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ लोकेश गुप्ता ने बताया की यह महाविद्यालय राजस्थान का सबसे पुराना डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय है और डेयरी एवं खाद्य के उच्च तकनीकतंत्री 1982 से तैयार कर देश सेवा में अपना योगदान दे रहा है। यह अपार गर्व का विषय है की इस महाविद्यालय के पूर्व छात्र आज डेयरी एवं खाद्य क्षेत्र के सिरमौर उद्यमों में उच्च पदों पर आसीन है और छात्रों को आज अधिकारियो रूपांतरित देखकर महाविद्यालय गौरवान्वित है।

नकदी व जेवरात चोरी

उदयपुर,(कासं)। शहर के नाई थाना क्षेत्र में सूने मकान का चोर ताला तोड़ कर जेवरावत व नकदी चुरा ले गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित इन्द्रसिंह पुत्र सरदारसिंह मोजावत निवासी वरड़ा ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। कि 10 अगस्त को दोपहर में मेरी पत्नी मीरा अपने बडे बेटे के घर गई थी एवं मैं बकरीयां चराने जंगल की तरफ गया था। पत्नी कर पर लौटी तो मकान का ताला टूटा हुआ एवं सामान बिखरा पड़ा था। तलाशी ली तो पेटी में रखे काले बैग में मेरपी नत्नी की जेवर चांदी की पायल, झाझरिया, सोने की अंगुठी, रकड़ी, कान के घाले तन नंग, ओगणनिया एवं 5 हजार रूपये नकदी गायब थी।

शराब तस्करी मामले में आरोपी धरा

उदयपुर, (कासं)। कानोड़ थाना पुलिस ने शराब तस्करी मामले में अठारह माह से फरार आरोपी को गिरफ्तार किया। प्रकरण के अनुसार 15 मार्च 2023 को कानोड़ थाना पुलिस ने लुणदा, पीपलीखेड़ा में नाकाबंदी के दौरान कार को रूकवाया। इस दौरान गाडी में बैठे हरिराम व भंवरलाल से पूछताछ की तोबतायाकि पिछे दो गाडियां आ रही है। जिसमें अवैध शराब भरी है। जिस वाहन का हम एस्कोर्ट कर रहे है। पुलिस ने दो मिनी ट्रक को रूकवाया तो दोनों के चालक एक तरफ गाडी कर फरार हो गया। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेशगोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना सुखवाल, पुलिस उप अधीक्षक राजेन्द्रसिंह जैन के सुपरवजिन में कानोड़ थानाधिकारी मुकेश चन्द्र खटीक के नेतृत्व में गठित दल ने फरार मीनी ट्रक चालक जीतसिंह पुत्र शंभुसिंह निवासी धावड़ी फला वरदा धमोतर जिला प्रतापगढ को गिरफ्तार किया।

सराय व जल मंदिर निर्माण का शिलान्यास 14 को दरौली में

उदयपुर, (कासं)। मेवलिया प्रजापति समाज मेवाड चोखला के ग्राम पंचायत दरौली स्थित श्री यादे देवी मंदिर में सराय व जल मंदिर निर्माण का शिलान्यास कार्यक्रम 14 अगस्त को आयोजित होगा। इस कार्यक्रम को लेकर रविवार को मंदिर परिसर में बैठक आयोजित की गई।

इस अवसर पर मीडिया प्रभारी भगवान प्रजापत ने बताया कि दरौली स्थित श्री यादे देवी मंदिर परिसर मं श्रेयेश्वर महादेव मंदिर के चौक में सराय निर्माण और जल मंदिर के निर्माण का शिलान्यास कार्यक्रम14 अगस्त को प्रात: 10.30 बजे आयोजित किया जाएगा।

अध्यक्ष गणेशलाल प्रजापत ने समाज के समस्त पंच महानुभव,प्रबुद्ध जनों व कार्यकारीणी के सभी सदस्यों को कार्यक्रम में सम्मिलित होने का आव्हान किया।

महामंत्री लक्ष्मी लाल प्रजापत सांगवा ने बताया कि बैठक के दौरान सराय निर्माण का कार्य दो माह में पूर्ण कर मंदिर प्रांगण को एक नया रूप दिया जाएगा। सचिव प्रकाश भटेवर ने बताया कि सराय निर्माण के साथ नवीन जल मंदिर का कार्य भी शीघ्र शुरू कर दिया जाएगा। इससे दर्शनार्थियों को शुद्ध एवं स्वच्छ पेयजल मिल सकेगा।

गंगोदभव कुंड से निकली कांवड़ यात्रा, गूंजा हर-हर महादेव

आयड स्थित गंगोद्भव गंगू कुंड में पूजा-अर्चना करते भक्तगण।

उदयपुर, (कासं)। रविवार रूपेश्वार महादेव मंदिर शांति नगर एवम सर्व रूपेश्वर महादेव मंदिर रूपसागर रोड के संयुक्त तत्वावधान कावड यात्रा समिति की ओर से रविवार को गंगू कुंड आयड से रुपसागर रोड तक कावड यात्रा निकाली गई। इसमें बडी संख्या में शिव भक्त शामिल हुए, जो रास्तेभर गाजे बाजे के साथ हर-हर महादेव का जयकारा लगाते हुए चल रहे थे।

कावड यात्रा समिति के जीवन सिंह राजपूत,नरेंद्र वैरागी ने बताया कि रविवार सुबह 10 बजे आयड स्थित गंगोद्भव शिव मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद यात्रा रूपसागर रोड के लिए रवाना हुई। यह आयड मेन रोड,से केशव नगर, कुशाल बाग, शांति नगर होते हुए रूप सागर स्तिथ महादेव मंदिर पहुंची। यात्रा में पंक्तिबद्ध तरीके से मधुर स्वरलहरियां बिखेरते हुए बैंड चल रहा था। इसके बाद यात्रा में भगवा ध्वज लिए यात्री थे। महिला-पुरुष और कांवडीये हर-हर महादेव का जयकारा लगा रहे थे। मार्ग में जगह-जगह शहरवासियों ने शिव भक्तों का स्वागत किया। यात्रा में वार्ड 64 पार्षद राकेश जैन,रूपसागर मित्र मण्डल के कार्यकर्ता करण पटेल, नरेन्द्र वैरागी,सत्यनारायण पुर्बीया, रूपेश्वर महादेव मंदिर समिति से जीवन सिंह राजपूत,ओम प्रकाश अग्रवाल, सनत जीरिवाल,प्रभु लाल साहू, मदन जोशी पंडित,अन्नपूर्णा गौड आदि अन्य मौजूद रहे।

'जल स्त्रोतों को स्वच्छ रखें'

उदयपुर, (कासं)। झील प्रेमियों ने जल स्त्रोतों पर भ्रमण और पिकनिक के लिए जा रहे लोगों से अपील की है कि वे अपना कचरा वापस साथ लेकर जाएं और जल स्त्रोतों को प्लास्टिक, पॉलिथिन और अन्य कचरे से मुक्त रखें।

रविवार को नांदेश्वर चैनल पर फैली गंदगी की सूचना पर वहां पहुंचे झील प्रेमी डॉ अनिल मेहता, तेज शंकर पालीवाल, नंद किशोर शर्मा, कुशल रावल, और द्रुपद सिंह ने पाया कि भारी मात्रा में प्लास्टिक, पॉलिथिन, गुटकों के पाउच, पानी व शराब की खाली बोतलें, खाने पीने की जूठन इत्यादि कचरे का विसर्जन हो रहा है। यह कचरा पानी के साथ प्रवाहित होकर पेयजल झील पिछोला झील में पहुंचेगा, जो झील और नागरिकों , दोनो के स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक है। झील प्रेमियों ने श्रमदान कर एक बडे हिस्से को कचरे से मुक्त किया और लोगों से आग्रह किया कि वे जल स्त्रोतों को स्वच्छ और सुरक्षित रखें। उन्होंने कहा कि हमारे जल स्त्रोतों की सुरक्षा हमारे हाथों में है।

बिजली आज बंद रहेगी

मावली, (निसं)। सहायक अभियंता विद्युत विभाग मावली ने बताया कि भवाल सेंथिक सहित वासनी कला लदाना, लदानी,आमली, भगवानपुर डांगी खेडा रामपुरा, भंडावास दूदालिया पुष्कर फैक्ट्री आदि में 12 अगस्त का विद्युत सप्लाई सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक बंद रहेगी

डेयरी व खाद्य उद्योग में अवसर विषयक कार्यक्रम ड्रीम बॉक्स का आयोजन

उदयपुर, (कासं)। डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के पूर्व विद्यार्थी परिषद द्वारा 11 अगस्त को महाविद्यालय में डेयरी एवं खाद्य उद्योग में अवसर विषयक कार्यक्रम ड्रीम बॉक्स का आयोजन किया गया।

पूर्व विद्यार्थी परिषद के अध्यक्ष डॉ करुण चंडालिया ने बताया की विद्यार्थियों को डेयरी एवं खाद्य क्षेत्र में उपलब्ध उद्यमिता, रोजगार एवं उच्च शिक्षण से सम्बन्धित जानकारी प्रदान की गई। साथ ही वार्षिक आम बैठक भी आयोजित की गई जिसमे वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया और 1999 से 2003 के पूर्व छात्रों को सम्मानित किया गया। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ लोकेश गुप्ता ने बताया की यह महाविद्यालय राजस्थान का सबसे पुराना डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय है और डेयरी एवं खाद्य के उच्च तकनीकतंत्री 1982 से तैयार कर देश सेवा में अपना योगदान दे रहा है। यह गर्व का विषय है की इस महाविद्यालय के पूर्व छात्र आज डेयरी एवं खाद्य क्षेत्र के सिरमौर उद्यमों में उच्च पदों पर आसीन है और छात्रों को आज अधिकारियो में रूपांतरित देखकर महाविद्यालय गौरवान्वित है। महाविद्यालय के पूर्व छात्र जो आज अधिकारी है अपने कनिष्ठ साथियों को कैरियर परामर्श देने हेतु आज एकत्र होकर महाविद्यालय की गौरवशाली परम्परा का निर्वाह कर रहें हैं।

डेयरी एवं खाद्य उद्योग में अवसर विषयक कार्यक्रम ड्रीम बॉक्स का आयोजन हुआ।

इस अवसर पर महाविद्यालय के पूर्व विद्यार्थी परिषद के कार्यालय का उद्घाटन एमपीयुएटी के कुलपति डॉ अजीत कुमार कर्नाटक ने किया उन्होंने अपने सन्देश में कहा की डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के पूर्व छात्र परिषद् के सदस्य जो की देश विदेश के सिरमौर उद्यमों में विभिन्न स्तरों पर अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहे है और आज अपने कनिष्ठ साथियों को कैरियर परामर्श देने हेतू एकत्रित देख कर गर्व का अनुभव हो रहा है। पूर्व विद्यार्थी परिषद के सचिव निर्भय गोयल ने सभी अतिथियों और कैरियर परामर्श विशेषज्ञों को धन्यवाद ज्ञापित किया। अपने व्यस्त कार्यक्रम से समय निकाल कर कार्यक्रम में शिरकत करने वाले 400 से अधिक पूर्व विद्यार्थी के प्रति अपनी खुशी व्यक्त करते हुए उन्होंने वर्तमान विद्यार्थियों से भी इस गौरवशाली परम्परा का अनवरत निर्वाह करने का आव्हान किया।

अंतरिक्ष दिवस से पूर्व आज कई कार्यक्रम

उदयपुर,(कासं)। उदयपुर वैधशाला/ भौतिक अनुसन्धान प्रयोगशाला, अंतरिक्ष विभाग की उदयपुर वैधशाला-भौतिक अनुसन्धान प्रयोगशाला की ओर से चन्द्रयान-3 मिशन के विक्रम लैंडर की सॉफ्ट लैंडिंग और चन्द्र सतह पर रोवर प्रज्ञान की तैनाती के उपलक्ष्य में भारत सरकार द्वारा 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' के रूप मनाया जाएगा। इससे पूर्व 12 अगस्त सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक बड़ीरोड स्थित उदयपुर सौर वेधशाला के मुख्य परिसर, बडी रोड, उदयपुर कई कार्यक्रम होंगे। उदयपुर सौर वेधशाला के प्रोफेसर डॉ रमित भट्टाचार्या ने बताया की भारतीय विज्ञान की सफलताओ को आम नागरिकों तक पहुचाने के लिए 12 अगस्त को यूएसओ वैज्ञानिक गतिविधियों की प्रस्तुति एव् वैज्ञानिक सुविधाओं (गोंग, कैलिस्टो, एयरोसोल लैब) का दौरा करवाया जाएगा , मौसम उपयुक्त होने पर द्वीप वेधशाला का दौरा तथा यूएसओ वैज्ञानिक सुविधाओं और अनुसंधान गतिविधियों की पोस्टर प्रस्तुति, अतरिक्ष विज्ञान जागरुकता व्याख्यान एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, जीवंत विज्ञान प्रयोग/अवलोकन जेसी गतिविधिया आयोजित की जाएगी।

पुलिस ने 57 बदमाश पकड़े

ऑपरेशन एरिया डॉमिनेशन के तहत पुलिस ने बदमाशों को दबोचा।

डूंगरपुर, (निसं)। पुलिस की ओर से ऑपरेशन एरिया डोमिनेशन चलाया जा रहा है। अभियान के तहत पुलिस की ओर से पुराने और शातिर बदमाशों की धरपकड की गई। जिसमें 4 थानों की पुलिस ने 18 घंटे में 57 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पत्थरबाजी और दूसरी बढती घटनाओं को रोकने के लिए पुलिस की ओर से ये कदम उठाए जा रहे हैं।

दोवडा थाना पुलिस ने 25 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। एसपी मोनिका सेन ने बताया कि पूर्व में चालानशुदा और वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए ऑपरेशन एरिया डोमिनेशन चलाया जा रहा है। अभियान के तहत पुराने शातिर बदमाशों की गिरफ्तारी की जा रही है। दोवडा थानाधिकारी मदनलाल ने बताया कि अलग-अलग कार्रवाई करते हुए 25 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। कुआं थाना पुलिस ने 7 लोगों को किया गिरफ्तार। पुलिस ने आरोपी विनोद परमार निवासी पगारा, नरेश डामोर पगारा, निखिल परमार डाबेला, मोहन अहारी खेमपुर, विनोद ननोमा सत्तू, प्रकाश अहारी शक्तावतो का गुढा, मनीष ननोमा, गणेश अहारी, तेजप्रकाश अहारी, सतीश अहारी, तेलिया कनिपा सेमलघाटी, सकुडा कनिपा देवसोमनाथ, पप्पू कनिपा देवसोमनाथ, नानजी अहारी सबलाना, महेंद्र अहारी सबलाना, गोतम ननोमा फलोज, ईश्वर ननोमा फलोज, गोविंद ननोमा फलोज, राजेंद्र कलाल कौंठडी, प्रकाश मीना इंदौडा, कांतिलाल ननोमा निवासी सुलई, सावन परमार रणसागर, सुखदेव कटारा सुलई, थावरा मीणा दराखांडा, गटू परमार दराखांडा को गिरफ्तार किया है।

मूसलाधार बारिश से प्रदेश के कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात

राजस्थान के भरतपुर, जयपुर, अलवर, करौली, गंगापुरसिटी, हिण्डौन, चौमूं सहित कई शहरों व गांवों में तेज बरसात हुई

पांचना बांध के छह गेट खोलकर गम्भीर नदी में 35 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा

भरतपुर, (निसं)। अधिक वर्षा के कारण करौली जिले से निकलने वाली गम्भीर नदी में पांचना बांध से छह गेट खोलकर 35 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। इसके चलते जिले के बयाना एवं रूपवास तहसील के गम्भीर नदी के तटीय क्षेत्र में बसे गांवों के नागरिकों को इस दौरान नदी के बहाव क्षेत्र में नहीं जाने की अपील की गई है।

जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट डॉ. अमित यादव ने बताया कि गम्भीर नदी में पांचना बांध से पानी छोड़े जाने के कारण नदी के तटीय क्षेत्रों में बसे गांवों के नागरिकों को सावचेत रहने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि सम्बंधित गांवों में स्थानीय पटवारी, ग्राम विकास अधिकारी एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के माध्यम से लोगों को सूचित कर पानी के तेज बहाव को देखते हुए नदी के बहाव क्षेत्र में नहीं जाने के लिए पाबंद किया है। उन्होंने बताया कि लगातार वर्षा की चेतावनी को देखते हुए नदी के तटीय क्षेत्र के सभी गांवों को अपने पशुधन को भी नदी के आसपास नहीं छोड़ने की अपील की है। उन्होंने आमजन को नदी के बहाव क्षेत्र में पानी की आवक को देखते हुए संसाधनों को बहाव क्षेत्र से हटाने, महिलाओं, बच्चों को इस दौरान नदी के आसपास नहीं जाने देने के लिए आह्वान किया है। जिला कलेक्टर ने लगातार बरसात की चेतावनी एवं गम्भीर नदी में पांचना बांध से पानी छोड़े जाने को देखते हुए एसडीआरएफ की टीम, जल संसाधन विभाग, पंचायतीराज विभाग, चिकित्सा विभाग एवं उपखण्ड प्रशासन रूपवास एवं बयाना को मय आवश्यक संसाधनों के अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए हैं।

पांचना बांध से पानी छोड़ने से गम्भीर नदी में पानी की आवक हुई।

- बयाना एवं रूपवास तहसील के गम्भीर नदी के तटीय क्षेत्र में बसे गांवों के नागरिकों को नदी के बहाव क्षेत्र में नहीं जाने की अपील
- एसडीआरएफ की टीम, जल संसाधन विभाग, पंचायतीराज विभाग, चिकित्सा विभाग एवं उपखण्ड प्रशासन रूपवास एवं बयाना को मय आवश्यक संसाधनों के अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश

अधीक्षण अभियंता जल संसाधन देवीसिंह बेनीवाल ने बताया कि गम्भीर नदी में पानी की अधिक आवक होने पर तहसील बयाना के चीखरू, पीपरिया, धुरेरी, मावली, महरावर, नहरौली, चक बीछी, सिंघाडा, शीदपुर, नदी का गांव प्रभावित होंगे तथा तहसील रूपवास में दाहिना गांव, महलपुर काछी, मुर्रिका, कांधौली, दौलतगढ़, सिकरौदा, पिचूना, रसीलपुर, मिल्सवां, देवरी, पांड्री, मैरथा गांव प्रभावित होंगे।

अधीक्षण अभियंता जल संसाधन देवीसिंह बेनीवाल ने बताया कि अजान बांध के पास बसे हुए गांव सैदपुरा, हरिनगर, नगला कल्यानपुर, अघापुर, अजान इत्यादि में भी आमजन को सतर्क रहने हेतु स्थानीय कार्मिकों के माध्यम से मुनादी करा दी गई है। उन्होंने बताया कि नदी, कैनाल के बहाव में निर्मित रपट-नदीगांव-सालाबाद रोड पर नदीगांव के पास स्थित, चौखण्डा लहचोरा मार्ग, सेवला, सीदपुर-बयाना मार्ग, बयाना थानाडांग रोड (गऊ घाट), ईटखेड़ा-चीखरू मार्ग पर आमजन एवं स्कूली बच्चों को नदी पार नहीं करने के लिए आगाह किया गया है।

भरतपुर में तीन इंच बारिश दर्ज, घरों में दो फीट तक पानी भरा

भरतपुर में भारी बारिश से दर्जनों कॉलोनियों में पानी भर गया।

भरतपुर, (निसं)। पिछले तीन दिनों से बरसात का दौर जारी है। बरसात के चलते जन जीवन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। बताया गया है कि रविवार को करीब तीन इंच बारिश दर्ज की गई। भारी बारिश की संभावना को देखते हुए जिला कलेक्टर ने कक्षा एक से बारहवीं तक के विद्यार्थियों के समस्त राजकीय व निजी स्कूलों में एक दिन का अवकाश घोषित किया है।

शहर की दर्जनों कॉलोनियां जलभराव की समस्या से जूझ रही हैं। कई कॉलोनियों में बरसात के चलते जलभराव के कारण बरसात का पानी घरों में दो-दो फीट तक घुस गया। नगर निगम के आयुक्त के निर्देश पर कई कॉलोनियों में पम्प लगाकर पानी निकालने की कवायद की जा रही है। बरसात से शहर के निचले क्षेत्रों में सूरजमल नगर, श्याम नगर, राम नगर, रूंधिया नगर, वासन गेट नमक कटरा, सुभाष नगर, विजय नगर, नीमदा गेट, अटल बंद, सिमको लेवर कॉलोनी व शहर के बाजार में सभी जगह पानी से सड़कें नदी के समान नजर आ रही हैं। जिन घरों में जमीन से पानी निकला उन घरों में खाना बनाने तक की जगह नहीं बची। बच्चे भयभीत हो गये। बच्चों की किताबें पानी से भीग गई। अधिकांश घरों में पानी को निकालने के लिए टिल्लू व मोटर्स से निकाल रहे थे। वहीं नगर निगम आयुक्त व सीएसआई ने मौका मुआयना किया।

बारिश के बाद मकान ढहा, पिता-पुत्र की मौत

करौली, (निसं)। करौली क्षेत्र में हुई मूसलाधार बारिश के कारण करौली शहर में करीब आधा दर्जन मकान, दुकान,भवन और दीवार क्षतिग्रस्त हो गई। मकान के ढहने से पिता-पुत्र की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए करौली अस्पताल में भर्ती कराया है। जबकि मृतकों के शव कर पोस्टमार्टम परिजनो के सुपुर्द कर दिया। सूचना पर सिविल डिफेंस और पुलिस टीम मौके पर पहुंची तथा घटना की जानकारी और क्षतिग्रस्त घर में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला।

करौली शहर चौकी प्रभारी महेश शर्मा ने बताया कि नदी दरवाजा क्षेत्र स्थित फराजपाड़ा में सुबह करीब 5:30 बजे एक पुराने मकान में बनी नाली दीवार सहित दूसरे मकान पर गिर गई, जिससे घर की छत की पट्टियां टूट गई और वहां सो रहे लोग दब गए। आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर एकत्रित हो गए और घर में फंसे लोगों को बाहर निकाला। इस दौरान पुलिस चौकी पर भी सूचना दी। घायल लोगों को करौली अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद जाकिर पुत्र छोटे और जिया पुत्र जाकिर को मृत घोषित कर दिया, जबकि राशिद पुत्र सईद और शौकीन का करौली अस्पताल में उपचार चल रहा है। बारिश के कारण इसी प्रकार बड़ी हटरिया क्षेत्र स्थित भट्टन की गली में एक दीवार गली के दूसरी ओर स्थित निजी स्कूलों पर जा गिरी। जिससे स्कूल भी क्षतिग्रस्त हो गया और रास्ता अवरुद्ध हो गया। छुट्टी का दिन होने के कारण बड़ा हादसा टल गया। इसी प्रकार चीकना फर्श क्षेत्र में अनुपयोगी पड़ी नंबर 6 स्कूल का भवन क्षतिग्रस्त हो गया। चौबेपाड़ा के नीचे एक मकान क्षीतग्रस्त हो गया घर क्षतिग्रस्त होने से मलबे में दो-तीन मोटरसाइकिल भी दब गई। इसी प्रकार चौधरी पाड़ा क्षेत्र में एक दुकान की दीवार भी क्षतिग्रस्त हो गई।

अलवर में लगातार हो रही बारिश ने 20 साल का रिकॉर्ड तोड़ा

विश्व प्रसिद्ध सिलीसेढ बांध में 25 फीट पानी आ चुका है, इस बांध की भराव क्षमता 28 फीट है

अलवर, (निसं)। अलवर जिले में लगातार हो रही बारिश ने करीब 20 साल का रिकार्ड तोड़ दिया है जिले में चारों तरफ नदी-नालों में उफान है। सरिस्का क्षेत्र व अरावली की पहाड़ियों पर हुई भारी बरसात ने अलवर जिले की इस मानसून की भरपाई कर दी है। प्रशासन व पुलिस अलर्ट मोड पर आ चुके हैं। लोगों को जल बहाव क्षेत्र पर जाने से पुलिस रोक रही है ताकि कोई अनहोनी ना हो जाए। अभी अलवर को मौसम विभाग ने यलो अलर्ट घोषित किया हुआ है। अगले तीन-दिन और भारी बारिश के संकेत दिए गए हैं। अगर ऐसी ही बारिश हो गई तो अलवर में तबाही भी आ सकती है।

अलवर के बांध और तालाब पिछले कई सालों से सूखे पड़े थे। थोड़ी मात्रा में सिलीसेढ में पानी मौजूद रहा। ऐसे में पेयजल के सभी श्रोत सूख चुके थे जिसका नतीजा हर साल पानी के लिए जनता हाहाकार करती थी। अब इतना पानी तालाबों और बांधों में आ चुका है जिससे अलवर की जनता को आगामी पांच साल पानी के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। अलवर की वो नदियां इस बार कलकलाती बह निकली जिनमें बीस सालों से कभी पानी आया तक नहीं, वहीं पूर्व कलेक्टर जितेन्द्र सोनी और सिंचाई विभाग के एक्सईएन संजय खत्री की पहल पर जयसाबंध झील पर किए अतिक्रमण को हटाने से इस बांध में इस बार पानी की अच्छी आवक हो रही है। अब तक इस बांध में साढे आठ फीट पानी आ चुका है, इसकी भराव क्षमता 23 फीट है। वहीं विश्व प्रसिद्ध सिलीसेढ बांध में 25 फीट पानी आ चुका है। इस बांध की भराव क्षमता 28 फीट है। सिंचाई विभाग के एक्सईएन संजय खत्री ने बताया कि अगर ऐसे ही बारिश हुई तो जल्दी ही सिलीसेढ में काफी सालों बाद चादर चल सकती है।

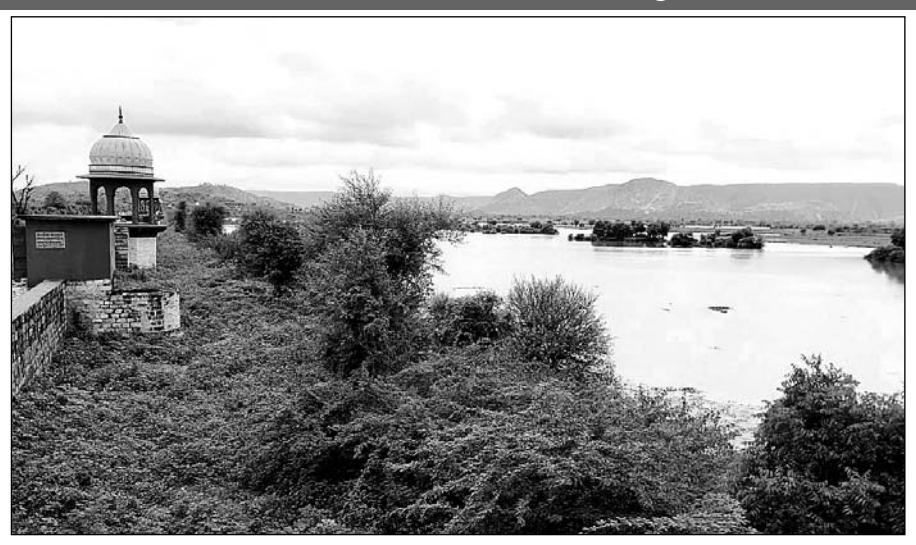

बरसात होने से अलवर के बांधों में पानी की आवक हुई।

- भारी बारिश से अलवर में नदी-नालों में उफान आया, दो बांध ओवरफ्लो हुये
- अलवर में यलो अलर्ट के चलते पुलिस व प्रशासन ने अनहोनी के डर से नदी-नालों पर सैलानियों को जाने से रोका

जबकि जिले में दो बांध जेतपुर और मानसरोवर ओवर फ्लों हो चुके हैं। जबकि रूपारेल नदी में पानी का बहाव सात से आठ फीट चल रहा है। शाम पांच बजे तक सिलीसेढ में 44एमएम बारिश दर्ज की गई। रविवार के दिन छुट्टी का आनंद लेने लोग पिकनिक मनाने सिलीसेढ, जयसाबंध, सागर और किशनकुण्ड पर भारी संख्या में देखे गए। वहीं भारी बरसात के चलते पुलिस प्रशासन ने लोगों बहाव क्षेत्रा पर जाने से रोक लिया।

करौली में लोगों ने छतों पर जाकर जान बचाई

करौली, (निसं)। करौली जिला मुख्यालय पर लगातार दूसरे दिन मूसलाधार बारिश का कहर जारी रहा। इस दौरान शहर कि करीब एक दर्जन गली, मोहल्ले और कॉलोनियों में जल भराव हो गया। इस दौरान करीब तीन दर्जन लोगों को सिविल डिफेंस, एसडीआरएफ और स्थानीय लोगों की मदद से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। प्रात: चार बजे शुरू हुआ बारिश का दौर दोपहर लगभग बारह बजे तक जारी रहा।

झमाझम बारिश के चलते करौली के रणगमा तालाब, इमली वाला ताल और बड़ वाले तालाब भी ओवरफ्लो होकर बहने लगे। ओवरफ्लो का पानी करौली शहर के मंडरायल रोड स्थित पुलिया के पास कई कॉलोनियों के घरों में घुस गया, जिससे बड़ी संख्या में लोगों ने घरों छत पर पहुंच कर अपनी जान बचाने के लिए मजबूर होना पड़ा।सूचना पर सिविल डिफेंस और स्थानीय लोगों ने रामद्वारा क्षेत्र, बग्गी खाना,पावर हाउस, वीर हनुमान क्षेत्र से रेस्क्यू का सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा। इसी प्रकार तीन दरवाजा क्षेत्र स्थित आलोक शर्मा अपने परिवार के साथ जल भराव के चलते पाटौरपोश घर की छत पर फंस गए। करीब 3 घंटे बाद स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद ट्यूब और रस्सी की मदद से उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला। सूचना पर सिविल डिफेंस की टीम भी मौके पर पहुंची और परिवार को सुरक्षित पहुंचाया।

कलेक्टर नीलाभ सक्सेना, एएसपी शंकर लाल मीणा सहित अन्य पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों ने भी प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर घटनाक्रम की जानकारी ली है। जल भराव से प्रभावित लोगों को ट्रक यूनियन स्थित बालिका विद्यालय, महात्मा गांधी मॉडल स्कूल गणेश गेट एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय नंबर सात में ठहरने के लिए प्रबंध किए।

तीन दर्जन लोगों को सिविल डिफेंस, एसडीआरएफ और लोगों ने सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया

- करौली में बारिश का कहर जारी

गंगापुर सिटी में सड़कों पर चार फीट तक पानी भरा

गंगापुर सिटी, (निसं)। जिला मुख्यालय क्षेत्र में मेघों ने जमकर मल्हार गाया। यहां शनिवार रातभर से रुक-रुककर बारिश का दौर शुरू हुआ जो दूसरे दिन रविवार दोपहर तक जारी रहा। बारिश से शहर में सड़कों पर घुटनों तक पानी हो गया। वहीं गांवों में खेत भी लबालब हो गए। रविवार सुबह 8 बजे तक तो रिमझिम बारिश होती रही लेकिन इसके बाद तेज बारिश का दौर शुरू हो गया। बारिश के कारण शहर की अधिकांश कॉलोनियों और सड़कों पर बारिश का काफी मात्रा में पानी भर गया। नया बाजार में तो दरिया जैसी स्थिति दिखाई थी। तहसील कानूनगो राजेन्द्र जायसवाल ने बताया कि गंगापुर सिटी क्षेत्र में रविवार सुबह 8 बजे 11 मिमी बारिश दर्ज की गई, लेकिन इसके बाद ही जोरदार बारिश होने लगी और बारिश का यह दौर करीब 11 बजे तक जारी रहा। इसके बाद रुक-रुककर बारिश होती रही। इसे एक दिन पहले शनिवार को करीब 3 इंच बारिश हुई थी। क्षेत्र में एक जून से अब तक 648 मिमी बारिश दर्ज की जा चुकी है। गंगापुर सिटी में मौसम विभाग ने भारी बारिश का अलर्ट जारी किया हुआ है। एक सप्ताह से जिले में चल रही बरसात से जन जीवन पूरी तरह से अस्त व्यस्त हो गया है।

भारत सरकार, रेल मंत्रालय
रेलवे भर्ती बोर्ड

केंन्द्रीकृत रोजगार सूचना संख्या 04/2024

सांकेतिक सूचना

पेरामेडिकल श्रेणियों के विभिन्न पदों की भर्ती

नीचे दी गई तालिका में पेरामेडिकल श्रेणियों के विभिन्न पदों के लिए पात्र उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 16.09.2024 है। आवेदन (सभी तरह से पूर्ण) केवल ऑनलाइन ही जमा किया जाना चाहिए।

आवेदन आरंभ होने की तिथि: 17.08.2024
आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि: 16.09.2024

पद का नाम	7वें सीपीसी के अनुसार पे लेवल	प्रारंभिक वेतन (₹)	चिकित्सा मानक	01.01.2025 को आयु	कुल रिक्तियां (सभी आरआरबी)
डाइटिशियन (लेवल 7)	7	44900	C2	18–36	05
नर्सिंग अधीक्षक	7	44900	C1	20–43	713
ऑडियोलॉजिस्ट और स्पीच थेरेपिस्ट	6	35400	B1	21–33	04
क्लिनिकल साइको लोजिस्ट	6	35400	B1	18–36	07
डेंटल हाईजिनिस्ट	6	35400	C2	18–36	03
डाईलिसिस टेक्नीशियन	6	35400	B1	20–36	20
स्वास्थ्य एवं मलेरिया निरीक्षक ग्रेड II	6	35400	C1	18–36	126
लेबोरेटरी अधीक्षक	6	35400	B1	18–36	27
परफ्यूसिनिस्ट	6	35400	B1	21–43	02
फिजियोथेरेपिस्ट ग्रेड II	6	35400	C1	18–36	20
ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट	6	35400	C1	18–36	02
कैथ लेबोरेटरी टेक्नीशियन	6	35400	B1	18–36	02
फार्मासिस्ट(एंट्री ग्रेड)	5	29200	C2	20–38	246
रेडियोग्राफर एक्स–रे टेक्नीशियन	5	29200	B1	19–36	64
स्पीच थेरेपिस्ट	5	29200	B1	18–36	01
कार्डियक टेक्नीशियन	4	25500	B1	18–36	04
ऑप्टोमेट्रिस्ट	4	25500	B1	18–36	04
ईसीजी टेक्नीशियन	4	25500	C1	18–36	13
लेबोरेटरी सहायक ग्रेड II	3	21700	B1	18–36	94
फील्ड वर्कर	2	19900	C2	18–33	19
			कुल योग		1376

इसमें कोविड–19 महामारी के कारण एक बार के रूप में निर्धारित आयु सीमा से परे 3 वर्ष की छूट शामिल है"।
कृपया विस्तृत जानकारी के लिए आरआरबी की आधिकारिक वेबसाइटों पर उपलब्ध सीईएन 04/2024 देखें।

सीईएन 04/2024 में भाग लेने वाले आरआरबी की वेबसाइटें

अहमदाबाद www.rrbahmedabad.gov.in	चेन्नई www.rrbchennai.gov.in	मुजफ्फरपुर www.rrbmuzaffarpur.gov.in
अजमेर www.rrbajmer.gov.in	गोरखपुर www.rrbgkp.gov.in	पटना www.rrbpatna.gov.in
बेंगलुरु www.rrbbnc.gov.in	गुवाहाटी www.rrbguwahati.gov.in	प्रयागराज www.rrbald.gov.in
भोपाल www.rrbbhopal.gov.in	जम्मू–श्रीनगर www.rrbjammu.nic.in	रांची www.rrbranchi.gov.in
भुबनेश्वर www.rrbbbs.gov.in	कोलकाता www.rrbkolkata.gov.in	सिकंदराबाद www.rrbsecunderabad.gov.in
बिलासपुर www.rrbbilaspur.gov.in	मालदा www.rrbmalda.gov.in	सिलीगुड़ी www.rrbsiliguri.gov.in
चंडीगढ़ www.rrbcdg.gov.in	मुंबई www.rrbmumbai.gov.in	थिरुवानान्थापुरम www.rrbthiruvananthapuram.gov.in

यह अधिसूचना पूर्णत सांकेतिक प्रकार का है। उम्मीदवारों को ऑनलाइन माध्यम से आवेदन करने से पहले अपनी पात्रता सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत सीईएन 04/2024 की पोस्ट पैरामीटर तालिका और रिक्ति तालिका को देखना आवश्यक है। उपरोक्त भर्ती से संबंधित कोई भी शुद्धि–पत्र समय/परिशिष्ट/महत्वपूर्ण सूचना समय पर केवल आरआरबी की उपरोक्त वेबसाइटों पर जारी की जाएगी।

संख्या: RRB/All/Advt./CEN04/2024(Paramedical)
दिनांक: 12.08.2024
अध्यक्ष
रेलवे भर्ती बोर्ड

दलालों, बिचौलियों और नौकरी का झांसा देने वालों से सावधान रहें।

हिंडौन में साढ़े चार इंच बारिश, जनजीवन प्रभावित

हिंडौन सिटी, (निसं)। शहर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्र में रविवार को दूसरे दिन साढ़े चार इंच बारिश दर्ज की गई, जिससे शहर में बाढ़ की हालात बने हुए हैं तो वहीं ग्रामीण क्षेत्र के रास्ते अवरूद्ध हो गए हैं। हालांकि इस समस्या को लेकर देरी से हरकत में आए प्रशासन के अधिकारियों ने नाव में बैठकर शहर के जलमग्न इलाकों का दौरा किया।

जानकारी के अनुसार गत एक सप्ताह से अधिक समय से क्षेत्र में मानसून मेहरबान हैं। जिसके चलते गत दिवस की सबसे ज्यादा 4 इंच बारिश दर्ज हुई, जिससे घरों व दुकानों में पानी भरने से लोगों को समस्या का सामना करना पड़ रहा है। बाजार में सड़कों पर 4 से 5 फीट पानी भरा होने से दुकानों तक पहुंचने में समस्याएं आ रही है। शनिवार को दोपहर 12 बजे तक 99 एमएम बारिश से शहर में जलभराव हुआ। फुलवाड़ा के बांध का पूरा में तालाब का ओवरफ्लो होकर जाट के तालाब तक पहुंचे पानी ने शहर में आफत मचा दी।

नगर परिषद के कनिष्ठ अभियंता राजीव धाकड़ ने बताया कि रविवार को जल निकासी व पहाड़ी क्षेत्रों से सपाट व अन्य मार्गों से शहर में प्रवेश कर वर्षा के पानी को रोकने व अन्य राहत के लिए सीताबाड़ी, खटीक पाडा की पुलिया, करौली रोड पर अलग अलग टीम भेजी गई है। जेसीबी के माध्यम से खारी नाले में रुकावट को हटाया जा रहा है। वहीं जलभराव क्षेत्र में फंसे लोगों के आवास के लिए आश्रय स्थलों में व भोजन के लिए अन्नपूर्णा रसोई में व्यवस्था की गई है। एसडीआरएफ की टीम भी पहुंच गई है। एसडीआरएफ टीम की मदद से नाव में सवार होकर संभागीय आयुक्त सांवर मल वर्मा, आईजी राहुल प्रकाश व एसडीएम ने जलभराव क्षेत्रों का निरीक्षण किया।

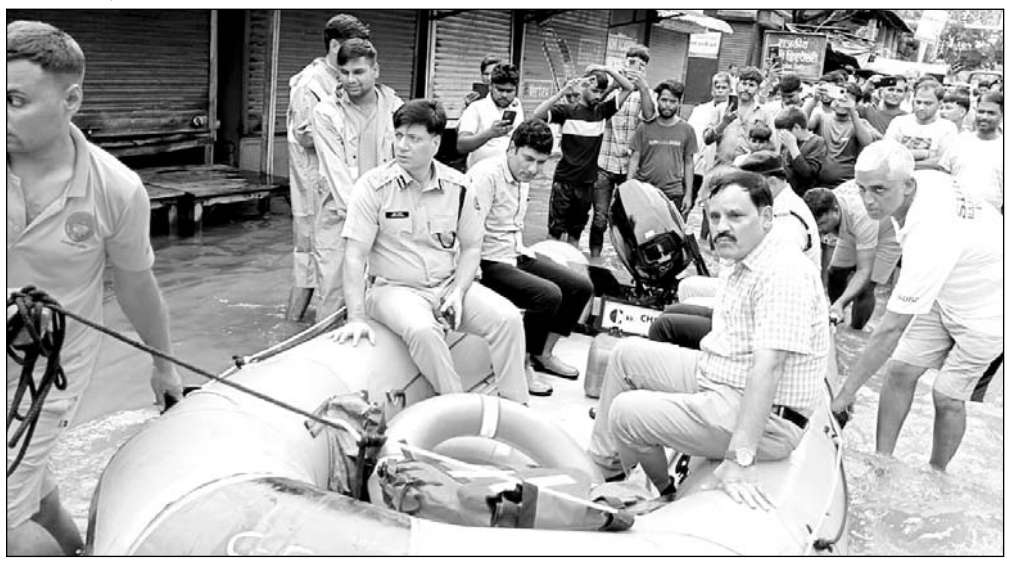

एसडीआरएफ टीम की मदद से नाव में सवार होकर संभागीय आयुक्त, आईजी व एसडीएम ने दौरा किया।

- कॉलोनियों और बाजार में पांच फीट तक भरा पानी, रेस्क्यू टीमें नांव के साथ राहत कार्य में जुटी
- फुलवाड़ा के बांध का पूरा में तालाब का ओवरफ्लो होकर जाट के तालाब तक पहुंचे पानी ने शहर में आफत मचा दी

तेज रफ्तार कार ट्रक में घुसी, दो छात्रों सहित तीन की मौत

-कार्यालय संवाददाता-

- रामनगरिया इलाके में शनिवार-रविवार की मध्य रात्रि हुआ हादसा
- टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के आगे से परखच्चे उड़ गए। ड्राइवर का शव कार में बुरी तरह से फंस गया था, जिसे 1 घंटे की मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया

जयपुर। रामनगरिया थाना इलाके में शनिवार-रविवार की मध्य रात्रि तेज रफ्तार कार ट्रक में जा घुसी। इस हादसे में दो छात्र सहित तीन लोगों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार एक छात्र लंदन से बीटेक तो दूसरा जयपुर के ही कॉलेज से बीबीए कर रहा था। टक्कर इतनी जोरदार थी कि आगे से कार के परखच्चे उड़ गए। ड्राइवर का शव कार में बुरी तरह से फंस गया था। घंटेभर की मशक्कत के बाद शव को बाहर निकाला गया।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व कावेन्द्र सिंह सागर ने बताया कि रामनगरिया थाना इलाके में शनिवार-रविवार की मध्यरात्रि डेढ बजे एनआरआई सर्किल पर तेज रफतार से आ रही कार ट्रक से जा भिडी। इस हादसे में कार में अमिष (19) पुत्र राजीव वाधवा निवासी मानसरोवर और वेदांत (19) पुत्र गिरधर आहलूवालिया निवासी पाम कॉलोनी जगतपुरा गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को महात्मा गांधी हॉस्पिटल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। पुलि ने दोनों के शवों को अस्पताल के मुर्दाघर में रखवा दिया। जिनका रविवार सुबह पोस्टमार्टम कर परिजनो के हवाले कर दिया। पुलिस जांच में सामने आया है कि गाडी वेदांत की है। वेदांत का कार चालक विकास का शव कार में बुरी तरह से फंसा गया था और एक घंटे की मशक्कत के बाद शव को बाहर निकाला गया। विकास के शव को एसएमएस की मोर्चरी में रखवाया गया है। अमीश और वेदांत के परिवार वालों को पुलिस ने रात में ही सूचना दे दी थी। शवों का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया परिजनों को सौंप दिया गया है। विकास सीतापुरा में ही किराए के मकान में रहता था। पुलिस ने बताया कि प्रताप नगर से होते हुए जवाहर सर्किल की तरफ कार जा रही थी। ड्राइवर ट्रक को मोड़ रहा था। इतने में तेज रफ्तार से आ रही कार ट्रक से भिड़ गई। ट्रक में सब्जियां भरी थीं। मृतक वेदांत लंदन से बीटेक कर रहा था, वह छुट्टियों में जयपुर आया था। जबकि अमिष जयपुर इंजीनियरिंग कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर में बीबीए का स्टूडेंट था।

पहाड़ों ने ओढ़ी हरियाली की चादर

राजस्थान में मानसून को मेघ मल्हार चरम पर हैं। बारिश के बाद अरावली की पहाड़ियों से झरने बहने लगे हैं। सावन के इस हरियाली भरे मौसम में पहाड़ियों ने भी हरियाली की चादर ओढ़ ली। बारिश के बाद आसमां में धुंध छाये रहने से ऐसा लगने लगा है, जैसे बादल जमी पर उतर रहे हों। जयपुर के नजदीक सामोद की पहाड़ियों का ये दृश्य ऐसा लगता है कि जैसे कुल्लू-मनाली की पहाड़ियां हों।

'हर घर-प्रतिष्ठान तिंरगा वितरण' अभियान का शुभारंभ रविवार को उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने किया। उन्होंने सिटी पैलेस में सीकर रोड व्यापार महासंघ द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। उपमुख्यमंत्री ने सभी प्रदेशवासियों से स्वतंत्रता दिवस पर अपने-अपने घरों पर तिरंगा लगाने की अपील की। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व स्वतंत्रता दिवस के मौके पर सभी संस्थाओं एवं नागरिकों को यह पर्व बड़ी धूमधाम से मनाना चाहिए। इस मौके पर सीकर रोड व्यापार महासंघ के अध्यक्ष दिनेश मित्तल, हरि ओम जन सेवा समिति के प्रदेश अध्यक्ष पंकज गोयल और पार्षद सुरेश जांगिड़ मौजूद रहे।

नटवर सिंह के निधन पर संवेदना जताई

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने पूर्व केंद्रीय मंत्री नटवर सिंह के निधन पर संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतृप्त परिजनों को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना की है।

प्रॉपर्टी कारोबारी से एक करोड़ की ठगी

जयपुर। कोतवाली थाना इलाके में रुपए दुगने के नाम पर एक प्रॉपर्टी कारोबारी से एक करोड़ रुपए ठगने का मामला सामने आया है। थानाधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि दूदू निवासी कमलचंद जैन ने मामला दर्ज करवाया कि रुपए दुगने करने के नाम पर किशनपोल में चार-पांच लोगों ने अलग-अलग कर करीब एक करोड रुपए की राशि उससे ले ली।

प्रेमिका से बातचीत का विरोध करने पर 6 माह की गभर्ववती पत्नी को मौत के घाट उतारा

राजधानी जयपुर के जयसिंहपुरा खोर इलाके में सनसनीखेज वारदात सामने आयी

-कार्यालय संवाददाता-

- आरोपी पति ने परिजनों को गुमराह करके पत्नी के शव को दफना दिया, पुलिस ने जांच शुरू की तो हत्याकांड का पर्दाफाश हुआ

जयपुर। जयसिंहपुरा खोर इलाके में प्रेमिका से बातचीत का विरोध करने पर एक युवक ने अपनी पत्नी को मौत के घाट उतार दिया और परिजनों के साथ मिलकर शव को दफना दिया। शंका होने पर परिजनों ने हत्या का मामला दर्ज करवाया। इस पर पुलिस ने जांच शुरू की तो सारी परतें खुलकर सामने आ गई। जांच में सामने आया कि महिला ने अपने पति को दूसरी लडकी से बात करने का विरोध किया था। इस पर पति ने अपनी पत्नी की हत्या करके शव को दफना दिया। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने शव को कब्र से निकालकर जांच शुरू की तो हत्या की बात सामने आई। इस पर पुलिस ने आरोपी मोहम्मद अजहर को गिरफ्तार कर लिया।

सहायक पुलिस आयुक्त आमेर शिवरतन गोदारा ने बताया कि जयसिंहपुरा खोर इलाके में अनम फातिमा की 29 जुलाई को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई थी। महिला 6 महीने की प्रेग्नेंट भी थी। मृतक महिला के पति मोहम्मद अजहर ने परिजनों को गुमराह करके शव को कब्र में दफना दिया था। परिजन मृतका अनम फातिमा की हत्या की वारदात से अनजान थे। परिजनों को लगा कि प्रेग्नेंसी की वजह से मौत हुई है। परिजनों की ओर से पुलिस को सूचना भी नहीं दी गई। महिला के पति के साथ पूरा परिवार शोक का मातम मना रहा था। दफनाने से पहले परिवार के सदस्य ने महिला के गले पर चोट के निशान देख लिए, लेकिन पति मोहम्मद अजहर ने पूरे परिवार को गुमराह कर दिया। परिजनों को शक हुआ कि जिस बेटी से 4 घंटे पहले पूरा परिवार मिलकर आया था। अचानक उसकी तबीयत कैसे खराब हो गई और मौत भी हो गई।

शक की गहराइयों के बीच परिजनों ने जयसिंहपुरा खोर थाने में मुकदमा दर्ज करवा दिया। मामला दर्ज होने के बाद एसडीएम की मौजूदगी में महिला का शव कब्र से खोदकर बाहर निकाला गया। इसके बाद पोस्टमार्टम करवाया गया। पोस्टमार्टम के दौरान गला दबाकर हत्या करने का खुलासा हुआ। पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल की तो महिला का पति मोहम्मद अजहर हत्यारा निकला। गत 5 अगस्त को महिला के पिता मुन्ना खान ने थाने में मुकदमा दर्ज करवाया था। इससे पहले परिजन महिला के शव को कब्र में दफन कर चुके थे। पुलिस की जांच में सामने आया है कि मृतक महिला के पति अजहर मोहम्मद का एक अन्य महिला के साथ अफेयर चल रहा था। पत्नी ने अपने पति को फोन पर महिला से बात करते हुए सुन लिया था। दोनों के बीच इसी को लेकर झगड़ा हुआ। इस दौरान आरोपित ने अपनी पत्नी का गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी प्रेगनेंसी से तबीयत खराब होने का ड्रामा करता रहा, लेकिन पुलिस ने कड़ी पूछताछ के बाद आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

डबल शंकर की कावड़ कलश यात्रा में दिखी शिव भक्ति के साथ देश भक्ति की झलक

पूर्व मेयर ज्योति खण्डेलवाल की अगुवाई में 1100 महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली।

जयपुर, (का.सं.)। कंधों पर कावड़ लिए भक्तों ने एवं पंचरंगा के रंग में रंगी सर पर कलश धारण किये महिलाओं ने जब एक स्वर में शिव के जयकारे लगाए तो अनायास ही छोटी काशी के रूप में विख्यात जयपुर नगरी भोले के रंग में रंगी दिखी। मौका था श्री डबल शंकर महादेव विकास समिति के तत्वाधान में रविवार को निकाली गई कावड़ व कलश यात्रा का, जिसमें भोले के भक्तों ने गलता व हरिद्वार से लाए गंगा के पवित्र मिश्रित जल से शिव का अभिषेक किया। कावड़ यात्रा में शामिल हर कोई अपने हाथों से बाबा का अभिषेक करने के लिए आतुर दिखा।

गलता तीर्थ से अलसुबह कावड़ में पवित्र जल भर कर रवाना हुए भक्तों का काफिला जैसे ही परकोटा क्षेत्र में पहुंचा तो शहरवासियों ने पलक पावंडे बिछा दिए। आयोजन समिति के संयोजक शरद खण्डेलवाल की अगुवाई में कावड़िये भोले की भक्ति के रंग में रंगे नजर आ रहे थे, उनका उत्साह देखते ही बन रहा था। भोले के जयकारों व देश भक्ति के जयघोष के साथ कावडिये झूम रहे थे और शिव का जयघोष कर रहे थे। कॉवड यात्रा में सजे धजे ऊंट, घोडे, ढोल-तासे शामिल थे। कावडियों का जगह जगह व्यापार मण्डल के पदाधिकारियों व सर्वसमाज के प्रतिनिधियो ने फूल बरसा कर व आरती उतार कर स्वागत किया।

पूर्व महापौर ज्योति खण्डेलवाल की अगुवाई में 1100 महिलाओं ने धारण किया सिर पर मंगल कलश कावड़ यात्रा के साथ जब कलश यात्रा का संगम चौडा रास्ता स्थित द्वारकाधीश मंदिर के बाहर हुआ तो वहां मौजूद हर कोई भक्त भोले के जयघोष पर झूम उठा। चौड़ा रास्ते में पूर्व मंत्री व विधायक कालीचरण सर्राफ, हाथोज धाम के महन्त व हवामहल क्षेत्र के विधायक बालमुकुन्दाचार्य जी महाराज, अवधेशाचार्य महाराज, विधायक प्रत्याशी रवि नैयर, चन्द्रमोहन बटवाडा, व्यापार महासंघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल, वैश्य महासम्मेलन के प्रदेशाध्यक्ष एन.के गुप्ता, प्रभारी ध्रुवदास अग्रवाल, कर्मचारी नेता संतोष विजय सहित अन्य गणमान्य ने कावड कलश यात्रा का स्वागत किया व कलश यात्रा को झंडी दिखाकर रवाना किया। पूर्व महापौर ज्योति खण्डलेवाल की अगुवाई में पंचरंगं की साडी पहने 1100 महिलाएं सिर पर मंगल कलश धारण कर आगे बढ़ी। ढोल ताशो व डमरू पर जमकर नाचे कावडिये-भक्तो ने केसरिया व तिरंगे ध्वज लहराये। कावड़ व कलश यात्रा के साथ चल रहे कावडियो ने ढोल ताशो व डमरू बजाकर माहौल शिवमय बना दिया । कावड व कलश यात्रा में शामिल भक्तो में कई भक्त भगवा व तिरंगा ध्वज लहराते हुए भोले का जयघोष कर रहे थे।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने नई दिल्ली में सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर से मुलाकात की। देवनानी ने माथुर को राज्यपाल बनने की बधाई दी। देवनानी ने माथुर को पुष्प गुच्छ और सम्राट पृथ्वीराज चौहान की तस्वीर भेंट की।

तिरंगा यात्रा का आयोजन

शिवदासपुरा। अगस्त क्रांति के अवसर पर तिरंगा यात्रा समिति सांगानेर द्वारा सांगानेर विधानसभा क्षेत्र में मुख्यमंत्री के केम्प कार्यालय से विशाल दोपहर तिरंगा यात्रा का आयोजन हुआ। लगभग 500 वाहनों पर एवं खुली जीपों में यात्रा सुबह 8.30 बजे शुरू हुई। जो मानसरोवर मध्यम मार्ग होते हुए रिद्धि सिद्धि चौराहे से गोपालपुरा चौराहे होकर टोंक रोड से होते हुए अम्बेडकर चौराहे से अमर जवान ज्योति स्थल, जन पथ पर पहुँची, यात्रा पर बीच-बीच में पुष्प वर्षा होती रही। सड़क किनारे खड़े लोग जोश में देश भक्ति नारे लगाकर उत्साहित हो रहे थे, एकदम विहंगम एवं विशाल स्वरूप में यात्रा का अद्भुत दृश्य बन गया था। यात्रा के प्रेरणास्त्रोत मेघेन्द्र शर्मा के साथ स्वामी प्रकाश दास महाराज ने यहाँ राष्ट्रभक्ति गीतों से सारे समूह में राष्ट्रप्रेम की ऊर्जा का संचार कर दिया इस वातावरण में युवा, मातृशक्ति एवं आयोजक सभी नृत्य करते हुए झूमने लगे। यात्रा मीडिया संयोजक मुकेश भारद्वाज ने बताया कि इस प्रकार की व्यवस्थित और दिव्य यात्रा पहली बार सांगानेर विधान सभा से निकली है जो सभी को एकता के सूत्र में बांधकर राष्ट्रभक्ति के लिए प्रेरित करेगी, इस भव्यता के लिए सभी आयोजक जिनमें कमलेश टाँक, विवेक गोयल, गोपाल शर्मा, गिर्राज शर्मा, अनिल मंगल, नरेंद्र हर्ष, मुकेश काका, सोमेश शर्मा, अतुल गुप्ता, ललित चाँदकोटिया, घनश्याम गुप्ता, अरविंद गुप्ता के डी सिंघल, रिंकू अग्रवाल, जीतू बना एवं दिवाकर मौजूद रहे।

इलेक्ट्रोपैथी को प्रोत्साहन देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : सी.एम.

- 'बोर्ड के गठन से इलेक्ट्रोपैथी पद्धति को मिलेगी गति'
- बजट घोषणाओं के लिए इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सकों ने मुख्यमंत्री का आभार और अभिनंदन किया

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भारत प्राचीन काल से ही कई पारंपरिक और वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों का केंद्र रहा है। इन चिकित्सा पद्धतियों के माध्यम से 'यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज' के लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिल रही है। उन्होंने कहा कि इन पद्धतियों में इलेक्ट्रोपैथी की विशेष महत्ता है और राज्य सरकार इसे प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सकों की आभार एवं अभिनंदन सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आमजन के स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए दूरगामी निर्णय ले रही है। इसी क्रम में राज्य सरकार ने अपने पहले बजट में ही पारंपरिक चिकित्सा पद्धति इलेक्ट्रोपैथी को बढ़ावा देने के लिए इलेक्ट्रोपैथी बोर्ड का गठन करने और इसके लिए प्रथम चरण में 5 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया है। साथ ही, बजट में इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सा के सम्बन्ध में परीक्षण कर नियम बनाने की महत्वपूर्ण घोषणा भी की गई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं एवं सुविधाओं का निरन्तर विस्तार कर रही है। परिवर्तित बजट 2024-25 में स्वास्थ्य क्षेत्र को सर्वाधिक महत्व देते हुए लगभग 27 हजार 660 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है जो बजट का 8.26 प्रतिशत हिस्सा है। इससे आमजन को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हांगी एवं स्वास्थ्य ढ़ाचे का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण होगा। शर्मा ने कहा कि पण्डित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के संकल्प के माध्यम से केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाएं अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को लाभांवित कर रही हैं।

"बाजे नौबत बाजा, म्हारा डिग्गीपुरी का राजा..."

जयपुर। गुलाबीनगर की फिजा में आज सुबह कल्याण धणी के जयकारे गूंज उठे। मौका था श्री कल्याणजी डिग्गीपुरी लक्खी पदयात्रा संघ, जयपुर के तत्वावधान में निकाले जाने वाली श्री डिग्गीपुरी कल्याणजी की 59वीं की लक्खी पैदल यात्रा का। पद यात्रा को संत महंतों व जनप्रतिनिधियों ने चौड़ा रास्ता स्थित ताड़केश्वरजी मंदिर से केसरिया ध्वज दिखाकर रवाना किया। यात्रा के संयोजक श्रीजी शर्मा जैसे ही मुख्य ध्वज ताडक़ेश्वर महादेव मंदिर से बाहर लेकर आए तो श्रद्धालुओं ने डिग्गी कल्याणजी के जयकारों से वातावरण को गुंजायमान कर दिया। इस दौरान मौसम ने भी श्रद्धालुओं का साथ दिया। बाजे नौबत बाजा महारा डिग्गीपुरी का राजा..., कल्याण धणी को डंका बाज्यों जैसे भजनों की स्वर लहरियां... जयकारे और हजारों श्रद्धालुओं का कारवां आज सुबह डिग्गी कल्याणजी के लिए रवाना हुआ। पदयात्रा गाजे बाजे एवं पूरे लवाजमे के साथ न्यू गेट तक पहुंची।

कुछ पदयात्री भजनों पर थिरकते हुए चल रहे थे तो कुछ कनक दंडवत करते हुए आगे बढ रहे थे। चौडा रास्ता से पदयात्री रामनिवास बाग होते हुए मोतीडूंगरी गणेशजी के दर्शन कर जेएलएन मार्ग, टोंक रोड होते हुए आगे बढ़े। पद यात्रियों को अल्पाहार करा पुण्य कमाने की लिए लोगों में होड लगी रही। श्रद्धालुओं के लिए मार्ग जगह-जगह भंडारे लगाए गए। संस्थाओं के सदस्य हाथों में नाश्ता, फल लेकर पदयात्रियों की मनुहार करते नजर आए।

डिग्गी कल्याणजी की 59वीं लक्खी पदयात्रा रविवार को जयपुर के ताड़केश्वरजी मंदिर से जयकारों के बीच रवाना हुई।

7 तीर्थों के जल से आज होगा 'महाशिवाभिषेक'

जयपुर । सावन के चौथे सोमवार को छोटीकाशी के शिवालयों में एक बार फिर हर-हर महादेव का जयघोष होगा। बोल बम ताडक़ बम के साथ भोलेनाथ का जलाभिषेक किया जाएगा। इसी कड़ी में धार्मिक जागरूकता के प्रसार-प्रसार, सामाजिक समरसता, आध्यात्मिक उन्नित और परंपराओं का संरक्षण के लिए स्वेज फार्म सोडाला के सिद्धेश्वर हनुमान मंदिर में सोमवार, 12 अगस्त को सुबह पांच से दोपहर दो बजे तक मंदिर महंत अवधेश दास महाराज के सान्निध्य में हरिद्वार से लाए गंगाजल से अभिषेक किया जाएगा। शनिवार को आयोजक राजस्थान प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी पंकज ओझा और गब्बर कटारा ने सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा को कार्यक्रम में शामिल होने का आमंत्रण दिया। उन्होंने आमंत्रण स्वीकार कर पोस्टर का विमोचन किया।

गंगाजल के अलावा अन्य पवित्र तीर्थों के जल, दिव्य औषधियों से भी भोलेनाथ महाशिवाभिषेक किया जाएगा। कार्यक्रम सभी भक्त शामिल हो सकेंगे। इसमें भाग लेने वाले किसी भी श्रद्धाल से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। सुबह 5 बजे भगवान शिव आरती एवं मंत्रोच्चार के साथ कार्यक्रम की शुरुआत होगी। अभिषेक के दौरान भजनों स्वर लहरियां गूंजती रहेगी। अभिषेक में 7 तीर्थों का जल उपयोग में लिया जाएगा हरिद्वार का गंगाजल, कैलाश मानसरोवर का जल, गंगासागर का जल, रामेस्वरम का जल,नर्मदा का जल, सरयू नदी का जल, पुष्कर का जल शामिल है। नाग केशर प्रियंगु, भांग, शमी पत्र, आकडा, सात प्रकार के रस और गौ दुग्ध धारा से अभिषेक किया जाएगा। हरिद्वार से पवित्र गंगाजल बड़े टैंकर में भरकर जयपुर लाया जाएगा। जयपुर में गंगाजल का स्वागत ढोल-नगाड़ों के साथ किया जाएगा। गंगाजल में प्रमुख नदियों एवं सरोवरों का जल मिलाकर अभिषेक किया जाएगा। भक्तों को गंगाजल जल भरा कलश, बेल पत्र और पुष्प उपलब्ध करवाए जाएंगे। जो लोग पवित्र स्थान से कावड़ नहीं ला सकते वे टैंकर से कावड़ में जल भरकर ले जा सकेंगे।

सार-समाचार

तिरंगा रैली निकाली

मंडफिया, (निसं)। भदेसर उपखंड मुख्यालय पर रविवार को हर घर तिरंगा अभियान के तहत पंचायत समिति भदेसर के तत्वाधान में तिरंगा रैली निकाली गई। भदेसर विकास अधिकारी अनिल कुमार टेलर ने जानकारी देते हुए बताया कि हर घर तिरंगा अभियान के तहत रविवार को भदेसर उपखंड मुख्यालय पर तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। जिसके तहत भदेसर पंचायत समिति से रैली प्रारंभ हुई। इस रैली को भदेसर प्रधान सुशीला कंवर आक्या के द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस दौरान पंचायत समिति सदस्य सीमा शर्मा, सरपंच रतन कुंवर, पूर्व मंडल अध्यक्ष पवन आचार्य, पंचायत समिति केशियर देवराज सिंह, मॉडल स्कूल के संस्था प्रधान हिमांशु जानी, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी हेमंत जोशी, आशा सहयोगिनी, राजीविका, स्वयं सहायता समूह की सदस्य, शिक्षा विभाग के अध्यापक, शारीरिक शिक्षक, महिला बाल विकास विभाग के कार्यकर्ता व पंचायत समिति स्टाफ आदि उपस्थित थे। यह रैली पंचायत समिति से प्रारंभ होकर पुलिस थाना, बस स्टेशन, अंबेडकर कॉलोनी मार्ग, समता भवन, सदर बाजार, मेहता गली मार्ग होते हुए पुराना तहसील भवन रावला चौक पर पहुंची जहां पर रैली का समापन किया गया। समापन के अवसर पर विकास अधिकारी अनिल कुमार टेलर के द्वारा उपस्थित सभी जनों को नशा मुक्ति एवं तिरंगा अभियान की शपथ दिलाई।

धार्मिक कार्यक्रम आयोजित

निम्बाहेड़ा, (निसं)। रविवार को दिगम्बर जैन धर्मावलम्बीयो ने भगवान पार्श्वनाथ मोक्ष सप्तमी पर विविध धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन कर सामूहिक निर्वाण लाडू चढ़ाया।समाज के प्रवक्ता मनोज सोनी के अनुसार रविवार को आदर्श कॉलोनी स्थित श्री शान्तिनाथ जिनालय मे भगवन पार्श्वनाथ मोक्ष सप्तमी पर समाज अध्यक्ष सुशील काला महामंत्री मनोज पटवारी, जीवनधर पाटनी कोषाध्यक्ष कमलेश जैन कि अगुवाई मे सकल दिगम्बर जैन समाज कि उपस्थित मे सामूहिक पूजा अनुष्ठान अर्चना कर जिन प्रतिमा के समक्ष अर्घ्य विसर्जित कर निर्वाण लाडू चढाया गया . इस अवसर पर श्रद्धांलूओ ने भगवन प्रतिमा के श्री जिनभिषेक और शांतिधारा भक्तिपूर्वक सम्पन्न किये . धार्मिक कार्यक्रम मे समाज के महिला मण्डल संरक्षिका इंदुबाला सोनी, अध्यक्ष शशि जैन, ममता काला, सीमा जैन, रिंकू सोनी, सोनू पटवारी, प्रेमचंद पाटोदी अशोक गदिया, रौनक पाटोदी, आभा जैन, सुलोचना जैन, महेंद्र पाटनी, शांता देवी पटवारी , प्रवीना अग्रवाल, रेखा पाटनी, सिद्धि जैन, लता पटवारी, अनीता पटवारी, विनीता पारलिया,जुली जैन सहित बाडी संख्या मे श्रद्धांलूजन उपस्थित रहे।

सावन भादो मनोरथ आज

राजसमंद, (निसं)। जिला मुख्यालय स्थित श्री पुष्टिमार्गीय तृतीय पीठ प्रन्यास के श्री द्वारकाधीश मंदिर में सावन माह के अंतर्गत आयोजित हो रहे मनोरथ के क्रम में सोमवार को तृतीय पीठाधीश्वर गोस्वामी डॉ वागीश कुमार महाराज की आज्ञा से सावन भादो के मनोरथ का आयोजन किया जाएगा। सोमवार शाम 5 बजे हिंडोरणा दर्शन में प्रभु द्वारिकाधीश को मचकी के हिंदोरना में विराजित कर आम श्रद्धालुओं को दर्शन करवाए जाएंगे।

भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक धूमधाम से मनाया

बांसवाड़ा, (निसं)। खांदू कॉलोनी में आर्यिका मां विज्ञानमति माता के मंगल चातुर्मास के अंतर्गत देवाधिदेव पार्श्वनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक मुकुट सप्तमी पर्व धूमधाम से मनाया गया। बडी संख्या में श्रद्धालुओं ने इंद्र इंद्राणी बनकर श्री सम्मेदशिखर महामंडल विधान किया।

आर्यिका मां विज्ञानमति के सानिध्य में 75 अर्घ्य के माध्यम से शाश्वत सिद्ध क्षेत्र श्री सम्मेद शिखरजी की वंदना की गई। सुबह मुख्य पंडाल में श्री पारसनाथ भगवान को विराजित करने का सौभाग्य डांगरा विमलकुमार को प्राप्त हुआ। आज के विधान के मुख्य पात्र सौधर्म इंद्र घुघरावत परागकुमार एवं सगर चक्रवर्ती मलावत राकेशकुमार बने वहीं कुबेर इंद्र बनने का सौभाग्य वोरा जयंतीलाल भुंगडा परिवार एवं महायज्ञ नायक डांगरा विमलकुमार परिवार को प्राप्त हुआ। पंडित प्राशु शास्त्री ने बताया कि मंडल पर मुख्य मंगल कलश की स्थापना सिंघवी दीपक कुमार मयूर कुमार परिवार को एवं निर्वाण लाडू चढाने का सौभाग्य पंचोरी जिनेंद्र कुमार एवं मालवीय शीलभद्र परिवार को प्राप्त हुआ। माताजी ने श्री पारसनाथ भगवान का जीवन चरित्र बताते हुए कहा कि पारसनाथ भगवान ने समता भाव धारण करके, कर्मो पर विजय पाकर, उपसर्गो को सहन करते हुए, केवलज्ञान को प्राप्त किया। श्रावण शुक्ला सप्तमी को समस्त कर्मो को क्षय करके स्वर्ण भद्र कूट से मोक्ष प्राप्त किया। अतरू हमें भी जीवन में सदा क्षमता भाव को धारण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो अपने जीवन में एक बार भी भाव सहित सम्मेद शिखर की वंदना करता है वह नर्क और पशु गति से बच जाता है। हमें अपने जीवन में तीर्थ क्षेत्र की वंदना करते हुए सम्मेद शिखर की वंदना अवश्य करनी चाहिए। सेठ अमृतलाल एवं अर्पित घुघरावत के बताया कि माताजी के सानिध्य में मुकुट सप्तमी पर 400 से अधिक श्रद्धालुओं ने उपवास किया जिसमें बच्चों से लेकर बुजुर्गो सम्मिलित रहे। ध्यान रहे कि जैन धर्म के उपवास में किसी भी तरह का खाना-पीना निषेध है उसमें अगले दिन सुबह तक पानी भी नहीं पीया जाता हैं।

खांदू कॉलोनी में भगवान पार्श्वनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक मुकुट सप्तमी पर्व पर गुरु मां के सानिध्य में विधान करते ससंघ एवं श्रद्धालु।

यादव मीडिया प्रभारी बने

बांसवाड़ा, (निसं)। भीम आर्मी प्रदेश आईटी सेल प्रभारी सोनू बामणिया के निर्देशानुसार जिलाध्यक्ष प्रवीण बुनकर ने पवन यादव डडुका को जिला मीडिया प्रभारी नियुक्त किया। जिलाध्यक्ष ने यादव को भीम आर्मी भारत एकता मिशन व बाबा साहब, कांशीराम की विचारधारा को घर-घर ढाणी-ढाणी पहुंचाने का आव्हान करते हुए संगठन की मजबूती के लिए कार्य करने के निर्देश दिये।

राखी मेले का शुभारंभ

राजसमंद, (निसं)। महावीर इंटरनेशनल की 50वीं वर्षगांठ पर दो दिवसीय मेले का उद्घाटन समारोह के विशिष्ट अतिथि संभागीय सचिव निर्मल सिंघवी और डिप्टी डायरेक्टर राजेंद्र पोखरना ने किया। महावीर इंटरनेशनल वर्धमान सचिव राकेश डांगी की उपस्थिति में समारोह का शुभारंभ प्रार्थना भावना दिन रात मेरी सब सुखी संसार हो से करने के बाद अतिथियों का स्वागत सुभाष कोठारी और मुकेश कोठारी द्वारा उपरना से किया गया। संभागीय सचिव निर्मल सिंघवी ने महावीर इंटरनेशनल के सेवा कार्य के बारे में विस्तृत जानकारी दी। संस्था की गोल्डन जुबली में प्रवेश पर महिला सशक्तिकरण की ओर एक कदम बढाते हुए महावीर इंटरनेशनल वर्धमान के बैनर तले मां बेटी एक्जिबिशन द्वारा राखी मेला का आयोजन महावीर इंटरनेशनल की जोन संयोजक (महिला सशक्तिकरण) वंदना कोठारी के द्वारा किया गया। गोल्डन जुबली लोगो अपेक्स कार्यालय जयपुर के लिए बनवाया जिसका अनावरण पदाधिकारियों ने किया। महिलाओं ने अपने उत्पाद के साथ 35 स्टाल लगाए। जिसमें राखियां, साडी, कुर्ती, खिलौने, दैनिक जरूरत में काम आने वाली वस्तुएं, वाजिब मूल्य के साथ एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराई गई।

सवा लाख रुपए की रिश्वत लेते संयुक्त निदेशक गिरफ्तार

- सोनोग्राफी मशीन को सील करने, सोनोग्राफी रजिस्टर वापस लौटाने और आगे परेशान नहीं करने की एवज में रिश्वत मांगी थी
- चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त निदेशक को गिरफ्तार किया

उदयपुर, (कासं)। एसीबी की राजसमंद इकाई ने रविवार को कार्रवाई करते हुए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. जुल्फिकार अहमद काजी को 1.25 लाख रुपए रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है।

एसीबी के महानिदेशक डॉ. रविप्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि एसीबी राजसमंद को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई थी, जिसमें सोनोग्राफी मशीन को सील करने, सोनोग्राफी रजिस्टर वापस लौटाने और आगे परेशान नहीं करने की एवज में आरोपी डॉ. काजी रिश्वत की मांग कर रहा था। इसके लिए परिवादी को बार-बार कार्रवाई के लिए धमकाकर परेशान किया जा रहा था। एसीबी उप महानिरीक्षक राजेन्द्र प्रसाद गोयल के सुपरविजन में एएसपी हिम्मत सिंह चारण ने शिकायत का सत्यापन किया। इस दौरान डॉ. जुल्फिकार अहमद काजी को 1.25 लाख रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई जारी है। साथ ही आरोपी से मामले में एसीबी की टीम पूछताछ कर रही है। डॉ. जुल्फिकार अहमद काजी संयुक्त निदेशक होने के साथ उदयपुर शहर में पीसीपीएनडीटी के समुचित प्राधिकारी अधिकारी भी थे। ऐसे में इनके पास सभी निजी मेडिकल कॉलेज, बड़े हॉस्पिटल्स और सोनोग्राफी सेंटर को लाइसेंस देने, उनका रिन्यूअल और मॉनिटरिंग का जिम्मा था। जहां इनके खिलाफ शिकायतें मिलती रहह। इसके अलावा इनके खिलाफ जिले की कई प्रमुख जांच को लंबित रखने के भी आरोप लगते रहे हैं। वर्ष 2019 में डॉ. जुल्फिकार को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में संयुक्त निदेशक बनाया था। फरवरी 2024 में सरकार ने उन्हें हटाकर डॉ. प्रकाश चन्द्र को संयुक्त निदेशक बना दिया था। इसके विरोध में डॉ. जुल्फिकार हाईकोर्ट से स्टे लेकर वापस पद पर बने रहे। ऐसे में राज्य सरकार ने हाल ही स्टे का निस्तारण करते हुए डॉ. प्रकाश चन्द्र को एपीओ कर दिया। इस पर डॉ. जुल्फिकार अपने पद पर बने रहे। उल्लेखनीय है कि आरोपी डॉ. काजी को पिछले साल स्वतंत्रता दिवस पर राज्य स्तर पर उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया था।

सारस्वत महिला संस्थान ने रंगारंग लहरिया महोत्सव मनाया

जयपुर/ चितौड़गढ़, (निसं)। सारस्वत महिला संस्थान चित्तौड़गढ़ के तत्वाधान में अनंत रिसोर्ट, चितौड़गढ़ में रंगारंग और मनभावक लहरिया महोत्सव का आयोजन किया गया। अंतरराज्य स्तरीय लहरिया महोत्सव में जयपुर अजमेर, भीलवाड़ा, नीमच, मनासा, उदयपुर, कोटा, कनेरा, चित्तौड़गढ़ सहित एक दर्ज़न जिलों की टीमों ने भाग लिया।

- महोत्सव में जयपुर अजमेर, भीलवाड़ा, नीमच, मनासा, उदयपुर, कोटा, कनेरा, चित्तौड़गढ़ सहित एक दर्ज़न जिलों की टीमों ने भाग लिया

महोत्सव का शुभारंभ नगर परिषद सभापति संदीप शर्मा ने दीप प्रज्वलन कर किया। मुख्य अतिथि के रूप में रतलाम से पुष्पा व्यास, नगर पालिका अध्यक्ष बेग रंजना शर्मा उपस्थित थी। कार्यक्रम का संचालन प्रिया शर्मा, सोनाली ओझा एवं ज्योति ओझा द्वारा किया गया। महिला संस्थान चितौड़गढ़ सचिव निशा सारस्वत ने मुख्य अतिथि, निर्णायक एवं सभी टीमों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। निर्णायक की भूमिका में परिधि भटनागर उपस्थित थी। साधना सारस्वत अध्यक्ष सारस्वत महिला संस्थान चितौड़गढ़ में समाज की सभी महिलाओं को मृत्यु के समय दिया जाने वाला लेनदेन बंद करने की शपथ दिलाई। सभी टीमों ने गीत, संगीत और नृत्य के साथ अपना टैलेंट शोकेस किया। प्रतिभागियों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति देकर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में सभी बहनें लहरिया परिधान में सुसज्जित होकर आयोजन में शामिल हुई। रंग-बिरंगे लहरिये के परिधानों से सजी महिलाओं ने सावन के गीतों पर जमकर नृत्य किया।

लहरिया महोत्सव में कई प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। चित्तौड़गढ़ से सरोज ओझा, खुशबू व्यास, खुशबू ओझा ,रजनी व्यास एवं कमला ओझा ने कान्हा और गोपियों का रूप धारण कर मनमोहक स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया। सभी टीमों ने सावन थीम पर अपनी प्रस्तुति दी। जयपुर की टीम ने अपनी प्रस्तुति में सामाजिक कुरीतियों को मिटाने एवं पर्यावरण बचाने का संदेश दिया। सारस्वत महिला संस्थान चितौड़गढ़ की कार्यकारिणी ने नारी सशक्तिकरण थीम पर अपनी प्रस्तुति दी। प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान क्रमशः जयपुर भीलवाड़ा एवं कोटा की टीम ने प्राप्त किया। सारस्वत महिला संस्थान की अध्यक्ष साधना सारस्वत ने बताया कि राजस्थानी संस्कृति और परंपरा वर्षों से चली आ रही है। आज की पीढ़ी ऐसे कार्यक्रमों से दूर हो रही है।

कार्यक्रम में महिलायें लहरिया परिधान में सुसज्जित होकर शामिल हुई।

सार-समाचार

सांस्कृतिक संध्या आयोजित

बांसवाड़ा, (निसं)। भारत विकास परिषद जिला शाखा की ओर से संस्कृति सप्ताह के अंतर्गत परिषद भवन रातीतलाई में सांस्कृतिक संध्या आयोजित की गयी। कार्यक्रम का शुभारंभ वंदे मातरम गीत एवं गोपाल पंड्या द्वारा गणेश वंदना से किया गया। डॉ. आशा मेहता ने परिषद सदस्यों का स्वागत किया। कार्यक्रम में परिषद सदस्यों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जिसमें अंजना याग्निक ने नाचे नंदलाला झूले नंदलाला भजन, डॉ रूचिर नागर ने सबसे ऊंची प्रेम सगाई गीत, डॉ. दर्शना त्रिवेदी ने शायरी और गुजराती गीत, हरेंद्र याग्निक ने हास्य चुटकुले, रीतू नागर ने तुझे क्या चढाऊ माता तेरे पास क्या नहीं है के सुंदर गरबे, युधिष्ठिर त्रिवेदी ने गायत्री मंत्र का शुद्ध उच्चारण एवं उसका भावार्थ, गोपाल पंड्या ने हरिओम पंवार की कविता, मयूरी सोनी ने कुमार विश्वास की देशभक्ति से ओतप्रोत कविता, राजेंद्र द्विवेदी ने दिनकरजी की, उपाध्यक्ष धर्मिष्ठा पंड्या ने वह दोस्ती है ..स्वरचित कविता, रीता त्रिवेदी ने गुरू वंदन गीत, चेतना सराफ ने अपने पिता की स्वरचित कविता, विनोद अग्रवाल ने दोहे, अध्यक्ष नीरज मेहता ने सावन की घटा छाई यह देख के दिल झूमा गीत, आतिश जैन ने देशभक्ति कविता, आर पुरोहित ने जीत गया, बेला अग्रवाल ने गीत, सचिव संजय गुप्ता ने वह सुहाने दिन वह आशिकाने दिन गीत तथा एडवोकेट पंकज मेहता ने जो तुम नहीं गीत की प्रस्तुति दी। मीडिया प्रभारी कल्पेश मेहता ने बताया कि कार्यक्रम में नवसदस्य देवेंद्र सैनी एवं पुष्पा सैनी को प्रांतीय संरक्षक डॉ रविंद्र लाल मेहता ने शपथ दिलाई।

नवीन कार्यकारिणी को दिलाई शपथ

बांसवाड़ा, (निसं)। पंच राजभोई माली समाज की बैठक नवनिर्वाचित अध्यक्ष कन्हैयालाल राठौड के सानिध्य में खोडियार माता मंदिर परिसर में हुई। जिसमें राजभोई समाज की नवीन कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए चुन्नीलाल राठौड को संरक्षक, हेमंत कुमार फौजी, दीपक कुमार व गंगाराम भोई उपाध्यक्ष, प्रवीण कुमार सचिव, राहुल राठौड मीडिया एवं सांस्कृतिक प्रभारी, पमा पहलवान व्यायामशाला अध्यक्ष, जितेन्द्र कुमार भंडार प्रमुख, कमलेश कुमार खेलकूद प्रमुख,चित्रांक भोई विधि सलाहकार, अशोक भोई कार्यालय प्रमुख, प्रकाश हरि ऊं धार्मिक कार्य प्रमुख, अविनाश भोई धार्मिक कार्य सहप्रमुख, मणिलाल भोई सरपंच पुरानी कॉलोनी, कृष्णा भोई सरपंच निचला भोईवाडा, हाकरचन्द्र भोई सरपंच नई कॉलोनी, राजेन्द्र भोई नवयुवक मंडल अध्यक्ष, देवेन्द्र व विजय भोई सब्जी विक्रेता प्रमुख, ललित, राहुल, कमलेश, रमेशचंद्र व हरिश भोई कुवैत प्रतिनिधि मनोनीत किया गया वहीं कन्हैयालाल राठौड, अंबालाल, राजेन्द्र कुमार, रायचंद, पंकज भोई, दिनेश, पंकज कुमार व तीनों पंच सरपंचो को मंदिर निर्माण समिति में शामिल किया गया तथा मोहनलाल, ईश्वरलाल, राजेन्द्र, जितेन्द्र व हेमराज भोई प्रमुख सलाहकार नियुक्त किये गये। कार्यकारिणी सदस्यों में राजेन्द्र, सोहनलाल, अरुण गहलोत,उंकार भोई को शामिल किया गया। नवीन कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण के पश्चात् अध्यक्ष कन्हैयालाल राठौड ने आगामी धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम डेगली माता चौक पर गणेश महोत्सव, नवरात्रि गरबा महोत्सव एवं अखाडा प्रदर्शन के संबंध में चर्चा की।

सावन लहरिया महोत्सव मनाया

राजसमंद, (निसं)। जिला मुख्यालय पर दाधीच महिला मंडल का सावन लहरिया महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि विधायक दीप्ति माहेश्वरी रही। समाज के प्रवक्ता गौतम शर्मा ने बताया यह पूरा आयोजन महिला मंडल द्वारा ही किया गया। समाज की कुलदेवी दधिमती मां का दीपक प्रज्ज्वलित करके समाज के अध्यक्ष सुरेश जोशी ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। जज की भूमिका में रमिला लक्सकार और विभा पालीवाल रही। अध्यक्ष स्नेहलता दाधीच, उपाध्यक्ष गीता व्यास, सचिव निशा दाधीच, बसंती व्यास और स्वेता व्यास ने मंच संचालन किया। एकल नृत्य, गीत, रैंप वॉक, ड्रेस प्रतियोगिता आयोजित किए गए। जिसमें समाज की महिलाओं ने उत्साह, उमंग उल्लास के साथ भाग लिया। इस दौरान वंदना जोशी, कुसुमलता व्यास, किरण दाधीच, रेणु दाधीच, शांति दाधीच, ममता व्यास, मोना जोशी, ललिता व्यास,गिरिजा व्यास, विभा जोशी,नीलिमा व्यास, अनु दाधीच सहित महिला मंडल का सहयोग रहा।

पचास पौधे रोपे

राजसमंद, (निसं)। जैन श्वेतांबर तेरापंथी संस्थान कांकरोली की ओर से रविवार को प्रज्ञा विहार के प्रांगण में एक पेड शासन माता के नाम और एक पेड अपनी माता के नाम कार्यक्रम के तहत प्रज्ञा विहार परिसर में 50 पौधे लगाए गए। पौधारोपण के मौके पर तेरापंथी संस्थान कांकरोली के मंत्री धनेंद्र मेहता ने बताया कि तेरापंथ धर्म संघ की आठवीं साध्वी प्रमुखा साध्वी, कनकप्रभा को आचार्यश्री महाश्रमण ने शासन माता की उपाधि दी थी। इस दौरान लोकेश बाफना, जगजीवन चोरडिया, श्यामसुंदर चोरडिया, विनोद चोरडिया, मधुदेवी चोरडिया, तारा बापना, चंदा टूकलिया, किरण बापना, तारा चोरडिया, सीमा डांगी सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

हज़रत दीवाना शाह साहब र.अ. का तीन दिवसीय उर्स आज से

कपासन, (निसं)। हज़रत ख्वाज़ा गरीब नवाज़ र.अ. की छट्टी शरीफ की महफिल से हज़रत दीवाना शाह साहब र.अ. के 83वें उर्स का आगाज सोमवार को होगा।

प्रख्यात सूफी संत हज़रत दीवाना शाह साहब र.अ. की दरगाह वक्फ कमेटी के सैक्रेट्री मोहम्मद यासीन खाँ अशरफी के अनुसार बाबा हुजूर का तीन दिवसीय 83वां उर्स 12 अगस्त, 6 सफर सोमवार को प्रातः 09 बजे हज़रत ख्वाज़ा गरीब नवाज़ र.अ. के छट्टी शरीफ की महफिल से शुरू होकर 14 अगस्त, 8 सफर बुधवार को जोहर की अज़ान से पहले कुल की फातिहा के साथ सम्पन्न होगा।दरगाह शरीफ स्थित बुलन्द दरवाजे पर मेडल डिक्टेटर लगाए गए है, पुरे दरगाह परिसर, हाईवे से लेकर उपखण्ड कार्यालय तक चप्पे-चप्पे पर सी.सी. टी.वी. केमरे लगाए गए है। और जगह-जगह उची मचान से केमरे द्वारा निगरानी रखने के साथ ही ड्रॉन केमरे से नज़र रखी जाएगी।

सोमवार प्रातः 9 बजे शाही महफिल खाने मे महफिले मिलाद के बाद महफिले समा, रात्रि को 11 बजे संदल पेश करने की रस्म अदा की जाएगी। बाद नमाज़े ईशा के महफिले मिलाद के बाद महफिले समा। मंगलवार रात्रि को बाद नमाज़े ईशा के महफिले मिलाद के बाद महफिले समा एवं रात्रि 3:30 बजे गुस्ल की रस्म अदा की जाएगी। बुधवार 14 अगस्त बाद नमाज़े फजर के देग का खाना तकसीम होगा और 8 बजे कुल की महफिल शुरू होगी एवं जोहर की अज़ान से पहले कुल की फातिहा के साथ उर्स सम्पन्न होगा। गुरूवार को आम जायरीन के दीदार हेतु भूमिगत मज़ार के पट खोले जाएगे।

बाबा हुजूर के यहा हर साल नया काम देखने को मिलता है इस साल दरगाह परिसर के बुलन्द दरवाजा से लेकर महफिल खाना तक लम्बाई 172 फिट, चोडाई 68 फिट, ऊचाई 34 फिट, लंगरखाना से लेकर हॉजे उल्फत तक लम्बाई 235 फिट, चोडाई 34 फिट, ऊचाई 24 फिट, अहमद कबीर मंजिल की डबल मंजिल पर लम्बाई 106 फिट, चोडाई 46 फिट, ऊचाई 30 फिट एवं महबूब पार्क के पीछे कमरा नं. 106 के पास लम्बाई 135 फिट, चोडाई 48 फिट, ऊचाई 24 फिट लोहे के चार डोम जायरीने दीवाना के सहुलियात के लिए लगाए गए है एवं अहाता ए नूर के तीनो डोम के नीचे पी.वी.सी. पेनल का बहुत ही सुन्दर कार्य किया गया है। प्रशासन द्वारा पार्किंग कि व्यवस्था निम्नानुसार की गई। चित्तौड़गढ़ की तरफ से आने वालो के लिए राजकीय महाराणा उच्च माध्यमिक विद्यालय का खेल मेदान, भादसोडा की तरफ से आने वालो के लिए स्टेशन के पास पुरानी कपास फैक्ट्री के बाहर का ग्राउण्ड, उदयपुर की तरफ से आने वालो के लिए माताजी के मंदिर के सामने वाला ग्राउण्ड रहेगा।

तहसीलदार जगदीश चन्द्र बामनीया एवं गिरदावर मोहम्मद हारून शैख ने वक्फ कमेटी सदस्यो के साथ पुरे दरगाह परिसर का निरक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

प्रख्यात सूफी संत हजरत दीवाना शाह साहब र.अ. की दरगाह शरीफ का विहंगम दृश्य।

विजेताओं का किया सम्मान

बांसवाड़ा, (निसं)। विद्या भारती संस्थान की ओर से संचालित विद्या निकेतन माध्यमिक विद्यालय बागीदौरा में जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता खो-खो, कबड्डी भैया अंडर 14 व अंडर 17 का उद्घाटन जिला मंत्री नवनीत शुक्ला व प्रबंध समिति अध्यक्ष हिरजी भाई पटेल, अश्विन प्रणामी, शोभा प्रणामी व सुरेश त्रिवेदी के आतिथ्य में किया गया। प्रारंभ में अतिथियों ने टॉस करवाकर खेल का शुभारंभ करते हुए खिलाडियों से परिचय लिया।

समापन सत्र विद्या भारती संस्थान जिला सचिव ललित दवे, प्रांत खेल सहसंयोजक नरेश पाटीदार व जिला खेल संयोजक राजेश त्रिवेदी के सानिध्य में हुआ। अतिथियों का परिचय माध्यमिक विद्यालय बागीदौरा की प्रधानाध्यापिका पूनम सोलंकी तथा स्वागत प्रबंध समिति सदस्य ममता आमेटा व प्रबंध समिति उपाध्यक्ष वालजीभाई अड ने किया। प्रतियोगिता का प्रतिवेदन जिला खेल संयोजक राजेश त्रिवेदी ने प्रस्तुत किया। अतिथियों ने विजेता खिलाडियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। विद्यालय खेल प्रभारी कांतिलाल मसार ने बताया कि खो-खो 14 आयु वर्ग में विजेता मंदारेश्वर बांसवाडा व उपविजेता कुशलगढ रहे। खो-खो 17 आयु वर्ग में विजेता पालोदा घाटोल संकुल व उप विजेता कुशलगढ रहा। कबड्डी 14 वर्ष में विजेता मंदारेश्वर तथा उपविजेता बडोदिया कुशलगढ संकुल, कबड्डी विजेता 17 वर्ष में बडोदिया कुशलगढ संकुल विजेता तथा कबड्डी 17 वर्ष में मंदारेश्वर बांसवाडा उपविजेता रहा।

भोलेनाथ के जयकारों से गूंजा डूंगरपुर

नवा महादेव मंदिर मे रखे कावड़।

डूंगरपुर, (निसं)। श्रावण मास के अवसर पर वागड में कावडयात्रा शुरू हो गई है। सोम, माही और जाखम नदियों के त्रिवेणी संगम बेणेश्वर धाम से कावडों में पवित्र जल लेकर कावडियों का जत्था रविवार को डूंगरपुर पहुंचा। हर-हर महादेव के जयकारों से ही पूरा रास्ता गूंजता रहा। वहीं, सोमवार को शहर में शोभायात्रा के साथ धनेश्वर महादेव का जलाभिषेक किया जाएगा।

- बेणेश्वर धाम से पवित्र जल लेकर पहुंचे कावड़िए

श्रावण मास को लेकर हर साल बांसडवाडा के युवाओं की ओर से कावडयात्रा निकाली जाती है। 60 कावडयात्रियों का जत्था कल शनिवार को डूंगरपुर से बेणेश्वर धाम के लिए निकला। बेणेश्वर धाम पर शिव मंदिर, राधा कृष्ण मंदिर, ब्रम्हा मंदिरों में दर्शनों के बाद सोम, माही और जाखम नदियों के पवित्र त्रिवेणी संगम से जल कावडों में भरा। इसके बाद कावडिए बम-बम भोले और हर-हर महादेव के जयकारे लगाते हुए डूंगरपुर के लिए रवाना हो गए। रिमझिम बारिश और फुहारों के बीच कावडिए जयकारे लगाते हुए बढते रहे।रविवार दोपहर से कावडियों के जत्थे डूंगरपुर शहर में पहुंचना शुरू हो गए। छोटी ओर बडी कावडों के साथ ही शिवलिंग की कावड भी थामे हुए थी। कावडियों के लिए रविवार को शहर के ओटा में ही विश्राम रहेगा। जहां कावडियों की ओर से लाए गए पवित्र जल को ओटे में ही रखेंगे। वहीं, कल श्रावण मास के सोमवार को कावडयात्रियों की शोभायात्रा निकाली जाएगी। जिसमें शहर के लोग भी शामिल होंगे। कावडिए जयकारों के साथ धनेश्वर महादेव मंदिर पहुंचेंगे और भगवान शिवजी का अभिषेक करेंगे।

एक मैच के निलंबन के कारण मुझे सेमीफाइनल मैच से बाहर होने का मलाल है। ये काफी अहम मैच था। पूरा देश और मेरे साथी खिलाड़ी मेरे साथ थे। टीम ने कभी भावनात्मक रूप से बाहर होने नहीं दिया। मेरा ध्यान बस अगले मैच पर था। – **अमित रोहिदास**

भारतीय हॉकी खिलाड़ी, अपने बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

बखोदिर जलोलोव

उज्बेकिस्तान के बखोदिर जलोलोव ने पेरिस ओलंपिक में पुरुषों के 92 प्लस किग्रा वर्ग के मुक्केबाजी फाइनल में स्पेन के अयूब गदफा डिसी एल आइसाउई को हराया। रोलैंड-गैरोस स्टेडियम में देर रात बखोदिर जलोलोव ने शानदार खेल का मुजाहिरा करते हुए स्पेन के मुक्केबाज को 5-0 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। बखोदिर जलोलोव का यह ओलंपिक में दूसरा स्वर्ण पदक है। मुकाबला जीतने के बाद जलोलोव ने कहा, यह उज्बेकिस्तान के लिए इतिहास है और मैं भावुक हूं क्योंकि दो बार ओलंपिक चैंपियन बनना मेरा सपना था।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट इतिहास का पहला टेस्ट इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया के मध्य 1877 में मेलबोर्न में खेला गया था। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता।

विनेश फोगाट से पहले एना बारबोसु खिलाड़ी को मिला सीएएस से न्याय

नई दिल्ली, 11 अगस्त। पेरिस ओलंपिक 2024 शुरू से ही किसी ना किसी कारण चर्चा में रहा। वहीं ओलंपिक 2024 में भारतीय स्टार रेसलर विनेश फोगाट को 100 ग्राम ज्यादा वजन होने के कारण फाइनल से बाहर कर दिया गया था।

ऐसे में उनसे मेडल छिन गया। जिसके बाद विनेश ने कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स में केस किया, जिसकी सुनवाई हो चुकी है लेकिन फैसला आने में अभी भी समय लगेगा। दरअसल, सीएएस ने पहले फैसला 11 अगस्त के लिए टाला था जिसके बाद एक बार फिर फैसला टालते हुए 13 अगस्त का दिन फैसले के लिए तय किया गया है। लेकिन इससे पहले ने

रोमानिया की जिम्नास्ट एना बारबोसु को अच्छी खबर दी है। जिम्नास्टिक के फ्लोर इवेंट में एना ने हारकर भी ब्रॉन्ज मेडल जीत लिया है। साथ ही कोर्ट ने अमेरिका की जिम्नास्ट जॉर्डन चाइल्स से ब्रॉन्ज मेडल छीन लिया है। बता दें कि, इवेंट में जॉर्डन तीसरे और एना चौथे नंबर पर रही थीं।

बता दें कि, इवेंट के फाइनल राउंड में जॉर्डन ने 13.766 स्कोर के साथ तीसरे नंबर पर रहते हुए ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया था। जबकि एना का स्कोर 13.700 रहा था और वो चौथे नंबर पर रही जिस कारण वह बाहर हो गई थीं। एक तरह से उन्हें हार मिली थी। के फैसले केबाद रिजल्ट को पूरी तरह से बदला गया। मैच में हार के बाद एना बारबोसु और उनकी टीम ने में केस दायर किया था। उन्होंने कहा कि जॉर्डन चाइल्स को गलत तरीके से पॉइंट्स दिए गए हैं। जिस कारण वो तीसरे नंबर पर रहीं।

पेरिस ओलंपिक खेलों में सर्वाधिक 40 स्वर्ण पदक के साथ चीन का दबदबा रहा

पेरिस, 11 अगस्त। पेरिस ओलंपिक 2024 खेलों में चालीस स्वर्ण पदक के साथ चीन ने दबदबा कायम रखा वहीं अमेरिका 38 स्वर्ण पदक के साथ दूसरे स्थान रहा। वहीं कुल पदकों के मामले में अमेरिका 124 पदकों के साथ एकमात्र शतकवीर रहा। चीन ने पेरिस खेलों में सर्वाधिक 40 स्वर्ण, 27 रजत और 24 कांस्य पदकों सहित कुल 91 पदक जीते है। इसी तरह अमेरिका 38 स्वर्ण, 44 रजत और 42 कांस्य सहित कुल सर्वाधिक 124 पदक के साथ पदक तालिका में दूसरे स्थान पर रहा।

इसके बाद तीसरे स्थान पर जापान ने 20 स्वर्ण , 12 रजत एवं 13 कांस्य पदक के साथ कुल 45 पदक जीते। चौथे पायदान पर रहते हुए ऑस्ट्रेलिया ने कुल 53 पदक जीते जिनमें 18 स्वर्ण , 19 रजत एवं 16 कांस्य पदक है।

इसी तरह मेजबान फ्रांस 16 स्वर्ण , 25 रजत एवं 22 कांस्य पदक के साथ पांचवे स्थान पर रहा। भारत ने एक रजत एवं पांच कांस्य पदक जीते है। टोक्यो ओलंपिक 2020 में भारत को सात पदक मिले थे। छठे स्थान पर रहते हुए नीदरलैंड ने 15 स्वर्ण , सात रजत एवं 12 कांस्य पदक के साथ कुल 34 पदक जीते। ग्रेट ब्रिटेन 14 स्वर्ण 22 रजत एवं 29 कांस्य पदक के साथ 65 पदक जीतकर सातवें स्थान पर, दक्षिण कोरिया 13 स्वर्ण, नौ रजत एवं 10 कांस्य पदकों के साथ कुल 32 पदकों के साथ आठवें स्थान पर रहा। इटली 12 स्वर्ण, 13 रजत एवं 15 कांस्य पदकों के कुल 40 पदक जीतकर नौवें स्थान एवं जर्मनी 12 स्वर्ण, 13 रजत एवं आठ कांस्य के साथ कुल 33 पदक जीतकर दसवें स्थान पर रहा।

भारत पदक तालिका में कुल छह पदकों के साथ 71वें स्थान पर रहा है। भारत के लिए पेरिस 2024 में निशानेबाजी में मनु भाकर ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल शूटिंग में कांस्य पदक जीतकर देश को पहला पदक दिलाया। इस तरह वह ओलंपिक निशानेबाजी में भारत की पहली पदक विजेता बन गईं। फाइनल में वह दक्षिण कोरिया की ओह ये जिन और किम येजी से पीछे रहीं।

मनु भाकर ने पेरिस 2024 ग्रीष्मकालीन खेलों में इतिहास रच दिया और वह एक ही संस्करण में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय बन गईं। महिलाओं की व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने के कुछ दिनों बाद उन्होंने सरबजोत सिंह के साथ मिलकर मिश्रित टीम 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। इन दोनों ने टीम पदक के लिए दक्षिण कोरियाई प्रतिद्वंद्वियों को हराया।

इसी तरह निशानेबाज स्वप्निल कुसाले ने पेरिस 2024 में भारत के लिए तीसरा पदक जीता। इसी के साथ भारत ने ओलंपिक में किसी एक संस्करण में देश के लिए शूटिंग में सबसे अधिक पदक जीते। उन्होंने पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। इन तीन पदकों ने लंदन 2012 में निशानेबाजी में जीते गए भारत के दो पदकों के प्रदर्शन को पीछे छोड़ दिया। हालांकि, यह ओलंपिक में 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन शूटिंग इवेंट में पहला पदक था।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने कांस्य पदक मैच में स्पेन को 2-1 से हराकर ओलंपिक में अपना लगातार दूसरा पदक जीता। यह भारतीय हॉकी का 1968, 1972 और 2020 खेलों के बाद चौथा ओलंपिक कांस्य पदक था और उनका कुल मिलाकर 13वां ओलंपिक पदक। पेरिस में भारत के लिए कप्तान हरमनप्रीत सिंह कुल दस गोल किए। मौजूदा विश्व चैंपियन नीरज चोपड़ा पेरिस 2024 ओलंपिक में पुरुष भाला फेंक फाइनल में अपने टोक्यो 2020 खिताब का बचाव करने से ज़रूर चूक गए।

आईओसी ने अभिनव बिंद्रा को किया ओलंपिक ऑर्ड से सम्मानित

नई दिल्ली, 11 अगस्त। भारतीय निशानेबाज अभिनव बिंद्रा को ओलंपिक आंदोलन में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय समिति ने ओलंपिक ऑर्डर अवॉर्ड से सम्मानित किया। पेरिस में जारी 142वें आईओसी सक्ष के दौरान उन्हें इस अवॉर्ड से नवाजा गया। उनसे पहले भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को 1983 में इस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था।

भारतीय निशानेबाज अभिनव बिंद्रा को ओलंपिक आंदोलन में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय समिति ने ओलंपिक ऑर्डर अवॉर्ड से सम्मानित किया। पेरिस में जारी 142वें आईओसी सक्ष के दौरान उन्हें इस अवॉर्ड से नवाजा गया। उनसे पहले भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को 1983 में इस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था। बीजिंग 2008 ओलंपिक खेलों में 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में टॉप स्थान हासिल करके भारत के पहले ओलंपिक व्यक्तिगत गोल्ड मेडलिस्ट बने बिंद्रा को अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने सम्मानित किया। बिंद्रा ने कहा कि, जब मैं छोटा था तो ये ओलंपिक रिंग्स ही थे, जिन्होंने मेरे जीवन को अर्थ दिया।

आईओसी खिलाड़ी आयोग के उपाध्यक्ष बिंद्रा ने कहा कि ये पुरस्कार उन्हें और भी अधिक मेहनत करने और ओलंपिक आंदोल में योगदान देने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा, और दो दशक से अधिक समय तक अपने ओलंपिक सपने को पूरा करने में सक्षम होना मेरे लिए सौभाग्य की बात थी। खिलाड़ी के तौर पर अपने करियर के बाद, ओलंपिक आंदोल में योगदान देने की कोशिश करना मेरे लिए बहुत बड़ा जुनून रहा है।

सभी राजनीतिक दल विनेश को राज्यसभा भेजने पर फैसला लें : अजय

भिवानी, 11 अगस्त। जननायक जनता पार्टी (जजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय चौटाला ने रविवार को कहा कि सभी राजनीतिक दलों को पहलवान विनेश को राज्यसभा भेजने पर सर्वसम्मति से फैसला लेना चाहिए और इसके लिए जजपा तैयार है। भिवानी जिले के गाँवों में जनसंपर्क अभियान के दौरान श्री चौटाला ने कहा कि विनेश का विषय देश की भावना से जुड़ा है इसलिए इस पर राजनीति करना उचित नहीं है। जजपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री नायब सैनी हर रोज नई-नई घोषणाएं करके जनता को गुमराह कर रहे है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ कांग्रेस भी चुनाव के समय झूठी घोषणाएं करके जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रही है। ओलिम्पिक में फाइनल में पहुँचने के बाद वज़न मामूली ज्यादा होने के कारण अयोग्य करार दी गई पहलवान विनेश को राज्यसभा भेजने की बात सबसे पहले नेता प्रतिपक्ष भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने कही थी। उन्होंने कहा था कि यदि कांग्रेस के पास बहुमत होता तो विनेश को राज्यसभा भेजते। उन्होंने यह मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के उस बयान पर प्रतिक्रिया स्वरूप कहा था जिसमें मुख्यमंत्री ने कहा था कि विनेश को वह सब सुविधाएं और सम्मान हरियाणा सरकार देगी जो रजत पदक विजेता को दी जाती हैं।

नीरज का आलीशान घर, लग्जरी गाड़ियों और बाइक के लिए अलग पार्किंग

नई दिल्ली, 11 अगस्त। भारत के स्टार जैवलिन थ्रो खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने पेरिस ओलंपिक में देश के लिए सिल्वर मेडल जीता। आजादी के बाद नीरज देश के पहले एथलीट हैं जिन्होंने दो मेडल जीते हैं। इससे पहले उन्होंने टोक्यो ओलंपिक 2020 में गोल्ड मेडल जीता था। ओलंपिक चैंपियन बनने के बाद नरीज पर करोड़ों रुपये की बरसात हुई। नीरज ने इन पैसों से अपने गांव में आलीशान घर बनाया है। ये घर किसी एक्टर या नेता के घर से कम नहीं है। वहीं नीरज के घर का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। नीरज के घर के बाहर नेमप्लेट पर लिखा हुआ है। साथ ही वासुधेव कुंटबकम लिखा है। वहीं घर के अंदर घुसते ही पार्किंग नजर आएगी। इस पार्किंग में कई लग्जरी गाड़ियां हैं, इसमें महिंद्रा थार, रेंर रोवर, मशर्टेग जैसी कारें शामिल हैं। जबकि इसके अलावा बाइक्स के लिए अलग से पार्किंग है। नीरज चोपड़ा के घर के आंगन में ही एक बड़ा मंदिर भी है। पूरे घर में पेड़ पौधे हैं और हर तरफ हरियाली है। घर के पीछे की ओर बैठक बनी हुई है। यहां ऊपर डिजाइनर लाइट्स लगी हैं साथ ही नीचे सफेद रंग के सोफे हैं और बगल में एक पूल टेबल भी है। जमीन पर हरी घास भी नजर आ रही है। नीरज के बहुमंजिला के घर के सबसे ऊपर तिरंगा लगा हुआ है।

पेरिस ओलंपिक खेलों में अमेरिका नंबर वन

पेरिस, 11 अगस्त। पेरिस ओलंपिक 2024 खेलों में पदकों का शतकवीर अमेरिका ने 126 पदकों के साथ अपना नंबर वन का रूतबा कायम रखा। वहीं 91 पदकों के साथ चीन दूसरे स्थान पर है। अमेरिका ने 40 स्वर्ण, 44 रजत और 42 कांस्य सहित कुल सर्वाधिक 126 पदक जीते है और वह पदक तालिका में शीर्ष पर। वहीं चीन सर्वाधिक 40 स्वर्ण, 27 रजत और 24 कांस्य पदकों सहित कुल 91 पदक के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। इसके बाद तीसरे स्थान पर जापान ने 20 स्वर्ण , 12 रजत एवं 13 कांस्य पदक के साथ कुल 45 पदक जीते। चौथे पायदान पर रहते हुए ऑस्ट्रेलिया ने कुल 53 पदक जीते जिनमें 18 स्वर्ण , 19 रजत एवं 16 कांस्य पदक है।

इसी तरह मेजबान फ्रांस 16 स्वर्ण , 25 रजत एवं 22 कांस्य पदक के साथ कुल 64 पदकों के पांचवे स्थान पर रहा। छठे स्थान पर रहते हुए नीदरलैंड ने 15 स्वर्ण , सात रजत एवं 12 कांस्य पदक के साथ कुल 34 पदक जीते। ब्रिटेन 14 स्वर्ण 22 रजत एवं 29 कांस्य पदक के साथ 65 पदक जीतकर सातवें स्थान पर, दक्षिण कोरिया 13 स्वर्ण, नौ रजत एवं 10 कांस्य पदकों के साथ कुल 32 पदकों के साथ आठवें स्थान पर रहा। इटली 12 स्वर्ण, 13 रजत एवं 15 कांस्य पदकों के कुल 40 पदक जीतकर नौवें स्थान एवं जर्मनी 12 स्वर्ण, 13 रजत एवं आठ कांस्य के साथ कुल 33 पदक जीतकर दसवें स्थान पर रहा। भारत पदक तालिका में कुल छह पदकों के साथ 71वें स्थान पर रहा है। भारत ने एक रजत एवं पांच कांस्य पदक जीते है। टोक्यो ओलंपिक 2020 में भारत को कुल सात पदक मिले थे।

भारत के लिए पेरिस 2024 में निशानेबाजी में मनु भाकर ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल शूटिंग में कांस्य पदक जीतकर देश को पहला पदक दिलाया। इस तरह वह ओलंपिक निशानेबाजी में भारत की पहली पदक विजेता बन गईं। फाइनल में वह दक्षिण कोरिया की ओह ये जिन और किम येजी से पीछे रहीं। मनु भाकर ने पेरिस 2024 ग्रीष्मकालीन खेलों में इतिहास रच दिया और वह एक ही संस्करण में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय बन गईं। महिलाओं की व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने के कुछ दिनों बाद उन्होंने सरबजोत सिंह के साथ मिलकर मिश्रित टीम 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। इन दोनों ने टीम पदक के लिए दक्षिण कोरियाई प्रतिद्वंद्वियों को हराया।

इसी तरह निशानेबाज स्वप्निल कुसाले ने पेरिस 2024 में भारत के लिए तीसरा पदक जीता। इसी के साथ भारत ने ओलंपिक में किसी एक संस्करण में देश के लिए शूटिंग में सबसे अधिक पदक जीते। उन्होंने पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। इन तीन पदकों ने लंदन 2012 में निशानेबाजी में जीते गए भारत के दो पदकों के प्रदर्शन को पीछे छोड़ दिया। हालांकि, यह ओलंपिक में 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन शूटिंग इवेंट में पहला पदक था। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने कांस्य पदक मैच में स्पेन को 2-1 से हराकर ओलंपिक में अपना लगातार दूसरा पदक जीता। यह भारतीय हॉकी का 1968, 1972 और 2020 खेलों के बाद चौथा ओलंपिक कांस्य पदक था और उनका कुल मिलाकर 13वां ओलंपिक पदक। पेरिस में भारत के लिए कप्तान हरमनप्रीत सिंह कुल दस गोल किए।

मौजूदा विश्व चैंपियन नीरज चोपड़ा पेरिस 2024 ओलंपिक में पुरुष भाला फेंक फाइनल में अपने टोक्यो 2020 खिताब का बचाव करने से ज़रूर चूक गए लेकिन 89.45 मीटर का थ्रो करके रजत पदक जीता, जो उनके करियर का दूसरा सर्वश्रेष्ठ थ्रो है। वह ओलंपिक में दो पदक जीतने वाले स्वतंत्र भारत के पहले ट्रैक एंड फील्ड एथलीट बन गए। अमन सहरावत ने पेरिस 2024 में पुरुषों की 57 किग्रा फ्रीस्टाइल कुश्ती स्पर्धा में भारत के लिए लगातार दूसरा ओलंपिक पदक जीता। भारतीय पहलवान ने कांस्य पदक मुकाबले में प्यूर्टो रिको के डेरियन क्रूज को 13-5 से हराया। कांस्य पदक मैच से पहले अमन ने पेरिस ओलंपिक में सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था, जिसमें पूर्व विश्व चैंपियन अल्बानिया के ज़ेलिमखान अबकारोव पर जीत भी शामिल थी। 21 साल 24 दिन के अमन सहरावत ओलंपिक में भारत के सबसे कम उम्र के पदक विजेता रहे।

पहली ग्रांट से रिपेयर होगा जीएनडीयू का एस्ट्रो टर्फ : औजला

अमृतसर, 11 अगस्त। पंजाब के अमृतसर से कांग्रेस सांसद गुरजीत सिंह औजला ने रविवार को कहा कि वह पहली ग्रांट आने पर श्री गुरु नानक देव युनिवर्सिटी (जीएनडीयू) में 25 लाख के खर्च से एस्ट्रो टर्फ की मरम्मत कराएंगे और हर साल एक टर्फ बनाया जाएगा ताकि खिलाड़ी मन लगाकर खेल सकें। औजला ने आज ओलंपिक में कांस्य पदक जीतकर वापिस आयी नैशनल हॉकी टीम का श्री गुरु राम दास जी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर स्वागत करते हुए कहा कि इन खिलाड़ियों ने बेहद उत्साह के साथ पंजाब का और देश का नाम ऊंचा किया है। उन्होंने खिलाड़ियों के लिए एक करोड़ की घोषणा होने पर कहा कि पिछली बार कैप्टन अमरिंदर सिंह सरकार में भी पहले विजेता टीम के लिए एक करोड़ की घोषणा की थी लेकिन मैंने खुद जोर देकर उसे दो करोड़ 51 लाख रु कराया था। उन्होंने कहा कि वह खुद खिलाड़ी रहे हैं और जानते हैं कि दिन रात की मेहनत के बाद ही जीत हासिल हो पाती है। औजला ने कहा कि पंजाब में नशे के दरिया को रोकने के लिए खेलों को प्रोमोट करना बेहद जरूरी है। इसीलिए जब हरियाणा खिलाड़ियों को ढाई करोड़ दे रहा है तो पंजाब के खिलाड़ियों को भी ढाई करोड़ मिलने चाहिए। उन्होंने कहा कि यह खिलाड़ी हर किसी के लिए मिसाल के रुप में उभरे है और इन्हें देखकर ही युवकों को प्रेरणा लेनी चाहिए। आने वाली पीढ़ी को खेलों के प्रति रुचि दिखानी चाहिए ताकि वह अपनों का और देश का नाम रोशन कर सकें।

बीस भारतीय एथलीटों को ओलंपिक में ध्वजवाहक बनने का सम्मान मिला

पेरिस, 11 अगस्त। भारत की ओर से ओलंपिक खेलों के उद्घाटन समारोह में राष्ट्रीय ध्वजवाहक बनने वाले पहले एथलीट पुरमा बनर्जी के बाद अब तक बीस एथलीटों को यह सम्मान मिला है। हॉकी खिलाड़ियों को सबसे अधिक छह बार यह सम्मान हासिल हुआ है। बेल्जियम के हुये एंटवर्प ओलंपिक 1920 में 400 मीटर धावक पुरमा बनर्जी को पहला भारतीय ध्वजवाहक बनने का सम्मान मिला था। ग्रीष्मकालीन खेलों में एक देश का ध्वजवाहक राष्ट्र के मूल्यों का प्रतिनिधित्व करता है और इसे ओलंपिक आदर्शों के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। यह भविष्य के लिए एक प्रेरणा या रोल मॉडल हो सकता है। वर्षों से भारत के लिए ओलंपिक ध्वजवाहक अपने-अपने खेलों के अग्रणी खिलाड़ी रहे हैं। उन्होंने कई बार अपनी उपलब्धियों से देश को गौरवान्वित किया है। उनकी पहचान भारत के महान खिलाड़ियों के रूप में होती है। आजाद भारत में लंदन ओलंपिक 1948 के पहले ध्वजवाहक होने का सम्मान भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम के प्रेरणादायक पहले कप्तान डॉ. तालीमरीन एओ को मिला। लेकिन इनमें से केवल आठ ही ऐसे एथलीट्स हैं, जिन्होंने ओलंपिक में पदक जीता। देश के एकमात्र पहले व्यक्तिगत स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा रियो ओलंपिक 2016 में भारत के ध्वजवाहक थे। यह उनका आखिरी ओलंपिक भी था। ध्वजवाहकों में अन्य स्वर्ण पदक विजेताओं में 1932 ओलंपिक हॉकी टीम के कप्तान लाल चंद भोकरी, जादूगर ध्यान चंद, दिग्गज बलबीर सिंह सीनियर और जफर इकबाल भी शामिल हैं।

मनु भाकर-सरबरोज सिंह को मिला सरकारी नौकरी का ऑफर

नई दिल्ली, 11 अगस्त। भारत को पेरिस ओलंपिक 2024 में शूटिंग से तीन मेडल मिले। भारत को सरबजोत सिंह और मनु भाकर ने ब्रॉन्ज मेडल दिलाया। मनु और सरबजोत सिंह ने हाल ही में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मुलाकात की। इन दोनों को हरियाणा सरकार ने नौकरी का ऑफर दिया है। लेकिन दोनों ही नौकरी करने से इंकार कर दिया है। सरबजोत और मनु ने नौकरी का ऑफर न स्वीकार करने का कारण भी बताया।

हरियाणा के मुख्यमंत्री के मीडिया कॉर्डिनेटर मुकेश वशिष्ठ ने इस मसले पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि, इन दोनों खिलाड़ियों को नौकरी जॉइन करना मुश्किल है। ये दोनों मेडल के लिए खेल रहे हैं। मनु और सरबजोत सिंह का कहना है कि वे दोनों गोल्ड मेडल के लिए खेल रहे हैं, न की नौकरी के लिए, मनु और सरबजोत को खेल विभाग में डिप्टी डायरेक्टर की पोस्ट ऑफर की गई थी, इन दोनों से पहले और भी एथलीट्स को

नौकरी का ऑफर मिल चुके हैं। अगर मेडल टैली पर नजर डालें तो इसमें चीन सबसे ऊपर है। चीन ने कुल 90 मेडल जीते हैं, इसमें 39 गोल्ड, 27 सिल्वर और 24 ब्रॉन्ज हैं। दरअसल, मेडल टैली में सबसे ज्यादा गोल्ड जीतने वाला देश सबसे ऊपर रहता है। यूएसए दूसरे नंबर पर है। उसने 38 गोल्ड समेत 122 मेडल जीते हैं। इसमें 42 सिल्वर और 42 ब्रॉन्ज मेडल शामिल है। ऑस्ट्रेलिया 18 गोल्ड मेडल के साथ 18 सिल्वर और 14 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं।

विश्व स्तर पर पदक जीतने वाले खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि को बढ़ाया : अवश्ती

सोलन, 11 अगस्त। हिमाचल प्रदेश के मुख्य संसदीय सचिव संजय अवस्थी ने कहा कि राज्य के खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार ने न केवल विश्व स्तर पर पदक जीतने वाले खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि को बढ़ाया है अपितु विभिन्न स्तरों की प्रतिस्पर्धाओं में खिलाड़ियों को दी जानी वाली डाईट मनी में भी वृद्धि की है। अवस्थी रविवार को अर्कफ विधानसभा क्षेत्र के राजकीय छात्र वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला में 14 वर्ष से कम आयुवर्ग की तीन दिवसीय खण्ड खेल-कूद प्रतियोगिता के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे थे।

अवस्थी ने कहा कि खेल व्यक्तिगत विकास के साथ-साथ राष्ट्र एवं प्रदेश की छवि को सशक्त बनाने का बेहतर माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार युवाओं को बेहतर खेल अधोसंरचना एवं प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए प्रयासरत है। ओलपिंक्स खेलों की व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने पर दी जानी वाली पुरस्कार राशि तीन करोड़ रुपए से बढ़ाकर पांच करोड़ रुपए, रजत पदक जीतने पर पुरस्कार राशि दो करोड़ रुपए से बढ़ाकर तीन करोड़ रुपए तथा कांस्य पदक जीतने पर पुरस्कार राशि को एक करोड़ रुपए से बढ़ाकर दो करोड़ रुपए किया गया है। उन्होंने कहा कि एशियन खेलों और राष्ट्र मण्डल खेलों में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि में भी वृद्धि की गई है।

उन्होंने कहा कि विभिन्न स्तरों की प्रतिस्पर्धाओं में खिलाड़ियों को दी जाने वाली डाईट मनी में आशातीत वृद्धि की गई है। प्रदेश सरकार का उद्देश्य न केवल खिलाड़ियों के मनोबल को बढ़ाना है अपितु उन्हें भविष्य की चिंता से मुक्त भी करना है।

अवस्थी ने अध्यापकों और छात्रों से आग्रह किया कि एक खेल में उत्कृष्ट बनें ताकि उनकी प्रतिभा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश और प्रदेश का नाम रोशन कर सके। उन्होंने कहा कि लक्ष्य निर्धारित कर किए जाने वाले कार्यों में सफलता प्राप्त होती है। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि हार से निराश न हों अपितु हार से सबक लेकर अपनी गल्तियों को सुधारते हुए जीत प्राप्त करना का प्रयास करें।

मुख्य संसदीय सचिव ने कहा कि खिलाड़ी समाज के लिए प्रेरणा स्त्रोत होते है और नशे के विरुद्ध खिलाड़ियों के सामूहिक प्रयास युवाओं को नशे से दूर रखने में सहायक होंगे। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि हिमाचल को नशा मुक्त बनाने में प्रदेश सरकार के प्रयासों को सहयोग दें।

अवस्थी ने राजकीय छात्र वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला अर्कफ में शौचालय निर्माण के लिए 23 लाख रुपए प्रदान करने तथा छत की मुरम्मत के लिए प्राकलन अनुसार धनराशि प्रदान करने की घोषणा की। उन्होंने खेलकूद प्रतियोगिताओं के आयोजकों को 21 हजार रुपए देने की घोषणा भी की।

उन्होंने इस अवसर पर सभी को विश्वास दिलाया कि अर्कफ विधानसभा क्षेत्र का समुचित विकास उनकी प्राथमिकता है और विकास के लिए धन की कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। आज से आरम्भ हुई इस तीन दिवसीय खण्ड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में 18 विद्यालयों के 210 छात्र भाग ले रहे हैं। कबड्डी, वॉलीबॉल, खो-खो, बैडमिंटन और मार्चपास्ट इत्यादि खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इस अवसर पर छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया।

डॉ. मनीष अग्रवाल अध्यक्ष व अरुण प्रताप सिंह बने सचिव

मुकेश अग्रवाल बने वरिष्ठ उपाध्यक्ष, ललित गुप्ता सहित चार उपाध्यक्ष बने, जयपुर जिला हैंडबॉल संघ के चुनाव सम्पन्न

जयपुर, 11 अगस्त। रविवार को संडे होटल में संपन्न हुये जयपुर जिला हैंडबॉल संघ के चुनावों में डा. मनीष अग्रवाल अध्यक्ष पद पर तथा अरुण प्रताप सिंह मानद सचिव पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुये। जबकि सीए मुकेश अग्रवाल वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुये। ललित गुप्ता, सुब्रत सेन, आशीष जैन व अनिरुद्ध सिंह राजावत उपाध्यक्ष चुने गये।

इन चुनावों में जिला क्रीड़ा परिषद् की ओर से राजेश कुमार टेलर, जयपुर जिला ओलम्पिक संघ की ओर से भंवर लाल शर्मा, राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ की ओर से चंद्रवीर सिंह राजावत पर्यवेक्षक के रुप में मौजूद थे। चुनाव अधिकारी रिटायर्ड खेल अधिकारी महेश चंद सैनी थे। यह चुनाव राजस्थान स्पोर्ट्स एक्ट-2005 व नेशनल

स्पोर्ट्स डेवलपमेंट कोड-2011 के प्रावधानों के तहत हुए है। निवर्तमान सचिव यश प्रताप सिंह ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का माला पहनाकर स्वागत किया।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष डा. मनीष अग्रवाल ने कहा कि जल्दी ही कार्यकारिणी की बैठक आयोजित कर आगामी टूर्नामेंटों की रूपरेखा तैयार की जायेगी। नवनिर्वाचित कार्यकारिणी : अध्यक्ष: डा. मनीष अग्रवाल। वरिष्ठ उपाध्यक्ष: मुकेश अग्रवाल। उपाध्यक्ष: ललित गुप्ता, सुब्रत सेन, आशीष जैन, अनिरुद सिंह राजावत। मानद सचिव: अरुण प्रताप सिंह। कोषाध्यक्ष: लोकेश शर्मा। संयुक्त सचिव: महिवर्दन सिंह, विनोद बालोदिया, पीयूष तिवारी, हर्षवर्धन सिंह सोलंकी। कार्यकारिणी सदस्य: दीपक गुप्ता, मोहित शर्मा, दीपेंद्र प्रधान, अभिनव पालीवाल।

प्रदेश में लगातार हो रही बारिश और जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को आपदा प्रबंधन विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में मुख्यमंत्री सभी अधिकारियों एवं जिला सचिवों को जिलों का दौरा करने तथा आपदा राहत के त्वरित इंतजाम करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि, जान-माल के नुकसान से बचाना एवं सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री ने अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों में त्वरित राहत पहुंचाने के निर्देश दिए

मु.मंत्री भजनाल शर्मा ने आपदा प्रबंधन की समीक्षा बैठक में कहा कि अतिवृष्टि की स्थिति का जायजा लेने के लिए प्रभारी सचिव जिलों का दौरा करें

- **मुख्यमंत्री ने विभागों की संयुक्त टीमें गठित करने तथा बचाव एवं राहत कार्य में गति लाने के निर्देश दिये।**

जयपुर, 11 अगस्त (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों के संबंध में मुख्यमंत्री कार्यालय में उच्चाधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में हर संभव और त्वरित राहत पहुंचाने तथा बचाव-राहत कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आपदा प्रबंधन गतिविधियों को अधिक सक्रिय बनाने के लिए निर्देश दिए।

शर्मा ने बैठक में निर्देश दिए कि प्रभारी सचिव अपने प्रभार वाले जिलों का दौरा कर अतिवृष्टि की स्थिति का जायजा लें और जिला प्रशासन के माध्यम से प्रभावित क्षेत्रों में तुरंत राहत पहुंचाएं। मुख्यमंत्री ने सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस प्रशासन की पूर्ण सतर्कता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि संबंधित विभागों की संयुक्त टीमें गठित कर तत्काल राहत कार्यों में गति लाई जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बचाव व राहत कार्यों को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर रहे एवं जलभराव क्षेत्रों का दौरा कर पानी निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करें तथा प्रभावित क्षेत्रों में पानी, बिजली सहित बुनियादी सुविधाओं की शीघ्र बहाली की जाए। साथ ही उन्होंने भोजन, पेयजल, दवाइयों की तत्काल व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि मौसमी बीमारियों की रोकथाम हेतु मुस्तैदी से कार्य करें एवं आमजन में जागरूकता हेतु एडवाइजरी जारी की जाए।

शर्मा ने कहा कि राज्य एवं जिला स्तरीय आपदा प्रबंधन कंट्रोल रूम की व्यवस्था को चाक-चौबंद रखा जाए। साथ ही, मौसम विभाग के आने वाले दिनों के पूर्वानुमान के आधार पर आवश्यक ऐहतियाती उपाय किए जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि क्षतिग्रस्त बांधों और नहरों की स्थिति की लगातार निगरानी की जाए।

बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक यू.आर.साहू, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव आपदा प्रबंधन आनन्द कुमार, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय आलोक गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव नगरीय विकास एवं आवासन टी. रविकान्त, आयुक्त जयपुर विकास प्राधिकरण मंजू राजपाल, चैयरमैन डिस्कॉम्स भानू प्रकाश एटूरू सहित आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

प्रदेश को बनायेंगे ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर : भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री ने भीलवाड़ा नगर निगम सहित बजट घोषणाओं के लिए आभार सभा को म्संबोधित किया

- **मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए हर क्षेत्र-हर वर्ग सौगातें दी गई हैं।**

जयपुर, 11 अगस्त (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने निवास पर भीलवाड़ा नगर परिषद को नगर निगम में क्रमोन्नत करने सहित भीलवाड़ा और जहाजपुर विधानसभा क्षेत्र से संबंधित बजट घोषणाओं के लिए आयोजित आभार सभा को संबोधित करते हुए कहा कि, राज्य सरकार समाज के सभी वर्गों की आकांक्षाओं के अनुरूप विकसित राजस्थान के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि परिवर्तित राज्य बजट 2024-25 विकसित राजस्थान की धुरी हैं। इसमें प्रदेशवासियों से प्राप्त विभिन्न सुझावों को शामिल करते हुए राज्य के विकास का रोडमैप तैयार किया गया है तथा हर क्षेत्र और हर वर्ग को सौगातें दी गई हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के विकास के लिए बिजली और पानी सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकताएं होती है। इसलिए हमारी सरकार इन क्षेत्रों के लिए प्राथमिकता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य की ऊर्जा जरूरतों को ध्यान में रखते हुए नवीकरणीय ऊर्जा को बढावा देने एवं ऊर्जा उत्पादक इकाइयां स्थापित करने के लिए विभिन्न एमओयू किये गये हैं। हमारा लक्ष्य वर्ष 2027 तक राजस्थान को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है। शर्मा ने कहा कि प्रदेशवासियों को शुद्ध पेयजल एवं सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने के लिए हमारी सरकार पूर्वी राजस्थान के लिए ईआरसीपी के साथ ही शेखावाटी के लिए यमुना जल समझौता तथा दक्षिण राजस्थान के जिलों के लिए देवास परियोजना का धरातल पर क्रियान्यवन कर रही है। उन्होंने कहा कि बिजली-पानी की पर्याप्त उपलब्धता से राज्य में कृषि, उद्योग एवं पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा जिससे विकसित राजस्थान का सपना साकार होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भीलवाड़ा शहर का विस्तार तेजी से हो रहा है। हमने भविष्य की जरूरतों को समझते हुए भीलवाड़ा नगर परिषद को नगर निगम में क्रमोन्नत करने का फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि परिवर्तित राज्य बजट में भीलवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई हैं। इनमें भीलवाड़ा में 132 केवी जीएसएस एवं बीएसपी नगर में 33/11 केवी जीएसएस का निर्माण तथा 8 करोड़ रुपये से भीलवाड़ा-देवगढ़ वाया पांसल, पिथास बागोर, बोराणा जगदीश सड़क चौड़ाईकरण कार्य शामिल हैं। शर्मा ने कहा कि भीलवाड़ा में टैक्सटाइल पार्क स्थापित करने के साथ ही 12 करोड़ रुपये से मानसरोवर झील के विकास कार्य भी करवाये जायेंगे। इसके अतिरिक्त उदयपुर, चित्तौड़गढ़ एवं भीलवाड़ा में पेयजल तथा सिंचाई के लिए 30 करोड़ रुपये की परियोजना एवं जयपुर-भीलवाड़ा ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे के निर्माण की डीपीआर बनायी जानी भी प्रस्तावित है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जहाजपुर विधानसभा क्षेत्र के लिए भी राज्य बजट में कई प्रावधान किए गए है। लगभग 71 करोड़ रुपये की लागत से क्षेत्र की विभिन्न सड़कों का निर्माण उन्नयन एवं चोड़ाईकरण कार्य कराये जायेंगे। साथ ही पीपलूंद में औद्योगिक क्षेत्र तथा पण्डेर में औद्योगिक पार्क स्थापित किया जायेगा। शर्मा ने कहा कि जहाजपुर-शाहपुरा के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र को उप जिला चिकित्सालय में तथा अमरगढ़ एवं सरदार नगर (बनेड़ा) के उप स्वास्थ्य केन्द्रों को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में क्रमोन्नत किया जायेगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए जहाजपुर-शाहपुरा में कन्या महाविद्यालय, कोटडी में नवीन महाविद्यालय तथा सरसिया में जनजाति बालिका छात्रावास खोला जायेगा। इसके अतिरिक्त गुढ़ा में 33/11 केवी जीएसएस का निर्माण भी करवाया जायेगा।

कार्यक्रम में जहाजपुर और भीलवाड़ा विधानसभा क्षेत्र से आये लोगों ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को साफा एवं दुपट्टा पहनाकर उनका अभिनंदन किया एवं शौर्य के प्रतीक के रूप में तलवार भेंट की। इस अवसर पर जहाजपुर विधायक गोपीचंद मीणा एवं भीलवाड़ा नगर परिषद के सभापति राकेश पाठक सहित विभिन्न जन प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

'अडानी ग्रुप ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

महीने बाद एक ब्लॉगपोस्ट में आरोप लगाया, सेबी ने अडानी के मॉरीशस और विदेश स्थित फर्जी कंपनियों के कथित अघोषित जाल में आश्चर्यजनक रूप से रुचि नहीं दिखाई है।

अडानी समूह ने अमेरिकी शोध एवं निवेश फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च के नवीनतम आरोपों को दुर्भावनापूर्ण और चुनिंदा सार्वजनिक सूचनाओं से छेड़छाड़ करने वाला बताते हुए रविवार को कहा कि उसका बाजार नियामक सेबी की अध्यक्ष या उनके पति के साथ कोई वाणिज्यिक संबंध नहीं है।

'बांग्लादेश के रणनीतिक द्वीप ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मेरी सत्ता कायम रहती। उन्होंने कहा, लेकिन मैंने अपने देश के लोगों का ख्याल रखा। शेख हसीना ने लोगों से यह भी अपील की कि वह उग्रवादियों के बहकावे में न आएं। गौरतलब है कि मई में हसीना ने बांग्लादेश और म्यांमार के कुछ हिस्सों को विभाजित करके पूर्वी तिमोर की तरह एक ईसाई राज्य बनाने की साजिश का आरोप लगाया था। उन्होंने दावा किया कि अगर वह किसी विदेशी देश को बांग्लादेश में एयरबेस स्थापित करने की अनुमति देती हैं तो उन्हें बेहद आसानी से एक बार फिर पीएम चुन लिया जाएगा। हालांकि उन्होंने उस वक्त देश का नाम नहीं बताया था। शेख हसीना ने अपने बयान में कहा कि अगर वह देश में रुकी होतीं तो और ज्यादा मौतें हो जातीं। इतना ही नहीं, प्रदर्शन भी काफी उग्र होता और इससे नुकसान भी काफी होता। उन्होंने बांग्लादेशवासियों से कहा कि मैं आपकी लीडर बनी, क्योंकि आपने मुझे चुना था। बता दें कि शेख हसीना के इस्तीफे के बाद बांग्लादेश में 300 से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं। इसके चलते अभी तक वहां पर मरने वालों की संख्या बढ़कर 560 हो चुकी है। हसीना ने कहा कि उनके शब्दों का गलत इस्तेमाल करके छात्रों को भड़काया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि मैंने कभी भी प्रदर्शनकारी छात्रों को रजाकर कहकर नहीं बुलाया। हसीना ने कहा कि किस तरह से साजिश की गई है, इसको देखना है तो आप मेरे भाषण का पूरा वीडियो देखिए।

हरियाणा: जमीन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जानकारी के अनुसार रानियां में श्री जीवननगर नामधारी धाम स्थित है। नामधारी सिख समुदाय के दो धाम हैं, एक धाम श्री भैणी साहिब लुधियाना में है, जिसे सतगुरु उदय सिंह संभालते हैं। दूसरा धाम सिरसा के रानियां में है, जिसे ठाकुर दलीप सिंह संभालते हैं। रविवार को सतगुरु उदय सिंह के अनुयायी डेरा जीवन नगर से सटी 12 एकड़ जमीन पर कब्जा करने की नीयत से आए थे। जमीन श्री जीवन नगर नामधारी धाम से सटी है। कब्जा लेने की कोशिश का पता चलते ही दूसरा पक्ष वहां पहुंच गया, जिसके बाद दोनों पक्षों में जमकर झगड़ा शुरू हो गया। सतगुरु उदय सिंह के 250 अनुयायियों ने डेरे पर हमला कर दिया। दोनों तरफ से हथियार निकल गए और ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू हो गई। इस घटना में 6 लोगों को गोलियां लगी हैं।

वहीं खूनी झड़प की जानकारी मिलने के बाद जब पुलिस घटनास्थल पर पहुंची तो पुलिस पर भी गोलियां चला दी गई। एसएचओ की गाड़ी पर भी गोलियां बरसाई गई और ड्राइवर बाल-बाल बच गया। पुलिस वाले किसी तरह अपनी जान बचाकर वहां से भागे। इसके बाद सिरसा के एसपी विक्रांत भूषण भारी पुलिस फोर्स लेकर मौके पर पहुंचे। पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़कर भीड़ को वहां से खदेड़ा लेकिन पुलिस को शक है कि अभी भी हथियार बंद खेतों में छुपे हुए हैं, जिन की तलाश में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

सिरसा पिछले कई दिनों से तनाव में है। हाल ही में सिरसा के जगमालवाली स्थित मस्ताना शाह बलोचिस्तान आश्रम के संत महाराज बहादुर चंद वकील साहब का एक अगस्त को निधन हो गया था। उनकी गद्दी पर दो पक्षों की दावेदारी थी और डेरा प्रमुख के अंतिम संस्कार के दौरान दो पक्षों में गोलीबारी हुई थी।

इसे देखते हुए रस्म पगड़ी के दौरान भी हिंसा की आशंका को लेकर प्रशासन ने सिरसा में इंटरनेट सेवाओं को बंद कर दिया गया था। सिरसा में इंटरनेट सेवा ठप कर दी गई थी। अब इस घटना ने सरकार और जिला प्रशासन की चिंता और बढ़ा दी है और जिले में कानून-व्यवस्था कायम रखना चुनौती बन गई है।

बाणगंगा नदी में नहाने गये सात युवकों की डूबने से मौत

बताया जा रहा है कि सभी युवक पानी में नहाने के दौरान रील बना रहे थे, सभी मृतक 14 वर्ष से 22 वर्ष आयु तक के बताए हैं

- **बयाना क्षेत्र में होकर बहने वाली इस बाणगंगा नदी में करीब तीन दशक बाद बरसाती पानी का ऐसा तेज बहाव आया है।**
- **घटना की सूचना मिलने पर एसडीआरएफ की टीम ने रैस्क्यू अभियान चलाकर बच्चों को पानी से निकलवाकर समीप के स्वास्थ्य केन्द्र झील का बाड़ा पहुंचाया।**
- **जिला कलेक्टर डॉ. अमित यादव ने मौके पर जाकर स्थिति का जायजा लिया तथा परिजनों से मिलकर नियमानुसार सहायता दिलाने का भरोसा दिलाया।**

भरतपुर, 11 अगस्त (निसं)। जिले के बयाना उपखण्ड के पिदावली ग्राम के पास बाणगंगा नदी में वर्षा के पानी में नहाने के लिए गये श्रीनगर गांव निवासी सात बच्चों की डूब जाने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि सभी युवक पानी में नहाने के दौरान रील बना रहे थे। सभी मृतक 14 वर्ष से 22 वर्ष आयु तक के बताए हैं। जानकारी के अनुसार, बयाना क्षेत्र में होकर बहने वाली इस बाणगंगा नदी में करीब तीन दशक बाद बरसाती पानी का ऐसा बहाव आया है। इस समय इस नदी में तीन से चार फीट पानी का जल स्तर बताया है किंतु इस नदी में कई जगह खनन माफियाओं की ओर से बड़े पैमाने पर मिट्टी का अवैध खनन किए जाने से गहरे गहरे गड्ढे हो गए हैं जिनमें काफी गहरा पानी भर जाने से और ऐसे गड्ढे में ही यह बच्चे डूब जाने से यह हादसा हुआ बताया है। इस घटना के बाद गांव में हाहाकार मच गया। कई दशकों बाद बयाना क्षेत्र में बाण गंगा नदी में पानी आया था। इस घटना की सूचना मिलने पर प्रशासन द्वारा त्वरित टीम भेजी गई। एस.डी.आर.एफ. की टीम ने रैस्क्यू अभियान चलाकर बच्चों को पानी से निकलवाकर समीप के स्वास्थ्य केन्द्र झील का बाड़ा पहुंचाया गया, जहां जिला कलेक्टर डॉ. अमित यादव ने मौके पर जाकर स्थिति का जायजा लिया तथा परिजनों से मिलकर नियमानुसार सहायता दिलाने का भरोसा दिलाया।

बयाना उपखण्ड के पिदावली गांव के पास बाणगंगा नदी में बने गड्ढे में नहाने गये बच्चों के डूबने की सूचना मिलने पर प्रशासन द्वारा एस.डी.आर.एफ. टीम भेजकर रैस्क्यू किया गया जिनमें से तीन बच्चों को झील का बाड़ा लेकर गये तथा चार बच्चों को भरतपुर आर.बी.एम. अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने सातों को मृत घोषित कर दिया। जिला कलेक्टर के निर्देश पर उपखण्ड प्रशासन द्वारा नियमानुसार सहायता प्रस्ताव तैयार कर राज्य सरकार को भिजवाया गया है। उपखण्ड अधिकारी बयाना ने बताया कि ग्राम श्रीनगर निवासी पवन (20) पुत्र उदय सिंह जाटव, सौरभ (14) पुत्र तानसिंह जाटव, भूपेन्द्र (18) पुत्र दशरथ जाटव, शांतनु (18) पुत्र खैमसिंह उर्फ खेमचन्द जाटव, लक्खी (20) पुत्र प्रीतम सिंह जाटव, पवन (22) पुत्र शुगर सिंह जाटव की डूबने से मौत हुई है।

मोदी ने ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की और कहा कि आम जनता का जैविक कृषि पर भरोसा बढ रहा है। उन्होंने कहा कि लोग जैविक खाद्य पदार्थों का उपभोग कर रहे हैं और इनकी मांग करते है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्रों को नई किस्मों के बारे में किसानों को जानकारी देने के लिए सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। मोदी ने नई फसल किस्म विकसित करने के लिए वैज्ञानिकों की सराहना की।

कार्यक्रम में शामिल किसानों ने कहा कि नई किस्मों से उनके खर्चों में कमी आएगी और पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव पडेगा। किसानों ने प्राकृतिक कृषि को बढावा देने के लिए सरकार के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र की जागरूकता बढाने में महत्वपूर्ण भूमिका है। वैज्ञानिकों ने बताया कि वे प्रधानमंत्री के सुझावों के अनुरूप काम कर रहे है।

बाद में केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने संवाददाताओं से कहा कि आज किसानों के लिए ऐतिहासिक दिन है जब 61 फसलों की 109 किस्में जारी की गई हैं। उन्होंने कहा कि इनसे किसानों की आय बढेगी, पैदावार में इजाफा होगा और लागत घटेगी। चौहान ने कहा कि इन फसलों के बीज जलवायु अनुकूल है और खराब मौसम में भी बेहतर पैदावार दे सकते हैं। उन्होंने बताया कि ये किस्में पोषक तत्वों से भरपूर हैं।

'हिन्दुओं को खत्म करने साजिश हो रही है'

आर.एस.एस. के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने बांग्लादेश में हिन्दुओं के खिलाफ हो रही हिंसा पर बड़ा बयान दिया

- **होसबाले ने कहा कि दुनिया के कई स्थानों पर हिंदुओं के मानवाधिकार चिंताजनक स्तर पर पहुंच गए हैं और इस संबंध में आवाज उठानी होगी।**
- **होसबाले ने दावा किया, हिंदू किसी के खिलाफ नहीं, बल्कि खुद की सुरक्षा के लिए एकजुट हो रहे हैं।**
- **गौरतलब है कि बांग्लादेश में बड़े पैमाने पर हिंसा हुई है, जिसमें मुख्यतः हिंदुओं को निशाना बनाया गया।**

नई दिल्ली, 11 अगस्त। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने बांग्लादेश में हिंसा पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने रविवार को दावा किया कि विभिन्न देशों से हिंदुओं का सफाया करने की कोशिशें की जा रही हैं। उन्होंने हिंसाग्रस्त बांग्लादेश में हिंदुओं, बौद्धों और अन्य अल्पसंख्यकों की रक्षा करने की जरूरत पर जोर दिया। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के क्षेत्रीय कार्यालय धर्मश्री भवन का आज उद्घाटन हुआ।

इस अवसर पर होसबाले ने कहा कि दुनिया के कई स्थानों पर हिंदुओं के मानवाधिकार चिंताजनक स्तर पर पहुंच गए हैं और इस संबंध में आवाज उठानी होगी।

आरएसएस के दूसरे नंबर के नेता ने दावा किया कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों में हिंदू जिस देश में रहते हैं, उसके विकास में योगदान दे रहे हैं। वे नियमों और विनियमों का पालन करते हैं। साथ ही, शांति से रहते हैं जो कि गर्व की बात है। होसबाले ने कहा, 'फिर भी, विभिन्न देशों से हिंदुओं का सफाया करने की कोशिशें हो रही हैं। हम देख रहे हैं कि बांग्लादेश में क्या हो रहा है। भारत सरकार अपनी तरफ से कोशिश कर रही है।'

आरएसएस नेता ने कहा, 'बांग्लादेश में हिंदुओं, बौद्धों और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों की रक्षा की जानी चाहिए। हमें अपनी आवाज उठानी होगी। कई देशों में हिंदुओं के मानवाधिकार चिंताजनक स्तर पर पहुंच गए हैं।' उन्होंने दावा किया कि हिंदू किसी के खिलाफ नहीं, बल्कि खुद की सुरक्षा के लिए एकजुट हो रहे हैं।

सभा को संबोधित करते हुए विहिप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने भी बड़ी बात कही। उन्होंने चारों दिशाओं में शत्रुतापूर्ण पड़ोसियों के कारण भारत के समक्ष उत्पन्न चुनौतियों को रेखांकित किया और हिंदू एकता पर जोर दिया।

अडानी के शेयरों के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

घोटाले में जेपीसी जांच नहीं होगी, तब तक मोदी जी अपने मित्र की मदद करते रहेंगे और देश की संवैधानिक संस्थाएं तार-तार होती रहेंगी।"

हिंडनबर्ग रिसर्च ने शनिवार को आरोप लगाया कि सेबी की अध्यक्ष बुच और उनके पति के पास कथित अडानी धन हेराफेरी घोटाले में इस्तेमाल किए गए अस्पष्ट 'विदेशी फंड' में हिस्सेदारी थी। हिंडनबर्ग ने अडानी पर अपनी पिछली रिपोर्ट के 18 महीने बाद एक 'ब्लॉगपोस्ट' में कहा, सेबी ने अडानी के मॉरीशस और विदेश स्थित इकाइयों के कथित अघोषित जाल में आश्चर्यजनक रूप से रुचि नहीं दिखाई है।

सेबी प्रमुख बुच और उनके पति ने एक संयुक्त बयान जारी कर हिंडनबर्ग के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे पूरी तरह से बेबुनियाद बताया है। उन्होंने कहा कि उनकी वित्तीय स्थिति (विनिमय) एक खुली किताब की तरह है। वहीं अडानी समूह ने रविवार को कहा कि हिंडनबर्ग के नए आरोप सार्वजनिक रूप से उपलब्ध सूचनाओं का दुर्भावनापूर्ण, शरारती और छेड़छाड़ करने वाला चयन है तथा उसका बाजार नियामक सेबी की अध्यक्ष या उनके पति के साथ कोई वाणिज्यिक संबंध नहीं है।

कानोता...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गहराई करीब 17 फीट है। ऐसे में जरा सी लापरवाही लोगों की जान मुसीबत में डाल सकती है।

खेतड़ी : महाराणा माता मंदिर के पास बने तालाब में नहाने उतरे तीन युवक डूबे

सांवलोद के रहने वाले तीनों युवक की मौत हुई

- **तालाब बीते कई महीनों से खाली था लेकिन बीते कई दिनों से हो रही बारिश के कारण तालाब में पानी की अच्छी आवक हो चुकी है।**

खेतड़ी, 11 अगस्त (निसं)। सिंघाना थाना क्षेत्र के महाराणा गांव में माता के मंदिर के पास बने तालाब में डूबने से रविवार शाम को तीन युवकों की मौत हो गई। तीनों मृतक महाराणा के पड़ोसी गांव सांवलोद के रहने वाले थे, जो नहाने के लिए महाराणा माता मंदिर के पास बने तालाब पर आए थे।

घटना शाम करीब साढ़े चार बजे की बताई जा रही है। युवकों के डूबने पर वहां नहा रहे अन्य लोगों ने पुलिस को सूचना दी तो सिंघाना पुलिस मौके पर पहुंची तथा ग्रामीणों की मदद से तीनों युवकों को तालाब से बाहर निकाला गया है। थानाधिकारी कैलाश चंद यादव ने बताया कि महाराणा माता मंदिर के पास बने तालाब में तीन युवकों के डूब जाने की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे। अभी दो युवकों के शव को निकाल लिया गया है तथा एक युवक की तलाश की जा रही है। तीनों युवक सांवलोद के रहने वाले होने की जानकारी सामने आई है। परिजनों के बारे में जानकारी जुटाकर युवकों की जानकारी जुटाई जा रही है। महाराणा की पहाड़ी पर ऐतिहासिक माता का मंदिर बना हुआ है। इसके अलावा मंदिर में सीढ़ी चढ़ने से पहले बने मुख्य द्वार के पास तालाब बना हुआ है। तालाब पिछले काफी दिनों से खाली था लेकिन क्षेत्र में पिछले दो दिनों से हो रही बरसात से तालाब पानी से भर गया है। तीनों युवक अपने गांव से महाराणा माता के मंदिर में आए थे।

इस दौरान तालाब में पानी देख नहाने के लिए उतर गए। इस दौरान पानी में डूबने से तीनों की मौत हो गई है। घटना की सूचना पर प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंचे तथा घटना की जानकारी जुटाई जा रही है। थानाधिकारी ने बताया कि तीनों मृतकों की पहचान अनूज पुत्र दलीप नेहरा, बुलकेश पुत्र यादराम तथा अनूज पुत्र पूर्णमल के रूप में हुई है। तीनों मृतकों के शव को खेतड़ीनगर के के.सी.सी. अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है, जहां सुबह परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम करवाया जाएगा।

मृतक अनूज का पिता पूर्णमल मजदूरी करता है, बड़ा भाई विनोद गाड़ी ड्राइवर है, दूसरे नंबर के भाई की चार साल पहले मृत्यु हो गई थी, मृतक अनुज तीन भाइयों में सबसे छोटा था। दो बड़ी बहनें शादीशुदा हैं।

अनुज पुत्र दलीप नेहरा अपने माता-पिता के इकलौता बेटा था। वह बीए प्रथम वर्ष में बुहाना के राजकीय कालेज में पढ़ाई कर रहा था। बुलकेश पुत्र यादराम तीन भाईयों में सबसे छोटा था। बड़ा भाई पहाड़ी में मजदूरी करता है। दूसरे नंबर का पढ़ाई तथा तीसरे नंबर का बुलकेश बारहवीं पास कर कालेज में एडमिशन लेने वाला था। मृतक का पिता यादराम भी मजदूरी करता है।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908